जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

Rashtradoot

जयपुर, मंगलवार 14 मई, 2024

MARUTI SUZUKI

NEXA

VELOCITY EDITION

TURBO BOOSTERJET

INDIA'S FASTEST 1 LAKH SALES

FRONX

*Claim verified by independent research agency - JATO Dynamics Limited for Fastest to 1Lakh sales in SUV and PV categories since launch on 19-January-2024.

1.0L Turbo Boosterjet Engine with Progressive Smart Hybrid

Front Grille Garnish
Opulent Red

Head Lamp Garnish

Rear Upper Spoiler Extender
Black + Red

NEXA Safety Shield

- DUAL FRONT AIRBAGS
- ABS WITH EBD
- PEDESTRIAN PROTECTION COMPLIANCE
- COMPLIANT WITH -
- FULL FRONTAL IMPACT
- FRONTAL OFFSET IMPACT
- SIDE IMPACT

BENEFITS UP TO ₹58 000^

CONTACT YOUR NEAREST NEXA DEALER: JAIPUR: NEXA AJMER ROAD (VIPUL MOTORS PVT. LTD. PH: 9116032607), **NEXA RAJAPARK** (KTL AUTOMOBILE PVT. LTD. PH: 9257022731), **NEXA MANSAROVAR** (AURIC MOTORS PH: 8929207442, 7075270752), **NEXA VKIA SIKAR ROAD** (SATNAM MOTOCORP PVT. LTD. PH: 9116639102), **NEXA QUEENS ROAD** (KP AUTOMOTIVES PH: 7230030501), **NEXA TONK ROAD** (PREM MOTORS PVT. LTD. PH: 8058499999), **AJMER: NEXA MAKHUPURA** (NAVNEET MOTORS PH: 9116116501, 9116116502), **NEXA VAISHALI NAGAR** (AJMER AUTO PH: 9694541201, 9314391004), **ALWAR: NEXA MANHAR VILLA** (FORTUNE CARS PH: 7230029424), **BHIWADI: NEXA BHIWADI CENTRAL** (FORTUNE CARS PH: 9214794313), **BHILWARA: NEXA SUKHADIA CIRCLE** (CHAMPION CARS PH: 8081133333), **BIKANER: NEXA JAIPUR ROAD** (AURIC MOTORS PH: 7230081665), **JHUNJHUNU: NEXA JHUNJHUNU CENTRAL** (AURIC MOTORS PH: 7412087314), **JODHPUR: NEXA CHOPASNI ROAD** (LMJ SERVICES LTD. PH: 7230013811), **NEXA SHASTRI CIRCLE** (AURIC MOTORS PH: 8875012697), **PALI: NEXA PALI SUMERPUR ROAD** (LMJ SERVICES PVT. LTD. PH: 7230013801), **KOTA: NEXA AERODROME CIRCLE** (BHATIA & COMPANY PH: 9414079018), **JHALAWAR: NEXA JHALAWAR SOUTH** (BHATIA & COMPANY PH: 9116108619), **NAGAUR: NEXA BIKANER ROAD NAGAUR** (SHRI MANGALAM AUTO PVT. LTD. PH: 6399292929), **BHARATPUR: NEXA BHARATPUR CENTRAL** (TM MOTORS PVT. LTD. PH: 9785838888), **SIKAR: NEXA SIKAR JAIPUR ROAD** (JAMU AUTOMOBILES PVT. LTD. PH: 9694412777), **SRI GANGANAGAR: NEXA GANGANAGAR NORTH** (AURIC MOTORS PH: 7412092301), **UDAIPUR: NEXA RAJNAGAR** (TECHNOY MOTORS PH: 9251988300), **NEXA GOVERDHAN VILAS** (TECHNOY MOTORS PH: 9116007250, 8306300695), **NEXA CENTRAL UDAIPUR** (NAVNEET MOTORS PH: 7665016580), **DAUSA: NEXA JAIPUR AGRA BYPASS DAUSA** (VIPUL MOTORS (P) LTD. PH: 9829560109), **CHITTORGARH: NEXA CHITTORGARH CENTRAL** (TECHNOY MOTORS PH: 9116007250).

Contact us at
1800-200-6392
1800-102-NEXA
www.nexaexperience.com
NOW YOU CAN ALSO BOOK ONLINE

SMART FINANCE
AN ONLINE END-TO-END CAR FINANCE SOLUTION
Scan to know more.
- Multiple financiers
- Digital Document Upload
- Live Loan status
- Complete transparency (associated fees & charges)

^Terms and Condition apply. Accessories and features shown may not be part of standard equipment. Black glass shade on the vehicle is due to lighting effect. Images used are for illustration purposes only. Maruti Suzuki Smart Finance is now available in Pan- India. All offers are applicable till 31st May 2024 or till stock last.

विचार बिन्दु

गुरु का भी दोष कह देना चाहिए। –स्वामी रामतीर्थ

लोकतंत्र की रक्षा हेतु आशा की एक किरण- सुप्रीम कोर्ट

कुछ वर्षों से ऐसा लगता है कि देश में लोकतंत्र की रक्षा की जिम्मेदारी केवल सुप्रीम कोर्ट के कंधों पर ही आ गई है। कार्यपालिका और विधायिका जब कई प्रकार के उचित-अनुचित साधन अपना कर, देश के नागरिकों के लोकतांत्रिक अधिकारों का हनन करने हेतु आतुर लगे, तब रोशनी की एक मात्र किरण की तरह उच्चतम न्यायालय के निर्णय सामने आए हैं।

लोकतंत्र में कार्यपालिका और विधायिका, दोनों का यह दायित्व है कि वे नागरिकों के लोकतांत्रिक अधिकारों की रक्षा के लिए काम करें। इसी उद्देश्य की प्राप्ति हेतु कार्यपालिका और विधायिका के अलग-अलग कार्य क्षेत्र, संविधान के अंतर्गत निर्धारित किए गए हैं। इन सब का मुख्य उद्देश्य यह है कि देश में लोक तंत्र की जड़ें मजबूत हों। लोकतंत्र में देश का असली मालिक आम नागरिक है। वास्तविकता में, अनेक बार स्थिति इसके विपरीत होती है एवं जिन संस्थाओं की उत्पत्ति ही नागरिकों के अधिकारों की रक्षा के लिए हुई है, वही उन अधिकारों का हनन करने में लग जाती हैं।

निष्पक्ष एवं स्वतंत्र कार्यपालिका की बात करना तो आजकल लगभग बेमानी ही हो गया है। अपवादों को छोड़कर कार्यपालिका, केवल सत्ताधारी दल के इशारों पर काम करने वाली बन गई हैं। संवैधानिक संस्थाएं जैसे निर्वाचन आयोग भी, दायित्व निभाने के बजाय, केवल सत्ता धारी दल की इच्छानुसार काम करने हेतु तत्पर रहती हैं। ऐसा करते समय वह यह भी भूल जाते हैं कि इन संस्थाओं को संवैधानिक संरक्षण इसलिए दिया गया था कि वे पूर्ण रूप से स्वतंत्र और निष्पक्ष होकर देश के नागरिकों के हित में काम कर सकें।

गत कुछ वर्षों में लोकतांत्रिक मूल्यों की तिलांजलि देकर, केवल बहुमत के आधार पर शोर गुल के बीच पारित कराए गए, कानून बनते हमने देखे हैं। इन्हें चुनौती देने के लिए न्यायपालिका का सहारा लिया जाता है। कानून में कई प्रकार के ऐसे संशोधन किए गए हैं जिनसे नागरिक के अधिकारों पर आघात लगता है। उदाहरणार्थ, पी एम एल ए कानून के अंतर्गत एनफोर्समेंट डायरेक्टरेट द्वारा अब, किसी भी व्यक्ति को गिरफ्तार करके, बिना जमानत के लंबे समय तक हिरासत में रखा जा सकता है। ऐसे कई उदाहरण हाल ही में देखने को मिले हैं जब ई डी, सीबीआई और आयकर जैसे विभागों का पूरा दुरुपयोग अपने राजनीतिक विपक्षियों एवं विरोधियों को कुचलने के लिए किया गया है। लोकतंत्र का मुख्य आधार ही अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता लोकतंत्र का आवश्यक आधार होता है। यदि किसी ने कभी ऐसी बात की, जो सत्ता में बैठे दलों जो पसंद नहीं आई हो तो फिर, विभिन्न संस्थाओं को ऐसे व्यक्तियों को सबक सिखाने हेतु लगा दिया जाता है। इन संस्थानों में कार्यरत लोग, जिनका सेवा काल सुरक्षित होता है एवं इनमें से कई को तो संवैधानिक संरक्षण भी प्राप्त है, सत्ताधारी दल की इच्छा पूर्ति हेतु तत्पर रहते हैं। ऐसे अनेक उदाहरण हमने देखे हैं जब किसी सक्रिय सामाजिक कार्यकर्ता, साहित्यकार, व्यंग्यकार, कॉमेडियन, वैज्ञानिक, कलाकार ने सरकार की नीतियों का विरोध किया तो उन्हें अपने अधिकारों का दुरुपयोग करते हुए उन्हें जेल में डाल दिया गया।

इस प्रकार की विषम परिस्थितियों में, जब लोकतांत्रिक व्यवस्थाओं पर सभी ओर से आक्रमण हो रहा हो, उच्चतम न्यायालय ने एक रक्षक की भूमिका निभाने का प्रयास किया है। यह तो नहीं कहा जा सकता कि सुप्रीम कोर्ट भी सदैव इस कसौटी पर खरा उतरा है, किंतु यह अवश्य कहा जा सकता है कि वर्तमान समय में यदि कोई आशा की किरण दिखाई देती है, तो वह सुप्रीम कोर्ट ही है। यह निम्न उदाहरणों से स्पष्ट हो जाएगा।

सरकार ने, राजनैतिक दलों द्वारा चुनावी चंदा प्राप्त करने के लिए इलेक्टोरल बॉन्ड योजना लागू की जिसके कारण चुनाव के लिए ''लेवल प्लेयिंग फील्ड'' होने की संभावना बहुत कम हो गई थी, क्योंकि किस ने, किस दल को कितना चंदा दिया है, इसकी जानकारी सत्ताधारी दल को तो अपनी अधीनस्थ संस्थाओं के माध्यम से हो सकती थी किंतु अन्य दलों को यह जानकारी उपलब्ध नहीं थी। इसे पूरी तरह अपारदर्शी रखा गया था। किसी को यह पता नहीं लग पाता था कि किसके द्वारा किसको कितना चंदा दिया गया है? न्यायालय में इसके विरुद्ध याचिका दायर की गई तो याचिका की सुनवाई के दौरान सरकार ने पूरा जोर लगाकर यह प्रयास किया कि किसी भी प्रकार से यह जानकारी जनता को नहीं मिल पाए क्योंकि ताकि चंदा देने वालों और उनको लाभ पहुंचाने की जो कार्रवाई सरकारों द्वारा की गई थी, उसके बारे में जानकारी मिलने से सत्ताधारी दल आशंकित था। सुप्रीम कोर्ट में चली लंबी सुनवाई के बाद और सरकार के घोर प्रतिरोध के बावजूद, सुप्रीम कोर्ट के माननीय न्यायाधीशों ने सरकार को बाध्य किया कि वह इलेक्टरल बॉन्ड से संबंधित सारी जानकारी सार्वजनिक करे। जब स्टेट बैंक ऑफ़ इंडिया ने इस प्रक्रिया में बहुत समय लगने का बहाना लिया तो सुप्रीम कोर्ट ने एक नहीं सुनी और स्पष्ट निर्देश दिए कि सारी जानकारी सार्वजनिक की जाय। इस निर्णय के कारण ही यह संभव हो पाया कि इलेक्टोरल बॉन्ड से संबंधित विस्तृत विवरण निर्वाचन आयोग के माध्यम से देश की नागरिकों को सुलभ हो सका। उसके बाद मीडिया ने सत्ताधारी दल और चंदा देने वाले कंपनियों के बीच साठ-गांठ की पोल खोल कर रख दी। ऐसा नहीं है कि इलेक्टोरल बॉन्ड के माध्यम से धन केवल केंद्र के सत्ताधारी दल को मिला, अपितु राज्य में जिस दल की सत्ता थी उसे भी इस माध्यम से अच्छा खासा चंदा मिला। भ्रष्टाचार को कानूनी जामा पहुंचाने की दृष्टि से लाई गई इस अपारदर्शी योजना का पूरा पर्दाफाश केवल सुप्रीम कोर्ट के निर्णय के माध्यम से ही संभव हो पाया।

मीडिया को कई बार लोकतंत्र का चौथा स्तंभ कहा जाता है। उससे यह अपेक्षा की जाती है कि वह सच के साथ खड़ा रहे, किन्तु ऐसा सामान्यतया हो नहीं रहा है। जब लोकतंत्र के तीनों स्तंभ दीमक की तरह लोकतंत्र को कमजोर करने में लगे हैं, और संवैधानिक संस्थाएं भी न केवल मूकदर्शक की तरह केवल देख रही हैं बल्कि इसमें भागीदार हो रही हैं, उच्चतम न्यायालय, लोकतंत्र के रक्षक की तरह अपनी भूमिका निभाते हुआ हमारे सामने आया है।

दूसरा महत्वपूर्ण उदाहरण तब सामने आया जब चंडीगढ़ में भाजपा द्वारा नियुक्त पीठासीन अधिकारी अनिल मसीह ने चंडीगढ़ मेयर के चुनाव में अपने स्तर पर बेईमानी करके एवं आम आदमी पार्टी के उम्मीदवार को मिले मतों को अवैध घोषित करके, भारतीय जनता पार्टी के उम्मीदवार को मेयर पद पर निर्वाचित घोषित कर उसे शपथ भी दिला दी। जब पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय के माध्यम से कोई राहत नहीं मिली तो आम आदमी पार्टी सर्वोच्च न्यायालय में पहुंची और वहां पूरा रिकॉर्ड देखने के बाद, जिस प्रकार की कार्यवाही उच्चतम न्यायालय के माननीय मुख्य न्यायाधीश ने की वह अभूतपूर्व थी। उन्होंने न केवल प्रकरण का अपने स्तर पर निस्तारण किया अपितु जो 36 मत चुनाव में डाले गए थे उनका पूरा विवरण एवं मतपत्र, सर्वोच्च न्यायालय में मंगवाकर उनकी गिनती स्वयं के स्तर पर की। मुख्य न्यायाधीश ने मतों की गिनती करवा कर आम आदमी पार्टी के उम्मीदवार को विजेता घोषित कर दिया और भाजपा के निर्वाचित मेयर का चुनाव निरस्त कर दिया। इस प्रकार की घटना, न्यायिक इतिहास में संभवतया पहली थी।

हाल ही में, पीएमएलए में गिरफ्तार किए गए दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल का मामला भी काफी रोचक है। प्रवचन निदेशालय ने लोकसभा चुनाव से एक महीने पहले तथाकथित शराब घोटाले में न केवल भारी बहुमत से निर्वाचित दिल्ली के मुख्यमंत्री को गिरफ्तार किया अपितु उन्हें येन केन प्रकारेण हिरासत में बनाए रखने का प्रयास किया। अधीनस्थ न्यायालय / दिल्ली उच्च न्यायालय ने केजरीवाल की ओर से उनकी गिरफ्तारी को चुनौती देने वाले प्रार्थना पत्र पर सकारात्मक रूप से विचार नहीं किया। अंततः जब मामला सुप्रीम कोर्ट में पहुंचा तो वहां भी सरकार के वकील की ओर से पूरा जोर लगाकर यह प्रयास किया गया कि लोकसभा चुनाव पूरे होने तक केजरीवाल जेल से बाहर नहीं आ सकें। सर्वोच्च न्यायालय में जिस प्रकार कार्रवाई चल रही थी एवं पहले जिस प्रकार का रुख न्यायाधीशों का दिखाई दे रहा था, उससे एक बार तो ऐसा लगा कि केजरीवाल के लिए चुनाव पूरे होने तक जेल से बाहर आना शायद संभव न हो। किसी एक व्यक्ति से विश्व के सबसे बड़े राजनीतिक दल का इस प्रकार आशंकित होना विचित्र सी बात लगती है। कहीं ऐसा तो नहीं कि चुनाव में अब तक हुए मतदान के रुझानों को देखते हुए सत्ताधारी दल इस बात से आशंकित था कि कहीं आम आदमी पार्टी के सर्वोच्च नेता के जेल से बाहर आने पर उनकी स्थिति और खराब न हो जाए। हमें उच्चतम न्यायालय के माननीय न्यायाधीशों को सलाम करना चाहिए कि उन्होंने अंतिम जमानत की प्रार्थना नहीं होने के बावजूद केजरीवाल को चुनाव प्रचार करने का अवसर देते हुए उन्हें 10 मई, 2024 को अंतरिम जमानत दे दी। विधि विशेषज्ञों का यह मानना है कि अंतरिम जमानत का कोई प्रावधान कानून में नहीं था, किंतु सर्वोच्च न्यायालय ने अपने में निहित शक्तियों का प्रयोग करते हुए सरकार की सारी दलीलों को दरकिनार करते हुए एक जून, 2024 तक चुनाव प्रचार करने हेतु जमानत देने का निर्णय किया। अब जबकि केजरीवाल जेल से बाहर आ गए हैं, आम आदमी पार्टी एवं इंडिया ब्लॉक के प्रचार को बड़ा बल मिला है।

बाबा रामदेव की पतंजलि के संबंध में भी हाल ही में एक बड़ा महत्वपूर्ण निर्णय देकर सुप्रीम कोर्ट ने जनहित की रक्षा की है। यह उल्लेखनीय है कि लोकतंत्र में जन हित ही सर्वोपरि माना जाना चाहिए। अब तक अनेक भ्रामक विज्ञापनों के द्वारा बाबा रामदेव कई प्रकार की ऐसी दवाइयों का खुलेआम प्रचार प्रसार करते रहे, जिनके द्वारा असाध्य रोगों, यहां तक कि कोरोना के इलाज का दावा किया जाता रहा। न केवल यह, इस प्रकार का विज्ञापन करते समय वे एलोपैथिक चिकित्सा पद्धति की हंसी उड़ाने से भी बाज नहीं आए। इसके विरुद्ध आई एम ए ने उच्चतम न्यायालय में याचिका दायर की। उच्चतम न्यायालय ने ऐसे विज्ञापन प्रकाशित नहीं करने हेतु बाबा रामदेव को पाबंद किया। इसके बावजूद विज्ञापन जारी रहे। सुप्रीम कोर्ट के निर्णय की अवहेलना करने पर बाबा रामदेव और उनके साथी बालकृष्ण को उच्चतम न्यायालय में न्यायाधीशों के सामने अपनी गलती स्वीकार करने के लिए हाथ जोड़कर खड़े रहना पड़ा। सरकार को भी मजबूर होकर पतंजलि की 14 दवाइयों की मान्यता समाप्त करनी पड़ी।

इस प्रकार के निर्णय तभी किया जा सकते हैं जब उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश निष्पक्ष हों एवं अपना कार्य निर्भय होकर करते हों। यह उल्लेखनीय है कि बाबा रामदेव के साम्राज्य का गत 10 सालों में तीव्र गति से विस्तार इसीलिए संभव हो पाया कि उसे सत्ताधारी दल का पूर्ण समर्थन प्राप्त था। इसके बावजूद, उच्चतम न्यायालय द्वारा इन्हें माफी मांगने के लिए मजबूर करना न्यायपालिका के साहस और निष्पक्षता का ही परिचायक था।

मीडिया को कई बार लोकतंत्र का चौथा स्तंभ कहा जाता है। उससे यह अपेक्षा की जाती है कि वह सच के साथ खड़ा रहे, किन्तु ऐसा सामान्यतया हो नहीं रहा है। जब लोकतंत्र के तीनों स्तंभ दीमक की तरह लोकतंत्र को कमजोर करने में लगे हैं, और संवैधानिक संस्थाएं भी न केवल मूकदर्शक की तरह केवल देख रही हैं बल्कि इसमें भागीदार हो रही हैं, उच्चतम न्यायालय, लोकतंत्र के रक्षक की तरह अपनी भूमिका निभाते हुआ हमारे सामने आया है।

उच्चतम न्यायालय ने लंबे समय से लंबित धारा 370, अयोध्या, ई वी एम आदि से संबंधित विवादों का भी अंतिम रूप से निस्तारण किया है।

जब कभी सर्वोच्च न्यायालय पर कमजोर होने की शंका होने लगी, तभी ऐसा निर्णय सामने आ जाता है जिससे हमें सर्वोच्च न्यायालय पर गर्व होने लगता है।

यह विश्वास पूर्वक कहा जा सकता है कि जब तक उच्चतम न्यायालय में स्वतंत्र, निर्भीक और साहसी न्यायाधीश रहेंगे, देश में लोकतंत्र सुरक्षित है।

–अतिथि सम्पादक,
राजेन्द्र भाणावत
(पूर्व आई.ए.एस. अधिकारी)

कौन बचाए कदम्ब की डारि : सुनो गिरधारी

राजेन्द्र जोशी

कदम्ब का नाम सुनते ही भगवान श्री कृष्ण की बांसुरी कानों में सुनाई देने लगती है। देव वृक्ष कदम्ब अधिकांश ब्रज क्षेत्र में पाया जाता है। इस वृक्ष की उम्र भगवान श्रीकृष्ण से भी अधिक है। कदम्ब का वृक्ष व्यक्तियों के साथ-साथ देवताओं को भी सुख देने वाला माना गया है। चंदन जैसी महक और श्रीकृष्ण की क्रीड़ा स्थली कदम्ब, कृष्ण की लीलाएं और कदम्ब की डारी पर बैठकर बांसुरी बजाते, रासलीला करते सदियों से आज तक कदम्ब का पेड़ उन लीलाओं की गाथा सुनाता है।

बृज क्षेत्र में कदंब की डालियों में बाँसुरी की धुन आज भी सुनाई देती है।

देश-प्रदेश में राम मय वातावरण में भगवान कृष्ण के प्रिय देव वृक्ष कदम्ब की सुध लेने की जरूरत है। राजस्थान के ब्रज क्षेत्र में खासकर भरतपुर, डीग और कामा का क्षेत्र आता है। पूछरी का लोटा के समीप श्याम ढाक एक खास जगह है जो बरौली चौक ग्राम पंचायत, जिला डीग क्षेत्र में आती है, एक समय वहां 500 से अधिक कदम्ब के पेड़ लगे हुए थे। वही आज पांच कदम्ब भी मुश्किल से गिने जाते हैं। कुछ कदम्ब के वृक्ष बीकानेर के ब्रह्म बगीचे में भी लगे हुए है।

लगभग दस वर्ष पूर्व राजस्थान के ब्रज में कदम्ब को सुरक्षित और संवर्धित करने के लिए राजस्थान सरकार ने विशेष योजनाबद्ध काम करने की योजना बनाई थी। जो कागजो में सिमटकर रह गई। राजस्थान के ब्रज क्षेत्र में कदम्ब का ना होना चिन्ताजनक है। लगता है इस पर वन विभाग ने ध्यान देना बंद कर दिया। कदम्ब को चंदन का विकल्प भी माना जाता है। कदम्ब को बचाने के लिए बरौली चौथ निवासी शिक्षाविद-पर्यावरण कार्यकर्ता निरंजन सिंह निराश होकर कहते है लगता है राम के पुजारी कृष्ण की तरफ भी ध्यान केंद्रित करेंगे। कदम्ब की उम्र वैसे तो 500-600 वर्षों तक मानी गई है, इसकी वृद्धि सौ बरस वर्ष तक होती है। दस-बारह बरस में तो कदम्ब एक छोटे से वृक्ष का रूप धारण करता है। मनमोहक सा लगने वाला कदम्ब मूलतः शांत स्थान पर प्राकृतिक रूप से फलता-फूलता है। कदम्ब के मुख्य तने का व्यास एक से तीन मीटर तक होता है। उनकी शाखाएं भी विशाल एवं आच्छादित होती है। कदम्ब की छाया में एक विशेष प्रकार का सुख प्राप्त होता है जो कि सीधे प्रकृति से मेल करवाता है। कदम्ब के पत्ते का आकार पीपल के पत्ते के बराबर होता है, लेकिन अपेक्षाकृत कोमल और शांत कदम्ब के पते आवाज नहीं करते।

अधिकतर पत्तो का आकार धीरे-धीरे दोने का आकार लेने लगते है, बताया जाता है कि श्रीकृष्ण दही-माखन इन्हीं दोनो में खाया करते थे। कदम्ब के पेड़ पर जून माह से पीले रंग के फूल आने लगते हैं। अन्य फूलों से भिन्न गोलाकार मनमोहक एवं आकर्षित लगने वाले फूलों की महक वृक्ष से लगभग बीस मीटर तक आती है। फूलों की खिलावट एक माह तक रहती है।

कदम्ब का सम्बंध ब्रजराज श्रीकृष्ण की बाल्य क्रीडाओं से जुड़ा हुआ है। ब्रज क्षेत्र के जिस किसी कदम्ब की डाली पर श्रीकृष्ण बांसुरी बजाते जिसकी मधुर धुन जहां तक सुनाई देती है वहां के ग्वाले एवं गोपिकायें उस कदम्ब की छांव में तुरंत एकत्रित हो जाया करते थे।

जैसे-जैसे कृष्ण की बांसुरी की धुन के साथ एकत्रित होकर नृत्य करने लगते धीरे-धीरे यह नृत्य रास का रूप लेने लगता और वर्तमान की रासलीला बन गई। किसी समय कल कल करती यमुना नदी उसका स्वच्छ व सुंदर नीर किनारे पर कदम्बों के कुंज, गोपियों का पानी भरने आना और यमुना में नहाना, गायों को रंभाना भौरो का गुंजन व कन्हैया जी की बांसुरी का उस कदम्ब कुंज से मधुर ध्वनि का निकलना यह बृजराज श्री कृष्ण की बाल क्रीड़ाओं का प्राकृतिक दृश्य होता है।

ऐसे श्रीकृष्ण प्रिय कदम्ब को बचाने की जिम्मेदारी किसकी है। वन विभाग ने इस सुंदर वृक्ष को समय रहते नहीं बचाया तो ब्रज क्षेत्र में कदम्ब समाप्त होने के कगार पर होगा। राजस्थान से सटे हुए क्षेत्र गोकुल, मथुरा, जतीपुरा और गोवर्धन जो की परिक्रमा मार्ग भी है वहां कदम्ब को बचाए रखने की कवायद बराबर की जाती है। जबकी श्याम ढाक की दूरी बहुत अधिक नहीं है। भरतपुर, डीग और कामा की दूरी भी अधिक नहीं है। बल्कि वहां का कदम्ब आज भी अपनी जीवन की अन्तिम सांसें गिन रहा है। इसकी मुख्य वजह वन विभाग की उदासीनता और क्षेत्र में अतिक्रमण के साथ-साथ यमुना का गंदा पानी कदम्ब को खराब करने में प्रमुख रूप से माना जाता है। इस दुर्लभ वृक्ष को जिसका औषधीय गुण और पवित्र माना जाता है, यह प्रजाति कहीं नष्ट ना हो जाए इसके लिए परिवार, समाज, संस्थाओं को तो सजग होना ही होगा खास तौर पर उत्तर प्रदेश एवं राजस्थान के पर्यावरण विभाग को सामूहिक रूप से मुहिम चला कर इसके विकास और संवर्धन के लिए विशेष व्यवस्था करनी होगी। उद्धव से सूरदास ने अपने पद में भी लिखा हैं **''ऊधो मोहि ब्रज विरसत नाहीं। हंससुता की ये सुंदर कगरी उर में कुंजन की छांही।''**

कवि रसखान ने भी अपने सवैये में लिखा है :–

मानुस हो तो वही दसखानि
बसों ब्रज गोकुल गांव के ग्वारन
जो पसु है तो कहा बस मेरो चरौं
नित नंद की धेनु मंगलान।
पाहन हो तो बसेरो करौं मिली
कालिदी फूल कदम्ब की डारन।

–राजेन्द्र जोशी,
शिक्षाविद्-साहित्यकार

बूढ़ा पुष्कर में पैंथर की दस्तक, गाय के बछड़े को शिकार बनाया

पैंथर से ग्रामीणों में भय का माहौल, तीन माह में पंद्रह मवेशियों को शिकार बनाया

अजमेर, (कासं)। अजमेर जिले के बूढ़ा पुष्कर में इन दिनों पैंथर की दस्तक से लोगों में दहशत का माहौल है, तो वही स्थानीय लोगों के मुताबिक पैंथर ने अब तक करीब 15 से 20 जानवरों को अपना शिकार बनाया है। बीती रात बूढ़ा पुष्कर के माधोपुरा गांव में स्थित एक फार्म हाउस में पैंथर ने गाय के बछड़े पर हमला कर दिया। बछड़े की आवाज व कुतों के भौंकने की आवाजें सुनकर राजेन्द्र सिंह आया तो पैंथर बछड़े गला पकड़ कर बैठा था। आवाजें सुनकर पैंथर फार्म हाउस की दीवार फांद कर भाग छूटा।

पुष्कर के निकटवर्ती गांव माधोपुरा के ग्रामीण राजेंद्र सिंह सहित अन्य ग्रामीणों ने बताया कि विगत तीन माह से क्षेत्र में पैंथर का लगातार आना-जाना जारी है। अभी करीब पंद्रह से ज्यादा मवेशियों को अपना शिकार बना चुका है। अपने मवेशियों की रक्षा के लिए

माधोपुरा ढाणी में पैंथर दिखाई देने से लोगों में दहशत का माहौल है।

ग्रामीणों को रात भर जागना पड़ता है।

ग्रामीणों ने बताया कि इसकी सूचना वन विभाग के अधिकारियों को भी दी गई है। उन्होंने पैंथर को पकड़ने के लिए पिंजरा भी लगाया था, लेकिन पैंथर पिंजरे में कैद नहीं हुआ।

अभी तक पैंथर के आतंक से राहत नहीं मिली है। पैंथर के मूमवेंट से पूरे क्षेत्र में भय का माहौल बना हुआ है। दिन भर गांव में पैंथर की चर्चाओं का माहौल गर्म रहता है, वहीं शाम होते भय के माहौल में तब्दील हो जाती है। जानकारी के अनुसार अजमेर जिले के कई रिहायशी इलाकों में पैंथर की दिखाई देने की खबरें सामने आई थी। विगत दिनों ही फॉयसागर

■ **पैंथर को पकड़ने के लिये वन विभाग का लगाया पिंजरा भी नाकाम हुआ**

रोड चामुंडा माता मंदिर के पीछे वाले रास्ते पर पैंथर ने बछड़े को अपना शिकार बनाया था। नगर निगम के एक कर्मचारी ने पैंथर को पत्थर मार कर भगाया था। लगातार घट रहे जंगलों और भोजन की कमी के चलते वन्य जीव आबादी की ओर रुख करने लगे।

ग्रामीणों का कहना है कि अभी तक पालतू मवेशियों को ही शिकार बनाया गया है। ऐसे में पैंथर आम लोगों को भी निशाना बना ले इस संभावना से इंकार नहीं किया जा सकता। वन विभाग और पुलिस प्रशासन के लिए बड़ी चुनौती बन गया है।

वन रेंज छत्तरगढ़ की 1200 बीघा वन भूमि का फर्जी आवंटन का आरोप

विधानसभा चुनाव की आचार संहिता लगने से ठीक पहले सितंबर व अक्टूबर 2023 में गैर कानूनी तरीके से इसे अंजाम दिया गया

बीकानेर, (निसं)। छत्तरगढ़ तहसील में 6125 बीघा सरकारी भूमि के फर्जी आवंटन का मामला खुलने के बाद अब वन भूमि को गैर कानूनी तरीके से फर्जी आवंटन कराने का बड़ा घोटाला पकड़ में आया है। इसमें भू-माफियाओं ने वनभूमि को भी नहीं बक्शा है। वन रेंज छत्तरगढ़ की 1200 बीघा भूमि राजस्व रिकॉर्ड में नामांतरण बदलकर अन्य के नाम कर दी गई। विधानसभा चुनाव की आचार संहिता लगने से ठीक पहले सितंबर व अक्टूबर 2023 में गैर कानूनी तरीके से इसे अंजाम दिया गया। हैरानी की बात यह है कि कुछ ही दिनों में उपखण्ड से लेकर तहसील स्तर तक सारी प्रक्रिया भी पूरी कर दी गई।

■ **हैरानी की बात यह है कि कुछ ही दिनों में उपखण्ड से लेकर तहसील स्तर तक सारी प्रक्रिया भी पूरी कर दी गई।**

राजस्व विभाग छत्तरगढ़ ने वन विभाग की जमीनों को अन्य लोगों के नाम इंतकाल भी चढ़ा दिए। वन विभाग के डीएफओ ने जिला कलेक्टर को पत्र भेजकर अवगत कराया कि वनभूमि का गैर कानूनी तरीके से राजस्व तहसील छत्तरगढ़ की ओर से नामांतरण किया गया है। इस पत्र के साथ वनभूमि जिन लोगों के नाम चढ़ाई गई उनकी जानकारी दी है। साथ ही जिला कलेक्टर से इस भूमि को वापस वन विभाग के नाम इंद्राज करवाने के लिए कहा है।

उपनिवेशन बीकानेर ने वर्ष 1977 में चक 2 डीएलएम में कुल 1100 बीघा तथा चक 1 आरएसएम में कुल 1600 बीघा भूमि वन विभाग को आवंटित की। जिला कलेक्टर बीकानेर ने चक 2 डीएलएम में वर्ष 1984 में 100 बीघा और भूमि वन विभाग को आवंटित कर दी। ग्राम चक 1 आरएसएम पटवार मंडल लाखनसर भू. अ. नि. वृत्त खारबारा तहसील छत्तरगढ़ में वन विभाग के खाता संख्या 65 में से 90 बीघा वन भूमि को सीधे ही पांच खातेदारों को आवंटित कर उनके नाम इंतकाल दर्ज कर दिए गए। इसमें एसडीएम छत्तरगढ़ के 16 अक्टूबर 2023 के आदेश का हवाला दिया गया है। पांचों लाभार्थी लूणकरनसर तहसील के ढाणी पांडूसर के निवासी हैं।

ग्राम चक 2 डीएलएम पटवार मंडल रामनगर भू. अ. नि. वृत्त राणेर तहसील छतरगढ़ में वन विभाग की 270 बीघा वन भूमि को एसडीएम न्यायालय के 22 सितबर 2023 तथा 27 सितबर 2023 के आदेश का हवाला देकर राजस्व रिकॉर्ड में वन विभाग से हटाकर अराजीराज दर्ज कर दी। रिकॉर्ड खंगाला तो पता चला कि चक 2 डीएलएम में वन विभाग की करीब 1082 बीघा वनभूमि को राजस्व रिकॉर्ड में अराजीराज दर्ज कर दिया गया है। भू-माफिया इन जमीनों को फर्जी तरीके से अपने नाम चढ़वाने की फिराक में थे। इसी बीच छत्तरगढ़ का फर्जी भूमि आवंटन पत्र घोटाला खुल गया। ऐसे में यह जमीन अराजीराज ही बच गई। इस प्रकार कुल करीब 1200 बीघा वन भूमि को भ्रष्टाचार की बलि चढ़ा दिया गया। जिसकी वन विभाग को भनक तक नहीं लगने दी गई। रातों-रात नामांतरकरण बदल दिए गए हैं।

राशिफल मंगलवार 14 मई, 2024

पंडित अनिल शर्मा

वैशाख मास, शुक्ल पक्ष, सप्तमी तिथि, मंगलवार, विक्रम संवत 2081, पुष्य नक्षत्र दिन 1:05 तक, गंड योग प्रातः 7:25 तक, गर करण दिन 3:35 तक, चन्द्रमा आज कर्क राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-मेष, चन्द्रमा-कर्क, मंगल-मीन, बुध-मेष, गुरू-वृष, शुक्र-मेष, शनि-कुम्भ, राहु-मीन, केतु-कन्या राशि में।

आज राजयोग सूर्योदय से दिन 1:05 तक है। रवियोग दिन 1:05 तक है। सर्वार्थ सिद्धि योग दिन 1:05 से सूर्योदय तक है। भद्रा रात्रि 4:20 से आरम्भ होगी। आज ज्येष्ठ संक्रांति सूर्य वृष में प्रवेश सांय 5:53 पर होगा। पुण्यकाल दिन 11:29 से आरम्भ होगा। आज गंगा सप्तमी और पूजन गंगोत्पत्ति दिवस है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: चर 9:03 से 10:43 तक, लाभ-अमृत 10:43 से 2:03 तक, शुभ 3:43 से 5:23 तक।

राहूकाल: 1:30 से 3:00 तक। सूर्योदय 5:43, सूर्यास्त 7:02

मेष
घर-परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी। परिवार में धार्मिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी।

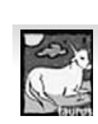

वृष
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मिथुन
व्यावसायिक कार्यों के लिए भागदौड़ रहेगी। नौकरीपेशा व्यक्तियों को अतिरिक्त जिम्मेदारी मिल सकती है। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। व्यावसायिक सुविधाएं बढ़ेगी।

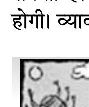

कर्क
मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मनःस्थिति में सुधार होगा। महत्वपूर्ण कार्य योजनानुसार बनने लगेंगे। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी।

सिंह
घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। पारिवारिक कारणों से मानसिक तनाव बना रहेगा और स्वास्थ्य संबंधित परेशानी हो सकती है।

कन्या
आर्थिक/वित्तिय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों के लिए भागदौड़ रहेगी। शुभ कार्य के लिए यात्रा संभव है।

तुला
व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। नवीन कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा।

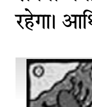

वृश्चिक
व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। नौकरीपेशा व्यक्तियों को महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिल सकती है। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। अटका हुआ धन प्राप्त होगा।

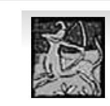

धनु
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान सामने आ सकते हैं। नवीन कार्यों को टालना ठीक रहेगा। आज आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है।

मकर
परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

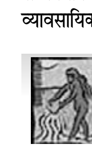

कुंभ
अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अनहोनी की आशंका से बना हुआ मन का भय समाप्त होगा। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मीन
व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी। चलते कार्यों में प्रगति होगी। आर्थिक मामलों में संतुलन बनाए रखना ठीक रहेगा। स्वभाव की तेजी पर नियंत्रण रखना ठीक रहेगा।

फोनः-4103333, 2362400 फैक्सः-0141-2373513 वर्षः 74 संख्याः 282 प्रभात जयपुर, मंगलवार 14 मई, 2024 डाक पं.सं. जयपुर सिटी/001/2021-23 पृष्ठ 8 मूल्य 2.75 रु.

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

Rashtradoot

Metro

epaper.rashtradoot.com

ARBiT

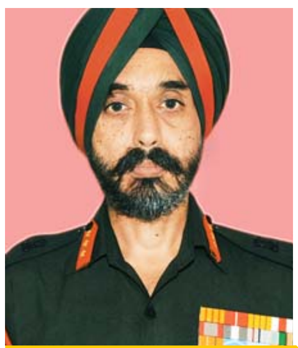

Potboiler in the Cold

It was Sagat's autonomous thinking, planning and positioning of artillery, a day before the skirmish, that helped prevail over the Chinese.

Simple Expert-approved Habits for Diabetics

Incorporate a variety of nutrient-rich foods into your meals, including lean proteins, whole grains, healthy fats, and plenty of vegetables

क्या केजरीवाल के उकसाने पर उनके पी.ए. ने पार्टी की सांसद स्वाति मालीवाल को झापड़ मारा, मु.मंत्री निवास पर?

दिल्ली की महिला आयोग की पूर्व अध्यक्ष स्वाति मालीवाल ने थाने में फोन करके शिकायत की

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

- एक तरफ तो, इण्डिया गठबंधन यू.पी. के चुनाव में केजरीवाल का उपयोग करने की सोच रहा है, राहुल गांधी व अखिलेश के साथ संयुक्त रोड शो और रैली आयोजन करके।
- दूसरी ओर केजरीवाल की ''प्रो युवा'' व ''प्रो महिला'' छवि को धक्का लगा है, उनके निवास पर सुबह स्वाति मालीवाल के साथ उनके पी.ए. द्वारा मारपीट व थप्पड़ मारने की घटना से।
- नई दिल्ली सीट पर भाजपा की उम्मीदवार बांसुरी स्वराज ने कटाक्ष किया कि, केजरीवाल महिलाओं को क्या सुरक्षा प्रदान करने की बात कर रहे हैं, जबकि, उनकी पार्टी की महिला नेता ही सुरक्षित नहीं हैं, उनके ऑफिशियल निवास पर।
- केजरीवाल पर फरवरी 2018 में दिल्ली के मु.मंत्री के तत्कालीन मुख्य सचिव अंशु प्रकाश ने भी आरोप लगाया था कि, केजरीवाल व उनके समर्थकों ने उनसे धक्का-मुक्की की थी, मु.मंत्री निवास पर, देर रात तक चली ऑफिशियल बैठक के बाद। हालांकि, 2021 में दिल्ली के एक न्यायालय ने केजरीवाल, उप मु.मंत्री सिसोदिया आदि को इस आरोप से बरी कर दिया था।

नई दिल्ली, 13 मई। शराब घोटाले केस में अंतरिम जमानत मिलने पर, जेल से रिहाई होने की खुशी के माहौल के बीच, दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल पर एक निंदात्मक आरोप लगाया गया है कि उन्होंने अपने निजी सहायक, बिभव कुमार को खुद के आधिकारिक निवास पर, सोमवार सुबह लगभग 9 बजे, ''आप'' की राज्यसभा सांसद और दिल्ली महिला आयोग की पूर्व अध्यक्ष स्वाति मालीवाल पर प्रहार के लिए उकसाया था।

यह समाचार लिखे जाने तक, स्वाति मालीवाल ने कथित हमले की प्राथमिकी (एफ.आई.आर.) दर्ज नहीं करायी थी, लेकिन कथित अपराध के हालात, आरोपों के लिए पर्याप्त हैं। मुख्यमंत्री से नहीं मिल पाने के बाद, मालीवाल की कथित तौर पर बिभव कुमार से कहा-सुनी हो गयी। दिल्ली पुलिस को स्वाति की टेलीफोन द्वारा की गयी दो शिकायतों के अनुसार, बिभव कुमार ने उनसे दुर्व्यवहार किया और उन पर प्रहार किया। सुबह लगभग 9 बजकर 45 मिनट पर, मालीवाल, सिविल लाइंस पुलिस थाने तक गयी, लेकिन बिना औपचारिक शिकायत दर्ज कराए वापस चली गयीं। उसके बाद से उनसे सम्पर्क नहीं हो पा रहा है।

केजरीवाल को विपक्षी खेमे का प्रमुख नेता माना जा रहा है और उनसे ''इण्डिया ब्लॉक'' के प्रचार में जोश भरने की आशा की जा रही है। देश के विभिन्न स्थानों में जनसभाओं को संबोधित करने के अलावा, केजरीवाल की राहुल गांधी और अखिलेश यादव के साथ उत्तर प्रदेश में एक संयुक्त रैली को संबोधित करने की भी संभावना है। राजनीतिक रूप से उत्तर प्रदेश एक महत्वपूर्ण राज्य है, जहाँ

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

राहुल की शादी?

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 13 मई। आगामी 19 जून को 54 साल के होने जा रहे कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने सोमवार को रायबरेली में कहा कि उन्हें जल्दी ही शादी करनी पड़ेगी।

- रायबरेली में एक विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए राहुल गांधी ने प्रियंका गांधी की एक बात के जवाब में कहा कि, उन्हें जल्दी ही विवाह करना होगा।

राहुल की एक सार्वजनिक रैली में किसी व्यक्ति ने उनसे उनकी शादी को लेकर प्रश्न किया तब उनकी बहन प्रियंका गांधी ने राहुल से कहा कि राष्ट्रव्यापी चुनाव प्रचार के लिए अपनी बहन को धन्यवाद देने के बजाए वह स्वयं ही अपनी शादी के बारे में जवाब दें।

राहुल गांधी रायबरेली लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र के बछरावां में एक विशाल को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने रायबरेली के साथ अपने परिवार के सौ साल से ज्यादा रिश्ते की बात करते हुए कहा कि रायबरेली उनके परदादा जवाहर लाल नेहरू, उनकी दादी इंदिरा गांधी और माँ सोनिया गांधी की कर्म भूमि रही है।

आंध्र में भारी वोटिंग (68 प्रतिशत) को विपक्ष (भाजपा-तेलुगूदेशम व जन सेना) अपनी जीत का संकेत मान रहा है

पर, सही स्थिति तो यह है कि, तेलुगूदेशम या सत्ताधारी पार्टी जीते, पर भाजपा को कोई हानि नहीं होगी, क्योंकि दोनों पार्टियों ने संसद में भाजपा को समर्थन देने की घोषणा की है

-लक्ष्मण वैंकट कुची-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

- पर, एक शुबहा जरूर है कि, अगर त्रिशंकु लोकसभा का गठन हुआ तो, वाय.एस. आर. कांग्रेस अन्य विकल्प को समर्थन देने की बात भी सोच सकती है।

नई दिल्ली, 13 मई। आंध्र प्रदेश और तेलंगाना की 42 सीटों के लिए वोटिंग के साथ ही दक्षिण भारत की सभी 130 लोकसभा सीटों के लिए सोमवार को मतदान सम्पन्न हो गया।

यदि राष्ट्रीय परिदृश्य के हिसाब से देखा जाए तो तेलुगू भाषी दोनों राज्यों आंध्र प्रदेश और तेलंगाना का महत्व बहुत बढ़ जाता है क्योंकि आंध्र की तेलुगूदेशम पार्टी या युवजन श्रमिक रायतु कांग्रेस पार्टी (वाय.एस.आर. सी.पी.) और तेलंगाना की भारत राष्ट्र समिति (बी.आर.एस.) त्रिशंकु संसद के परिणामों की सूरत में अहम भूमिका अदा कर सकती है।

आंध्र प्रदेश में सायं 5 बजे तक 68 प्रतिशत की बम्पर वोटिंग हो चुकी थी और साथ ही मतदान करने वाले लोगों की भी कतार लम्बी थी। इस भारी मतदान प्रतिशत को लेकर विपक्षी एन.डी.ए. यानी कि तेलुगूदेशम, जनसेना और भाजपा विजयोत्सव मना रहे हैं, लेकिन राजनीतिक विश्लेषक चेतावनी देते हैं कि मतदान प्रतिशत के विश्लेषण का यह एक सुस्त अंदाज हो सकता है क्योंकि मुख्यमंत्री एवं वाय.एस.आर.सी.पी. के प्रमुख जगन मोहन रेड्डी पिछला चुनाव जीतने के बाद से ही आज के लोकसभा चुनाव को ध्यान में रखकर प्रचार करते रहे हैं और समाज के हर वर्ग के लिए कल्याणकारी योजनाओं की घोषणा करते रहे हैं। वास्तव में स्वयं के लिए उन्होंने जो विशाल लाभार्थी कवच तैयार किया है, वो उनकी सुरक्षा कर रहा है, हालांकि थोड़ी बहुत सत्ता विरोधी लहर भी है, जो उनकी सरकार को परेशान कर रही है।

लेकिन जगन मोहन ने सत्ता विरोधी लहर से निबटने के लिए टिकटों का वितरण बड़ी चतुराई से किया। उन्होंने करीब 80 उम्मीदवारों के निर्वाचन क्षेत्र बदल दिए और खराब प्रदर्शन करने वाले 30 विधायकों के टिकट काट दिए। उनकी यह कार्रवाई कुशल और लक्षित, दोनों ही थी।

उन्होंने 175 निर्वाचन क्षेत्रों में, प्रत्येक के लिए भरोसेमंद चार लोगों की टीम पर विश्वास जताया। जगन का चुनाव प्रचार उक्त 175 सीटों पर ही केन्द्रित रहा।

प्रत्येक निर्वाचन क्षेत्र के लिए नियुक्त ये चार प्रमुख व्यक्ति सभी पहलुओं को लेकर चुनाव प्रचार के जिम्मेदार थे।

जगन मोहन रेड्डी अपने इस रिपोर्ट कार्ड के साथ जनता के पास गए और उनको दिखाया कि गत चुनावों में किए हुए वादों को उन्होंने पूरा किया है और

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

बंगाल में चुनाव के चौथे चरण में हिंसा और अराजकता में भी वृद्धि हुई

चौथे चरण की वोटिंग का ज्यादा हिस्सा साऊथ बंगाल में है, जो तृणमूल कांग्रेस का इलाका माना जाता है

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

- भाजपा के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष दिलीप घोष जब उस क्षेत्र में प्रवेश करने लगे, जहां से भारी बूथ कैपचरिंग व फर्जी मतदान की शिकायत उन्हें मिली, तो उनके साथ धक्का-मुक्की व मारपीट हुई और उनकी कार को पत्थर मार कर नष्ट कर दिया गया।
- संदेशखाली में पुलिस व तृणमूल के दबंगों ने चुन-चुनकर उन महिलाओं को टारगैट किया, जिन्होंने पुलिस थानों में उनके साथ बलात्कार होने की शिकायत दर्ज करायी थी।
- एक महिला, गीता बेआर, जो प्रदर्शनकारी भी थी तथा जिसने शिकायतें दर्ज करायी थीं, उसे पुलिस रात को गिरफ्तार करके ले गयी।
- सैकड़ों महिलाएं गिरफ्तारी की खबर सुनकर इकट्ठी हो गयीं और मूक प्रदर्शन किया। परंतु भय व आक्रोश का वातावरण छाया हुआ है, संदेशखाली में।

नई दिल्ली, 13 मई। बंगाल में चुनाव लोकतंत्र का उत्सव नहीं हैं। यहां यह वास्तव में हिंसक जंग है, जिसमें खासतौर पर बीसियों युवक-युवतियों की जानें जाती हैं। वैसे, यहां अब तक एक जने की मौत हुई है और कई अन्य घायल हुए हैं। अशांति का एक बड़ा कारण तृणमूल समर्थकों का आपसी झगड़ा रहा। तृणमूल का गढ़ माने-जाने वाले दक्षिण बंगाल के क्षेत्रों में जैसे ही मतदान शुरु हुआ, वोटिंग ने हिंसक रूप धारण कर लिया और तृणमूल कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने हमले शुरु कर दिए।

इसके अतिरित्त, संदेशखाली एक बार फिर से जल रहा है। स्थानीय महिलाएं कुछ महिलाओं की गिरफ्तारी के विरोध में उग्र आंदोलन कर रही हैं। गिरफ्तार की गईं महिलाओं ने इस क्षेत्र के तृणमूल नेताओं के खिलाफ बयान दिए थे। संदेशखाली के बेरमासुर इलाके की महिलाएं गिरफ्तार की गईं स्थानीय महिलाओं को तुरन्त रिहा करने की मांग कर रही हैं।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

वरिष्ठ भाजपा नेता सुशील मोदी का निधन

पटना/नई दिल्ली 13 मई (वार्ता)। भाजपा के वरिष्ठ नेता और बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री सुशील कुमार मोदी का सोमवार को नई दिल्ली में निधन हो गया। वह 72 वर्ष के थे।

मोदी गले में कैंसर की बीमारी से पीड़ित थे और उनका इलाज दिल्ली के अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) में चल रहा था, वहीं उन्होंने अंतिम सांस ली। उनके परिवार में उनकी पत्नी के अलावा दो पुत्र हैं।

- बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री सुशील कुमार मोदी 72 वर्ष के थे। वे गले में कैंसर की बीमारी से पीड़ित थे और दिल्ली एम्स में उनका इलाज चल रहा था।

बिहार के उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा ने सोशल नेटवर्किंग साइट एक्स पर इसकी पुष्टि की। उन्होंने लिखा,''बीजेपी के वरिष्ठ नेता और पूर्व डिप्टी सीएम सुशील मोदी अब हमारे

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

भाजपा की हैदराबाद से उम्मीदवार विवाद में फंसीं

उम्मीदवार माधवी लता ने पोलिंग स्टेशन पर जाकर मुस्लिम महिलाओं को बुर्का उठाकर मुंह दिखाने पर जोर दिया, उनके परिचय पत्र से पहचान मिलाने के लिये

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

- हैदराबाद के जिलाधीश व रिटर्निंग अफसर ने माधवी लता के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है, क्योंकि उनके अनुसार किसी उम्मीदवार को अधिकार नहीं है कि, मुस्लिम महिला मतदाता का ''फेस मास्क'' उठा कर उसको चेहरा दिखाने को मजबूर करे।
- माधवी लता ने कहा कि, वे उम्मीदवार हैं और उन्हें अधिकार है मतदाता के कागज़ात चैक करने का, जिससे फर्जी मतदान न हो।
- माधवी लता ने यह भी दलील दी कि, उन्होंने बड़ी विनम्रता से आग्रह किया था कि, महिला मतदाता अपना चेहरा दिखायें, जिससे उनकी पहचान हो सके तथा वे स्वयं एक महिला हैं, अतः उनका कृत्य कोई अपराध नहीं है।
- जिलाधीश का कहना है, माधवी लता को शक था, फर्जी वोटिंग का संशय था तो वे पोलिंग बूथ इंचार्ज से शिकायत कर सकती थीं, मतदाता की ''आईडैंटिटी'' का सत्यापन करने के लिये।

नई दिल्ली, 13 मई। अतिआत्मविश्वास का अहंकार की सीमा तक प्रदर्शन, हैदराबाद सीट से भारतीय जनता पार्टी की लोकसभा प्रत्याशी कोम्पेला माधवी लता आज उस समय सीधे परेशानी में फंस गई जब उनका एक वीडियो सामने आया कि वे एक मतदान केन्द्रीं पर बुर्का पहले हुए मुस्लिम महिलाओं से कह रही है कि वे बुर्का हटाकर अपना चेहरा दिखाएं ताकि वे उन महिलाओं के वोटर आई.डी. कार्डों पर लगी फोटो से उनके चेहरे का मिलान कर सकें। इस वीडियो के वायरल के बाद पुलिस ने इस मामले में उनके खिलाफ एक केस दर्ज कर लिया है।

पुलिस ने यह केस भारतीय दंड संहिता से संबंधित धारा तथा जनप्रतिनिधि अधिनियम के तहत दर्ज किया है।

हैदराबाद के जिलाधीश कार्यालय ने इस मामले की पुष्टि एक्स पर डाली गई एक पोस्ट में की और बताया गया है कि भाजपा उम्मीदवार के खिलाफ इस मामले में एक केस मलकपेट पुलिस थाना में दर्ज किया गया है।

लोकसभा के चौथे चरण के मतदान के दौरान जो आज चल रहा है इसमें माधवी लता उन बहुचर्चित उम्मीदवारों से एक है जो काफी सुर्खियों में रही है। वे एक ऐसे मजबूत अजेय उम्मीदवार के खिलाफ चुनाव लड़ रही हैं जो हैदराबाद से चार बार सांसद रहे हैं और वो हैं ए.आई.एम.आई.एम. के अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी।

जिला निर्वाचन अधिकारी रोनाल्ड रोसनैस से इस बारे में मीडिया को स्पष्ट किया कि पुलिस भाजपा प्रत्याशी के खिलाफ एक एफ.आई.आर. इसलिए दर्ज करने जा रही है क्योंकि किसी भी चुनाव लड़ने वाले किसी भी उम्मीदवार को यह अधिकार नहीं है कि वह किसी मतदाता की पहचान की जांच करने के लिए वह उसके चेहरे से बुर्का या घूंघट हटा हटाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि यदि किसी उम्मीदवार को कोई शक या सुबा है तो वह किसी मतदाता की पहचान व सत्यापन करने के लिए उस बूथ के चुनाव अधिकारी को कह सकते हैं।

हालांकि, माधवी लता ने मीडिया के लोगों से कहा कि एक प्रत्याशी को मतदाताओं की वोटर आई.डी. चेक करने का अधिकार है, उन्होंने यह भी कहा कि

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

झालावाड़-बारां सीट से जीतेंगे तो दुष्यंत, पर जीत के अंतर में भारी कमी आएगी!

कांग्रेस अगर एकजुटता और गंभीरता से चुनाव लड़ती तो दुष्यंत की जीत का सिलसिला रोक सकती थी

- झालावाड़-बारां में भाजपा के कई बड़े नेता खुल कर वसुंधरा राजे और उनके पुत्र दुष्यंत की खिलाफत करते देखे गए, यही नहीं, राजपूत समाज भी भाजपा प्रत्याशी के खिलाफ एकजुट दिखा।
- स्थिति यह रही कि, लगातार 5 बार चुनाव जीत चुके अपने पुत्र दुष्यंत की नैया इस चुनाव में पार लगाने के लिए खुद वसुंधरा ने झालावाड़ में डेरा डाल दिया।
- भाजपा के वे सभी नेता राजे के खिलाफ झालावाड़ में सक्रिय दिखे, जिन्हें वसुंधरा ने नुकसान पहुंचाया है।
- जहां तक कांग्रेस की बात है, तो अगर भीतरघात नहीं होती और कांग्रेस एकजुट होकर गंभीरता से चुनाव लड़ती तो बाजी पलट भी सकती थी। यहां से प्रमोद जैन भाया की पत्नी उर्मिला जैन भाया मैदान में हैं और भाया विरोधी गुट उनके खिलाफ सक्रिय था।

सामान्य तौर पर किसी चुनाव में मतदान के बाद, कौन जीतेगा, कौन हारेगा का आकलन लगाना बंद हो जाता है, क्योंकि ऐसा मान लिया जाता है कि, उम्मीदवारों का भविष्य तो ई.वी.एम. मशीनों में बंद हो गया, किसी तरह की आकलनबाजी व्यर्थ है, तथा समय की बर्बादी ही है। पर, हमारे संवाददातों का कहना है कि, चुनाव को समझने का, हार-जीत की संभावनाओं, वोटिंग के ट्रेंड के बारे में चर्चा करने का यही समय है। क्योंकि, पार्टियों के कार्यकर्ता भी पोलिंग बूथ में अपनी ड्यूटी पूरी करके ''रिलैक्स्ड'' मूड में आ गये होते हैं, तथा अब कुछ गहरायी से, कुछ शांति से, उन्होंने पोलिंग स्टेशन पर जो देखा व महसूस किया, वो बताने को तैयार हैं। लगभग ऐसी ही स्थिति पार्टियों के नेता, उम्मीदवारों के समर्थकों की होती है। मतदान के पूर्व वह शुभ-शुभ के अलावा कुछ बोलना नहीं चाहते थे, क्योंकि उनके कुछ कहने से, उनके शब्दों व वाक्यों को तोड़-मोड़ कर पेश करके कुछ वोट काटे जा सकते थे। पर, जब मतदान ही हो गया तो वोट को हानि पहुंचाने की यह संभावना भी खत्म हो गयी है। अतः अब ये लोग भी अपना सही आकलन देने में नहीं हिचकिचाते।

अतः अब इन लोगों से बात करके हमारे संवाददाता सीट के बारे में अपना आकलन पुनः गहरायी से पेश करना चाह रहे हैं। उसी श्रृंखला में दूसरी कड़ी हम प्रस्तुत कर रहे हैं।

झालावाड़, 13 मई। झालावाड़ -बारां लोकसभा चुनाव के नतीजों में कोई चौंकाने वाली खबर मिलने की उम्मीद नहीं है। हालांकि लोकसभा चुनाव के दौरान यहीं लग रहा था, कि मतदाता अभी अपने पत्ते खोलने को तैयार नहीं है। पर अब मतदान हो चुका है और मतदाता अपनी राय बताने से झिझक नहीं रहा है। झालावाड़-बारां लोकसभा सीट पर 26 अप्रेल को मतदान हुआ है। भाजपा ने पूर्व मुख्यमंत्री वसुंदरा राजे के पुत्र दुष्यंत सिंह को इस सीट पर पांचवीं बार उम्मीदवार बनाया है। जबकि कांग्रेस ने एक बार फिर बारां जिला प्रमुख व वरिष्ठ कांग्रेस नेता प्रमोद जैन भाया की पत्नी उर्मिला जैन भाया पर दांव खेला है। वर्ष 2009 में भी उर्मिला जैन भाया ने इसी सीट से चुनाव लड़ा था और दुष्यंत से करीब पचास हजार मतों के अंतर से हार गई थी, लेकिन तब वे दुष्यंत से सबसे कम मतों से हारने वाली कांग्रेस प्रत्याशी थीं।

बारां क्षेत्र में उर्मिला जैन भाया और उनके प्रमोद जैन भाया उनकी खास पहचान है। उनके पति प्रमोद जैन भाया पिछली कांग्रेस सरकार में खान एवं गोपालन मंत्री रह चुके है। कांग्रेस के पास हमेशा की तरह परंपरागत अल्पसंख्यक और एस.सी.-एस.टी वोट बैंक का सहारा रहा है। जातिगत समीकरणों के लिहाज से भाजपा के पास सवर्ण वोट बैंक है। तीन माह पहले हुए विधानसभा चुनाव में झालावाड़-बारां संसदीय क्षेत्र की आठ विधानसभा सीटों में से सात सीटों पर जीत कर आई है, सिर्फ खानपुर में ही कांग्रेस ने जीत दर्ज की।

पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे वर्ष 1982 से 2003 तक यहां से सांसद रही हैं सीट पर उनका भारी प्रभाव है। इसके अलावा भाजपा राम मंदिर के भरोसे चुनावी नैया पार करने का दावा कर रही है। लेकिन इस बार राजपूत समाज की नाराजगी और राजपूत समाज के निर्दलीय प्रत्याशी का मैदान में होना और बड़े राजपूत नेताओं का समाज के लोगों से निर्दलीय राजपूत प्रत्याशी के समर्थन में अपील करना भाजपा के वोटों को कम करता दिखाई देता है।

अल्पसंख्यक समाज से वसुन्धरा राजे को अब तक मिलने वाला वोट भी इस बार भाजपा से दूरी बनाता नज़र आया। वसुंधरा राजे की लोक सभा स्पीकर ओम बिड़ला की राजनैतिक दुश्मनी का असर भी देखा गया। वसुंधरा गुट के लोग जिस तरह से कोटा में ओम बिड़ला के विरोध में नज़र आए उसी प्रकार बिड़ला गुट के लोग झालावाड़ में वसुंधरा राजे के विरोध में जोड़ तोड़ करते दिखे। सूत्रों की माने तो वसुंधरा राजे से नाराज़ भाजपा के कई बड़े नेता व मंत्री स्तर के लोग पहली बार खुलकर राजे के विरोध में काम करते दिखाई दिए। यही वजह थी कि राजे पूरे समय यहीं डटी रहीं और पूरा प्रबंध उन्होंने ही संभाला। इन सभी कारणों से दुष्यंत सिंह को नुकसान होता लग रहा है।

कांग्रेस की जहां तक बात है तो पार्टी विपक्ष से ज्यादा अपनी ही पार्टी के नेताओं से जूझती नजर आई। जिले के प्रभारी मंत्री रहे प्रमोद भाया से जिले के कांग्रेस नेताओं की नाराजगी और विधानसभा चुनाव में प्रमोद भाया द्वारा कई वरिष्ठ लोगों का टिकिट कटवाना उर्मिला जैन भाया पर भारी पड़ता नज़र आया। भाया विरोधी गुट ने पार्टी के विरोध में खुलकर काम किया। विधान सभा चुनाव के बाद कुछ नेताओं को तो पार्टी ने बाहर का रास्ता दिखा दिया था। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सचिव, सदस्यों सहित ज्यादातर बड़े नेताओं ने झालावाड़ से दूरी बनाए रखी। कांग्रेस प्रत्याशी उर्मिला जैन भाया की बात करे तो चुनाव के दौरान उनमें निष्क्रियता ज्यादा नज़र आई। ऐसा लग रहा था जैसे कांग्रेस प्रत्याशी सिर्फ औपचारिकता के लिए चुनाव लड़ रही हैं। मतदान के दिन तो झालावाड़ में ना प्रमोद जैन भाया दिखे, ना ही उर्मिला जैन भाया। यहां कांग्रेस

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

शराब के नशे में किराएदार ने चाकू से गोदकर की दादी-पोते की हत्या

सांगानेर इलाके में सोमवार देर शाम हुई 'डबल मर्डर' की वारदात

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । सांगानेर थाना इलाके में सोमवार देर शाम शराब के नशे में एक किराएदार ने धारदार हथियार से दादी-पोते की हत्या कर दी। पुलिस जानकारी में सामने आया है कि हत्या के बाद आरोपी मौके से भागने लगा तो स्थानीय लोगों ने पीछा कर उसे पकड़ कर पुलिस के हवाले कर दिया। पुलिस ने घटनास्थल का मुआयना कर सबूत जुटाने के लिए मौके पर फोरेंसिक साइंस लेबोरेटरी (एफएसएल) टीम को बुलाया है। साथ ही परिजनों को घटना की जानकारी दे दी गई है। जो घटना के समय घर पर नहीं थे।

पुलिस उपायुक्त जयपुर पूर्व कावेन्द्र सिंह सागर ने बताया कि घटना सांगानेर थाना इलाके के रघुनाथपुरी की है। जहा सोमवार देर शाम किराएदार मनोज बैरवा ने मकान मालकिन प्रेम देवी (55) की चाकू से गोदकर हत्या कर दी। इस दौरान प्रेम देवी का पोता गौरव (7) वहीं मौजूद था। दादी को मारने पर वह जोर-जोर से चिल्लाने लगा तो आरोपी मनोज बैरवा ने उसकी भी हत्या कर दी। इसके बाद दोनों के शव घर में बने पानी के टैंक में डाल भागने लगा तो स्थानीय लोगों ने पकड़ कर पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने आरोपी को डिटेन कर थाने लाकर पूछताछ की जा रही है। पुलिस की प्रारम्भिक पूछताछ में सामने आया है कि आरोपित मनोज बैरवा सोमवार दोपहर में शराब पीकर घर आया था।

सांगानेर इलाके में सोमवार को डबल मर्डर की वारदात के बाद स्थानीय लोगों की भीड़ जमा हो गई।

- **दोनों शव घर में बने पानी के टैंक में डालकर आरोपी भागने लगा तो स्थानीय लोगों ने पकड़कर उसे पुलिस के हवाले कर दिया**

प्रेम देवी से उसका आए दिन झगड़ा होता रहता था और सोमवार दोपहर को भी उसका झगड़ा हुआ। इस पर उसने गुस्से में आकर प्रेम देवी की हत्या कर दी। पोते गौरव ने दादी को मारते देखा तो जोर-जोर से चिल्लाने लगा। इस पर उसने गौरव को पकड़ा और चाकू से गोदकर उसको भी मार डाला। उसने शवों को छुपाने के लिए पानी के टैंक में डालता, इससे पहले ही लोगों ने देख लिया। जिसे पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया। वारदात के दौरान घर के अन्य लोग घर पर नहीं थे। जिन्हे सूचना दे दी गई है। मंगलवार को शवों का पोस्टमार्टम कराया जाएगा।

दिल्ली और जयपुर में भेजे ई-मेल में रूस के सर्वर का इस्तेमाल

जयपुर। पुलिस जयपुर शहर के 68 स्कूलों को मिले बम धमाकों के ई-मेल की भाषा की जांच में जुटी है। इसके साथ ही एक दिन पहले जयपुर एयरपोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी और कुछ दिन पहले दिल्ली में स्कूलों को उड़ाने के भेजे गए ई-मेल की शब्दावली की भी जांच कर रही है।

पुलिस अभी इस बारे में अधिकारिक रूप से कुछ नहीं कह पा रही है। लेकिन माना जा रहा है कि दिल्ली और जयपुर की घटनाओं के पीछे कोई एक संगठन या गिरोह हो सकता है।

प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि दोनों ही जगह भेजे गई ई-मेल में रूस के सर्वर का इस्तेमाल किया गया है। दिल्ली के स्कूलों को और जयपुर के स्कूलों को रशियन सर्वर से ई-मेल भेजा गया है। दिल्ली में 1 मई को 200 से ज्यादा स्कूलों को धमकी भरा ई-मेल भेजा गया था।

- **साइबर सिक्योरिटी एक्सपर्ट का कहना है कि वीपीएन से लोकेशन छिपाने के कारण ऐसे आरोपी पुलिस की गिरफ्त से बच जाते हैं। वीपीएन के जरिए आरोपी अपनी लोकेशन चेंज कर लेते है।**
- **मामले में सीबीआई और इंटरपोल की मदद लेनी चाहिए।**

साइबर सिक्योरिटी एक्सपर्ट का कहना है कि वीपीएन से लोकेशन छिपाने के कारण ऐसे आरोपी पुलिस की गिरफ्त से बच जाते हैं। वीपीएन के जरिए कोई भी अपनी लोकेशन चेंज कर सकता है। ऐसे में ई-मेल रिसीवर को लगता है कि ई-मेल भेजने वाला किसी दूसरे देश में हैं। अपराधी अपनी लोकेशन हाइड करने के लिए दूसरे देशों का वीपीएन यूज करते हैं। जैसे जयपुर और दिल्ली दोनों केस में रूसी सर्वर से ई-मेल भेजना बताया जा रहा है। एक्सपर्ट का कहना है कि मामले में सीबीआई और इंटरपोल की मदद लेनी चाहिए। किसी थाना स्तर की पुलिस ऐसे आरोपियों तक नहीं पहुंच सकती है। वीपीएन का उपयोग करने पर पुलिस को सीबीआई और इंटरपोल की मदद लेनी चाहिए। ऐसा नहीं है कि इनका पता नहीं लगाया जा सकता है। यह एक लंबी प्रक्रिया होती है, लेकिन जांच केवल थाना स्तर पर छोड़ दी जाती है। जबकि एजेंसी की मदद लेने के लिए पुलिस को हायर लेवल पर काम करने की जरूरत है।

स्तन कैंसर से पीड़ित दो महिला मरीजों का रोबोट-एसिस्टेड सर्जरी से सफल उपचार

नई दिल्ली/जयपुर (का.सं.)। मेडिकल फील्ड में हुई प्रगति का परिचय देते हुए, सीके बिड़ला हॉस्पीटल, दिल्ली ने जटिल और एडवांस ब्रैस्ट कैंसर से पीड़ित दो महिला मरीजों का रोबोटिक-एसिस्टेड ब्रैस्ट प्रीज़र्वेशन सर्जरी की मदद से सफल उपचार किया है। भारत में यह दुर्लभ किस्म की सर्जरी हुई है जहाँ कैंसर मरीजों के स्तनों और निप्पल सेंसेशन को सुरक्षित रखने के लिए इस अनूठी तकनीक की मदद ली गई। डॉ.मनदीप सिंह मलहोत्रा, डायरेक्टर ऑफ सर्जिकल ओंकोलॉजी, सीके बिड़ला हॉस्पीटल, दिल्ली ने दा-विंची रोबोट की मदद से मिनीमली इनवेसिव सर्जिकल तकनीक रोबोट-एसिस्टेड फंक्शन ब्रैस्ट प्रीज़र्वेशन सर्जरी को अंजाम दिया।

इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती 27 वर्षीय महिला को प्रसव के कुछ ही महीनों बाद स्तन में गांठ महसूस हुई थी। लेकिन वह अपनी तकलीफ को इग्नोर करती रही और उन लक्षणों की भी अनदेखा करती रहीं थीं, जो प्रेग्नेंसी और स्तनपान के दौरान स्तन में बदलाव के रूप में सामने आते हैं। इस बीच, उनका स्तन कैंसर धीरे-धीरे बढ़कर एडवांस स्टेज में पहुंच गया। इस महिला को नियो एडजुवेंट कीमोथेरेपी दी गई, जो ट्यूमर के ऑप्टिमल रिमूवल में मददगार होती है, और साथ ही, टार्गेटेड मेडिसन भी दी गई। मरीज ने इस इलाज पर अच्छा रिस्पॉन्स दिखाया। साथ ही, बिना किसी जटिलता के भी की गई और सर्जरी के बाद मरीज ने तेजी से रिकवरी की। हालांकि शुरुआत में मरीज कैंसर के चलते अपने स्तनों को हटाए जाने को लेकर चिंतित थीं, लेकिन न सिर्फ ब्रैस्ट प्रीज़र्व कीं बल्क उनके मूल स्तनों की ही तरह उनकी उपयोगिता, संवेदना (सेंसेशन) को भी बरकरार रखा।

डॉ.मनदीप सिंह मलहोत्रा

- **भारत में यह दुर्लभ किस्म की सर्जरी हुई है जहाँ कैंसर को निकालने के लिए रोबोट की सहायता से सर्जरी की गई**

दूसरे मामले में, लगभग साठ साल की एक महिला में शुरुआती स्टेज का ब्रैस्ट कैंसर डायग्नॉज़ हुआ था लेकिन उनका कैंसर मल्टीफोकल था यानि 3 ब्रैस्ट लंप्स (स्तन में गांठें) थे। मरीज अपने स्तनों को हटाए जाने की आशंका से काफी परेशान थीं और उन्हें सर्जरी के बाद अपने गिरते स्वास्थ्य को लेकर भी चिंता बढ़ी हुई थी। मरीज को तत्काल सर्जिकल इंटरवेंशन की जरूरत थी, जिसके चलते उनकी की गई। इस सर्जरी में रोबोटिक आर्म की मदद से कैंसरग्रस्त टिश्यू को निकाला गया और साथ ही, पीठ से निकाले गए टिश्यू की मदद से ब्रैस्ट रीकंस्ट्रक्शन भी किया गया, और ये दोनों प्रक्रियाएं सिंगल लेटरल मैमरी इंसाइज़न से ही पूरी की गईं। इस सर्जरी के बाद, मरीज स्वास्थ्य लाभ कर रही हैं और हैल्दी तथा खुशहाल जीवन बिता रही हैं।

डॉ मलहोत्रा, डायरेक्टर ऑफ सर्जिकल ओंकोलॉजी, सीके बिड़ला हॉस्पीटल, दिल्ली ने बताया, यह दुर्लभ किस्म की सर्जरी, जिसे रोबोट-एसिस्टेड फंक्शनल ब्रैस्ट प्रीज़र्वेशन सर्जरी कहा जाता है, हमारे अस्पताल में की गई है जिसमें लैटिसिमस फ्लैप रीकंस्ट्रक्शन का इस्तेमाल हुआ है। इस सर्जरी में अधिक सटीक विजुअलाइज़ेशन का लाभ मिलता है और चीरों का साइज़ भी काफी कम होता है। इस तरह की सर्जरी में, रोबोट को कांख से स्तन में डाला जाता है जो टिश्यू को हटाकर ब्रैस्ट रीकंस्ट्रक्ट करता है, इस प्रक्रिया में ब्रैस्ट स्किन और निप्पल दोनों का बचाव होता है, और यदि संभव हुआ तो, ब्रैस्ट सेंसेशन को भी सुरक्षित किया जाता है।

एफिकॉन कीटनाशक लांच किया

जयपुर। छेदकर रस चूसने वाले कीट भारत में कृषि फसलों के लिए बड़ा संकट पैदा करते हैं, जिससे उत्पादकता और फसलोपज में 35 से 40 फीसदी तक भारी नुकसान पहुँचता है। अब भारतीय किसान आज लॉन्च किए गए बीएएसएफ के नए कीटनाशक एफिकॉन की सहायता से इस मुश्किल भरी चुनौती पर काबू पा सकते हैं। एफिकॉन एक विशेष फॉर्मूलेशन में बीएएसएफ के नए एक्टिव इंग्रीडिएंट एक्सालियॉन की शक्ति से लैस है।

अनूठी क्रियाविधि रखने वाला एफिकॉन कीटनाशक नए आईआरएसी समूह 36 के तहत बाजार में पेश किए गए उन पहले कंपाउंड्स में से एक है, जो पूरी तरह से कीटनाशकों की एक नई श्रेणी (समूह 36-पायरिडाजाइन) का प्रतिनिधित्व करता है, जिसका बाजार में मौजूदा उत्पादों के साथ कोई ज्ञात क्रॉस-रेजिस्टेंस नहीं है, जिससे यह एक श्रेष्ठतर कीटनाशक प्रतिरोध प्रबंधन का साधन बन जाता है।

पहली बार 2023 में ऑस्ट्रेलिया में एफिकॉन कीटनाशक लॉन्च किया गया था। भारत दुनिया के उन कुछ देशों में से एक है, जहाँ इतनी जल्दी यह नई केमिस्ट्री उपलब्ध होने जा रही है।

मुख्यमंत्री भजनलाल पंजाब के चुनावी दौरे पर

- **मु.मंत्री भजनलाल ने होशियारपुर में भाजपा प्रत्याशी अनीता सोमप्रकाश के लिये सभा की**
- **मुख्यमंत्री इन दिनों अतिव्यस्त चुनावी दौरे पर हैं। रविवार रात वे आंध्र, तेलंगाना व महाराष्ट्र के दौरे से लौटे थे तथा सुबह 8 से 10 बजे तक आवश्यक सरकारी कार्य कर पंजाब दौरे पर रवाना हो गये**
- **मुख्यमंत्री भजनलाल ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री के दस वर्षों के शासन काल ने आतंकवाद की कमर तोड़ दी है। सभी आतंकवादी भाग गये हैं**

होशियारपुर, (का.सं.)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आतंकवाद की ऐसी कमर तोड़ी है कि, सभी आतंकवादी लापता हो गए हैं। वर्ष 2014 से पहले आतंकवादी घटनाएं आम बात थीं। ट्रेन और बस में सफर करने और सार्वजनिक स्थानों पर जाने से पहले आम आदमी 10 बार सोचता था। लेकिन आज कोई भी आतंकवादी और नक्सलवादी देश में आतंक फैलाने का दुस्साहस नहीं कर सकता, यही मोदी की गारंटी है।

शर्मा सोमवार को पंजाब के होशियारपुर में भाजपा प्रत्याशी अनीता सोमप्रकाश के समर्थन में आयोजित जनसभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि, मोदी के 10 वर्षों के कार्यकाल में गरीब कल्याण, सीमा-सुरक्षा, आर्थिक विकास और देश को आतंकवाद एवं नक्सलवाद से मुक्त करने की दिशा में परिवर्तनकारी निर्णय लिए गए हैं। जबकि, कांग्रेस ने देश को केवल भ्रष्टाचार का दंश ही दिया है। कांग्रेस ने अपने कुशासन के पंजे से हमेशा गरीब, किसान, महिला एवं युवाओं को कुचला है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि मोदी ने भारत की सांस्कृतिक विरासत को पुर्नस्थापित करने का अभूतपूर्व काम किया है। करतारपुरा कॉरिडोर, बाबा विश्वनाथ, सोमनाथ, केदारनाथ व बद्रीनाथ मंदिर के विकास कार्य और अयोध्या में राममंदिर के निर्माण से भारतीय संस्कृति को एक नई गति मिली है। वहीं कांग्रेस गठबंधन ने सदैव श्री राम मंदिर का विरोध करने का पाप किया है। उन्होंने कहा कि "जो राम का नहीं वो किसी काम का नहीं", इस बात को ध्यान में रखकर जनता मोदी जी को प्रचण्ड बहुमत से तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाने जा रही है।

शर्मा ने कहा कि, पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने 11 एवं 13 मई 1998 को राजस्थान के पोकरण में परमाणु बम का परीक्षण कर भारत को परमाणु सम्पन्न राष्ट्र बनाया था। तब कई बड़े देशों ने भारत पर आर्थिक प्रतिबंध लगाए थे। लेकिन वाजपेयी डिगे नहीं और ना ही किसी दबाव में आए, क्योंकि भारतीय जनता पार्टी की विचारधारा सदैव राष्ट्र को मजबूत करने की रही है। इसके लिए चाहे कितनी भी बड़ी कीमत चुकानी पड़े।

मुख्यमंत्री ने कहा कि, पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकारों ने भ्रष्टाचार करके गरीब और किसानों को लूटने का काम किया है। कांग्रेस तो स्वयं स्वीकार करती थी कि उसकी सरकार एक रूपया भेजती थी, उसमें से गरीब तक केवल 15 पैसे ही पहुंचता थे। लेकिन प्रधानमंत्रीमोदी के नेतृत्व में परिस्थितियां पूरी तरह से बदल गई हैं। आज गरीब का पैसा गरीब के पास पूरी ईमानदारी से पहुंच रहा है। मोदी जी 100 रुपये भेजते हैं तो पूरे 100 रूपये ही गरीब के खाते में जाते हैं।शर्मा ने होशियारपुर लोकसभा क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी श्रीमती अनीता सोमप्रकाश को भारी मतों से विजयी बनाने का आव्हान किया। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा आंध्रप्रदेश, तेलंगाना, महाराष्ट्र के दौरे के बाद अब पंजाब-हरियाणा के चुनावी दौरे पर हैं। तीन राज्यों के दौरे के बाद वे रविवार रात 2 बजे जयपुर पहुंचे। सुबह 8 बजे से 11 बजे तक जरूरी सरकारी कार्य किए, इसके बाद शर्मा पंजाब के लिए रवाना हो गये।

आम सूचना सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पति श्री मोहनलाल जी गोयल का 29 फरवरी 2024 को आकस्मिक निधन हो जाने के उपरांत में उनके नाम से वाहन संख्या RJ 32 CA 8519 निशा अग्रवाल पत्नी स्व. मोहन लाल गोयल के नाम से करवाना चाहती हूँ। किसी को कोई आपत्ति हो तो सात दिवस में आरटीओ ऑफिस कोटपूतली में आपत्ति दर्ज कराये।

आम सूचना सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे अभिभाष्य सुरेश चन्द सोनी पुत्र श्री कजोडमल सोनी, आयु 54 वर्ष, निवासी 12-ए, एच वी एन स्कूल, गुलाब विहार, नांगल जैसा बोहरा, झोटवाड़ा, जयपुर का पुत्र विश्वास सोनी आयु 25 वर्ष तथा उसकी पत्नी, दीप्ति सोनी जो अन्यत्र रह रहे है, मेरे अभिभाष्य के कहने में नहीं है उनका व्यवहार मेरे अभिभाष्य के प्रति उपेक्षित है। मेरे अभिभाष्य ने अपने पुत्र विश्वास सोनी व उसकी पत्नी दीप्ति सोनी को अपनी समस्त चल अचल सम्पत्ति, जीवन संव्यवहार से बेदखल कर दिया है। विश्वास सोनी व उसकी पत्नी दीप्ति सोनी से यदि कोई व्यक्ति, लेनदेन, संव्यवहार करता है तो वह स्वयं जिम्मेदार रहेगा।
दिनांक- 13.05.2024 (राजेन्द्र कुमार पीपलीवाल) एडवोकेट, मो. 9414274957

आम सूचना सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे मुवक्किलान जयगोपाल शर्मा पुत्र स्व. श्री भगवान सहाय शर्मा एवं अंजना शर्मा पत्नि जयगोपाल शर्मा निवासीगण 250, महात्मा गांधी नगर, डी.सी.एम., अजमेर रोड, जयपुर का पुत्र अक्षत शर्मा व पुत्रवधु प्रियांशी शर्मा मेरे मुवक्किलान के कहने में नहीं है। इसलिये मेरे मुवक्किलान ने अपने पुत्र व पुत्रवधु अक्षत शर्मा व पुत्रवधु प्रियांशी शर्मा की अपने उक्त मकान के फर्स्ट फ्लोर पर स्थित एक कमरे दक्षिणमुखी में रहने की इजाजत को समाप्त कर दिया व उनको अपनी समस्त चल व अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है। इसलिये मेरे मुवक्किलान अपने पुत्र व पुत्रवधु के किसी भी कृत्य के लिए जिम्मेदार नहीं है। सूचित रहे।
(मोहम्मद रूकमुद्दीन एडवोकेट) मो. 6350196113

आम सूचना सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि राजेन्द्र कुमार अग्रवाल पुत्र निरंजन लाल द्वारा खसरा नंबर 19 ग्राम झालाना चोड तहसील सांगानेर जयपुर के संबंध में दिनांक 31 दिसम्बर 2022 से पूर्व सभी प्रकार के निष्पादित जनरल मुख्तारनामा, विशेष मुख्तारनामा व अन्य किसी भी प्रकार के मुख्तियारनामा तुरंत प्रभाव से निरस्त किए जाते है। राजेन्द्र कुमार अग्रवाल पुत्र निरंजन लाल द्वारा उपरोक्त वर्णित भूमि के संबंध में किसी भी व्यक्ति से लिखित में किया गया कानूनी व्यवहार एवं एग्रीमेंट अवैध, निरस्त और अविधिमान्य होगा।
राजेन्द्र कुमार अग्रवाल पुत्र निरंजन लाल
मस्जिद के पास, पावटा, जिला कोटपूतली बहरोड

आम सूचना सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे अभिभाष्य श्री प्रभु नारायण रेगर पुत्र श्री गणेश नारायण रेगर, निवासी ई/84, फेस-3, झालाना डूंगरी, जवाहर नगर, जयपुर, राज. की पुत्री शिवानी कुमारी उनके कहे में नहीं है तथा आए दिन उनसे लडाई झगडा व दुर्व्यवहार करती है इसलिए मेरे अभिभाष्य उन्हे अपनी चल-अचल संपत्ति से बेदखल करता है तथा इनसे अपने सारे संबंध समाप्त करता है भविष्य में यदि कोई व्यक्ति, संस्थाएं इनसे किसी प्रकार का कोई लेन-देन या संव्यवहार करता है तो इसकी कोई जिम्मेदारी मेरे अभिभाष्य व अन्य परिजनों की नहीं होगी। सूचित रहे।
जयपुर (विजय कुमार बिलोनिया) एडवोकेट, मो.9887540551

विधानसभाध्यक्ष देवनानी आज अयोध्या जायेंगे

जयपुर। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी दो दिवसीय यात्रा पर मंगलवार को अयोध्या जायेंगे। देवनानी मंगलवार को सांय परिवारजन सहित सरयू नदी पर दीप प्रज्जवलन कर आरती करेंगे।

देवनानी अयोध्या में बुधवार को प्रातः राम मंदिर, हनुमानगढ़ी औरऔर कनक महल के दर्शन और पूजा अर्चना कर देश व प्रदेश की खुशहाली की कामना करेंगे।

विधानसभा अध्यक्ष देवनानी मंगलवार को दोपहर में जयपुर से वायुयान द्वारा लखनऊ जायेंगे, जहां से वे सड़क मार्ग से अयोध्या पहुंचेंगे। देवनानी का बुधवार रात्रि को जयपुर वापिस आने का कार्यक्रम है।

पूर्व जेडीए कमिश्नर के खिलाफ जमानती वारंट दायर करने के मामले में रोक लगाई

जयपुर, (का.सं.)। प्रदेश के उपभोक्ता विभाग निवारण आयोग द्वारा पूर्व जेडीए कमिश्नर रवि जैन के खिलाफ जमानती वारंट दायर करने के मामले में हाईकोर्ट में याचिका दायर की गई है। इस मामले पर सुनवाई करते हुए न्यायाधीश अनूप कुमार ढंढ ने आदेश पारित किये हैं कि उक्त वारंट पर अंतरिम रोक लगाई जाये।

मामले के तथ्यों के अनुसार जेडीए द्वारा काटी गई एक कॉलोनी में राजीव चौधरी नामक व्यक्ति को प्लॉट अलॉट किया गया। परंतु उक्त भूमि को जेडीए द्वारा विकसित नहीं किया गया था। इसके खिलाफ रवि चौधरी ने प्रदेश के उपभोक्ता विभाग निवारण आयोग में शिकायत दर्ज की। उक्त मामले की अपील राष्ट्रीय उपभोक्ता विभाग निवारण आयोग में भी की गई थी। तब राष्ट्रीय उपभोक्ता आयोग ने आदेश दिये थे कि जेडीए उक्त मामले में याचिकाकर्ता को उसके द्वारा स्कीम में पट्टा आवंटन कराने के लिये दी गई पूरी राशि ब्याज सहित लौटाये। याचिकाकर्ता ने इस आदेश की क्रियान्विति के लिये पुनः प्रदेश के उपभोक्ता आयोग में क्रियान्विति याचिका (एक्जीक्यूशन पिटीशन) दायर की। जिसके चलते जेडीए ने ब्याज सहित पूरी 72,60,892 रुपये याचिकाकर्ता को दिये, जिसके बाद याचिकाकर्ता ने अपना मामला वापस ले लिया। परंतु कुछ ही दिन बाद याचिकाकर्ता ने पुनः एक्जीक्यूशन पिटीशन दायर की कि उसे जेडीए से 19 लाख अतिरिक्त रुपये लेने हैं, जिस पर आयोग ने जेडीए को पुनः नोटिस जारी किये। जेडीए की ओर से उक्त मामले में दूसरी एक्जीक्यूशन पिटीशन को रद्द करने के लिये कई बार आवेदन दायर किया गया और अदालत को बताने की कोशिश की कि याचिकाकर्ता ने पूरी राशि प्राप्त करने के बाद ही अपनी प्रथम एक्जीक्यूशन पिटीशन वापिस ली थी। परंतु अदालत ने बिना किसी कारणवश तत्कालीन जेडीए कमिश्नर के खिलाफ जमानती वारंट जारी किये थे जिसके खिलाफ जेडीए ने हाईकोर्ट में रिट याचिका दायर की थी और इस पर सुनवाई करते हुए अदालत ने जमानती वारंट पर अंतरिम रोक लगाई और याचिकाकर्ता को 19 लाख रुपये अतिरिक्त राशि देने पर भी रोक लगाई है।

श्रीहनुमन्त कथा पोस्टर का विमोचन

जयपुर। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने सोमवार को विधानसभा में श्री हनुमन्त कथा के पोस्टर का विमोचन किया। देवनानी ने 30 मई से 1 जून तक की जाने वाली श्री हनुमन्त कथा और श्री राम महायज्ञ के लिए शुभकामनाएं दी।

सर्वजातीय सामूहिक विवाह सम्मेलन 16 को

जयपुर। सेवा भारती समिति, जयपुर का 13वां श्री राम जानकी सर्वजातीय सामूहिक विवाह सम्मेलन अंबावाड़ी स्थित आदर्श विद्या मंदिर में 16 मई को होगा। सेवा भारती समिति,राजस्थान के मंत्री गिरधारी लाल शर्मा की अध्यक्षता में आदर्श विद्या मंदिर में बैठक आयोजित कर कार्यकर्ताओं को दायित्वों को जिम्मेदारी सौंपी गई। सामूहिक विवाह सम्मेलन में 15 समाजों के 45 जोड़े परिणय सूत्र में बंधेंगे। इसमें 38 सजातीय और सात जोड़े अंतरजातीय है। विवाह स्थल पर आयोजन की तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है।

चौथे की बैठक

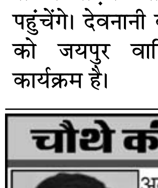

अत्यन्त दुख के साथ सूचित किया जाता है कि हमारे पूजनीय पिताजी

श्री अशोक नांगिया जी

का स्वर्गवास हो गया है। चौथे की बैठक 14.05.2024 को दोपहर 3 से 4 बजे श्री सिद्धेश्वर मन्दिर, पंचवटी सर्किल, राजापार्क, जयपुर में होगी।
शोकाकुल- श्रीमती उषा नांगिया (पत्नी), विनीत (पुत्र), मुकुल-भावना (पुत्र-पुत्रवधू) एवं समस्त नांगिया परिवार।
मो. 9712679234, 9174712245

नम्बर मिलाइए 9587884433

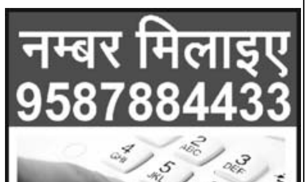

सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

अडानी-अंबानी से रुपए लेने के बयान को लेकर याचिका पेश

जयपुर, (का.सं.)। पीएम नरेंद्र मोदी की ओर से तेलंगाना में भाषण देने के दौरान कांग्रेस की ओर से अडानी और अंबानी से रुपए लेने के बयान को लेकर राजस्थान हाईकोर्ट में याचिका पेश की गई है। पूनम चंद भंडारी की ओर से दायर इस याचिका पर हाईकोर्ट आगामी दिनों में सुनवाई करेगा। याचिका में गृह मंत्रालय, निर्वाचन आयोग, सीबीआई, ईडी और आयकर विभाग को पक्षकार बनाया गया है।

याचिका में कहा गया कि गत 8 मई को पीएम नरेंद्र मोदी ने भाषण के दौरान कांग्रेस पर आरोप लगाया था। याचिका में कहा गया कि पीएम मोदी ने भाषण के दौरान कहा कि कांग्रेस पांच साल अडानी, अंबानी का नाम लेती रही है, लेकिन अब उनका नाम लेना बंद कर दिया है। शहजादे घोषित करें कि चुनाव में अंबानी, अडानी से कितना माल उठाया है। टैंपो भरकर नोट कांग्रेस के पास पहुंचे हैं क्या? आपने रातों रात अंबानी, अडानी को गाली देना बंद कर दिया है। जरूर दाल में कुछ काला है। इनको रातों रात गालियां देना बंद हुआ है, मतलब कोई न कोई चोरी का माल टैंपो भर-भर कर आपने पाया है।

राजस्थान वि.वि.ने जयपुर बम ब्लास्ट के 40 पीड़ितों के आश्रितों को निःशुल्क उच्च शिक्षा दी

जयपुर। 13 मई 2008 जयपुर के इतिहास में ब्लैक ट्यूसडे के नाम से जाना जाता है। इस दिन जयपुर में सीरियल बम ब्लास्ट के रूप में हुई आतंकवादी घटना ने जयपुर वासियों को झकझोर कर रख दिया। इस आतंकवादी घटना ने लगभग सैंकड़ों के करीब निर्दोष लोगों की जानें तो लीं हीं, साथ ही भारी संख्या में लोगों के शरीर पर ऐसे गंभीर जख्म दिए जिनका सामना ये आज तक कर रहे हैं, हालांकि राज्य सरकार द्वारा इन पीडितों को एक निर्धारित आर्थिक सहायता तो प्रदान की गई लेकिन राजस्थान विश्वविद्यालय ने अपनी एक अभिनव पहल के माध्यम से इन पीडितों के आश्रितों को विश्वविद्यालय के सभी पाठ्यक्रमों में प्रवेश की न्यूनतम योग्यता के आधार पर ही प्रवेश देकर इन छात्रों से इनके विश्वविद्यालय में अध्ययन समाप्ति तक किसी भी तरह का शुल्क न लेकर इन्हे उच्च शिक्षा से दक्ष करने का जो बीड़ा उठाया उससे इन पीड़ित परिवारों का जीवन ही बदल गया है।

राजस्थान विश्वविद्यालय ने अपनी इस अभिनव पहल योजना के माध्यम से पूरे राष्ट्र के समक्ष आतंकवादी घटनाओं के प्रभाव को उच्च शिक्षा के माध्यम से दूर करने की यह पहल पूरे भारत वर्ष में चर्चा का विषय रही।

भीषण गर्मी में वाहन चालकों को बहुत गुस्सा आता है जब रेड सिग्नल मिल जाये व उनको वहाँ धूप में गाड़ियों के बीच रुकना पड़ता है, वाहन चालकों को गर्मी से राहत दिलाने के लिए रामबाग चौराहे पर सिग्नल होने पर अब छाया में खड़ा रहना पड़ता है क्योंकि वहाँ ग्रीन हाउस की तरह ग्रीन टेंट लगा दिये गए हैं।

आम सूचना :- सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि एक फ्लैट संख्या 301, जिसका बिल्डर एरिया 1050 वर्गफुट है जो कि प्लॉट संख्या 191, मध्य हिस्सा जयपुर नगर चौकडी हवाली शहर, राम गली संख्या 1, राजापार्क, जयपुर के तृतीय तल पर स्थित है, जिसको खरीदने के लिए मेरे अभिभाष्य डॉक्टर चंद्रशेखर जोशी, सी-22, भगत सिंह मार्ग, तिलक नगर, जयपुर द्वारा एक इकरारनामा उक्त सम्पति के मुख्त्यारनामा धारक श्री विजेन्द डोडा पुत्र श्री देवीदत्ता राम डोडा के साथ किया गया है अतः किसी भी व्यक्ति संस्था अथवा अन्य हितधारक को किसी भी प्रकार की आपति हो तो 7 दिवस के मध्य लिखित आपति अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष प्रस्तुत कर दें। अन्यथा बाद गुजरने मियाद किसी भी प्रकार की आपति पर विचार नहीं किया जावेगा एवं मेरे अभिभाष्य द्वारा उक्त संपति को अविवादित मानकर खरीद कर लिया जावेगा।
नरेन्द्र कुमार पारीक एडवोकेट - 9602750700

आम सूचना दि. 13.05.2024
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे अभिभाष्यगण श्री मोहन लाल खत्री पुत्र स्व. श्री तोलाराम खत्री, एवं श्रीमती भगवती देवी पत्नि मोहन लाल खत्री निवासीगण 9 देवनगर, गुर्जरों की तलाई, मुहाना मोड, सांगानेर जयपुर अपने पुत्र जितेन्द्र खत्री एवं पुत्रवधू श्रीमती गीता खत्री जो कि मेरे अभिभाष्यगण के कहने में नही है इन्हे पूर्व में भी मेरे अभिभाष्यगण द्वारा हिदायतें दी गई थी, इन दोनों का व्यवहार मेरे अभिभाष्यगण के प्रति अच्छा नही है, इन दोनों द्वारा मेरे अभिभाष्यगण की सेवा सुश्रूषा भी नही की जा रही है। इस कारण मेरे अभिभाष्यगण पूर्व हिदायतों का पालन नही किये जाने से अपने पुत्र जितेन्द्र खत्री, पुत्रवधू गीता खत्री को अपनी समस्त चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल करते है। सूचित रहे। भवदीय मनीष स्वामी (एडवोकेट)
राजस्थान उच्च न्यायालय, जयपुर, मो. 7737690012

खोया पाया

मेरे प्लाट नं. 46 उषा कॉलोनी मालवीय नगर जयपुर का ऑरिजनल साईट प्लान और पावर ऑफ अटॉर्नी (प्रेम प्रकाश दुसाद ने मुकेश शर्मा को की) जयपुर में कहीं खो गई है सूचित करें- शशि प्रभा टंडन मो-7568164746

प्लॉट नम्बर 43, अम्बेडकर गृह निर्माण सहकारी समिति लि. रजिस्ट्रेशन नम्बर 2826/एल सैयद नगर नाई की थडी रामगढरोड जयपुर का असल आवंटन पत्र, रसीद, नक्शा मुजम्मिला परवीन पत्नी शकील अहमद के नाम से था, मेरे से खो गया, मिलने पर सूचित करें। जकिया बानो- 9024469859

नाम परिवर्तन

मैंने अपना नाम चारू राजीव तिवारी से बदलकर चारू तिवारी कर लिया है, भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना जावें। पता-185/213 प्रताप नगर, सांगानेर, जयपुर

मैंने अपना नाम मंजू देवी खण्डेलवाल से बदलकर मंजू खण्डेलवाल पत्नी श्री सुरेन्द्र खण्डेलवाल रख लिया है भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना जाये। निवासी-प्लाट नं. 9, बाल निकुंज, दौलत विहार, अम्बाबाडी, जयपुर

मैं साधना गोयल पत्नी श्री राजेन्द्र गोयल निवासी बी-361 जनता कॉलोनी, जयपुर। मैंने अपना नाम साधना गुप्ता से बदलकर साधना गोयल रख लिया है। भविष्य में मुझे साधना गोयल के नाम से जाना जाये।

मैंने मेरा नाम कैलाश कुमार से बदलकर कैलाश कुमार सांखला रख लिया है। मुख्य अभियंता कार्यालय, सार्वजनिक निर्माण विभाग राजस्थान जयपुर।

I Mohammed Dilfaraz Ansari S/o Mohammed Ikram Ansari 5255 Chandi ka Taziya Ghat Gate Jaipur Have Changed Name Mohammed Del Fraza to Mohammed Dilfaraz Ansari

I Mohd Farman Ansari S/o Mohd Raees Ansari 5255 Chandi Ka Taziya Ghat Gate Jaipur Have Changed Name Mohammad Farman Ansari to Mohd Farman Ansari

एकल पट्टा प्रकरण में शांति धारीवाल को क्लीन चिट देने पर दो 'विधि अफसरों' पर गाज गिरी

राज्य सरकार ने आदेश जारी कर विधि एवं विधि कार्य विभाग के प्रमुख शासन सचिव ज्ञान प्रकाश गुप्ता व शासन सचिव अनुपमा राजीव बिजलानी की सेवाएं राजस्थान उच्च न्यायालय जोधपुर को वापस लौटाई

- **सूत्रों की मानें तो गत 22 अप्रैल को सुप्रीम कोर्ट में अशोक पाठक की विशेष याचिका पर सुनवाई के दौरान राजस्थान सरकार की ओर से जवाब पेश कर कहा गया था कि ''एकल पट्टा प्रकरण में कोई मामला नहीं बनता, इससे वित्तीय हानि नहीं हुई थी''**
- **ज्ञात रहे कि वर्ष 2011 में जयपुर विकास प्राधिकरण ने गणपति कंस्ट्रक्शन्स के प्रोपराइटर शैलेन्द्र गर्ग के नाम पर एकल पट्टा जारी किया गया था, इसके बाद तत्कालीन वसुंधरा सरकार के समय में इस प्रकरण में ए.सी.बी. ने मुकदमा दर्ज किया था**
- **गौरतलब है कि इस प्रकरण में तत्कालीन आई.ए.एस. अफसर जी.एस.संधू, तत्कालीन आर.ए.एस. निष्काम दिवाकर और तत्कालीन उपायुक्त ओंकारमल सैनी को गिरफ्तार किया गया था और तत्कालीन यू.डी.एच. मंत्री शांति धारीवाल से पूछताछ की गई थी**

जयपुर (कासं)। राजधानी जयपुर के बहुचर्चित एकल पट्टा प्रकरण में गत 22 अप्रैल को सुप्रीम कोर्ट में कांग्रेस सरकार में यू.डी.एच. मंत्री रहे शांति धारीवाल व अन्य को क्लीन चिट देने वाले विधि विभाग के दो प्रमुख अफसरों पर गाज गिरी है।

राजस्थान सरकार के कार्मिक विभाग ने गत 8 मई को आदेश जारी कर ज्ञान प्रकाश गुप्ता (प्रमुख शासन सचिव विधि एवं विधिक कार्य विभाग-सह विधि परामर्शी जयपुर) तथा अनुपमा राजीव बिजलानी (शासन सचिव विधि एवं विधिक कार्य विभाग-सह विधि परामर्शी जयपुर) की सेवाएं राजस्थान उच्च न्यायालय जोधपुर को वापस लौटाई हैं। ज्ञान प्रकाश गुप्ता की जगह पर बृजेन्द्र कुमार, रजिस्ट्रार कम प्रमुख सचिव, मुख्य न्यायाधीश, राजस्थान उच्च न्यायालय जोधपुर को लगाया है। जबकि अनुपमा राजीव बिजलानी के स्थान पर मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण दौसा के न्यायाधीश राजेश गुप्ता को लगाया गया है।

सूत्रों की मानें तो एकल पट्टा प्रकरण में गत 22 अप्रैल को सुप्रीम कोर्ट में अशोक पाठक की विशेष अनुमति याचिका पर सुनवाई हुई थी, जिसमें राजस्थान सरकार की ओर से कांग्रेस सरकार के पूर्व यू.डी.एच. मंत्री शांति धारीवाल और तीन अधिकारियों को क्लीन चिट दे दी गई। सरकार की ओर से जवाब पेश कर कहा गया था कि ''एकल पट्टा प्रकरण में कोई मामला नहीं बनता, इस मामले में नियमों की पूरी तरह से पालना की गई, इससे सरकार को कोई वित्तीय हानि भी नहीं हुई थी।''

ज्ञात रहे कि वर्ष 2011 में जयपुर विकास प्राधिकरण ने गणपति कंस्ट्रक्शन्स के प्रोपराइटर शैलेन्द्र गर्ग के नाम पर एकल पट्टा जारी किया गया था, इसके बाद तत्कालीन वसुंधरा सरकार के समय में इस प्रकरण में ए.सी.बी. ने मुकदमा दर्ज किया था। इस प्रकरण में तत्कालीन आई.ए.एस. अफसर जी.एस.संधू, तत्कालीन आर.ए.एस. निष्काम दिवाकर और तत्कालीन उपायुक्त ओंकारमल सैनी को गिरफ्तार किया गया था और तत्कालीन यू.डी.एच. मंत्री शांति धारीवाल से पूछताछ की गई थी। इस प्रकरण में पिछले वर्ष राजस्थान हाईकोर्ट से धारीवाल और तत्कालीन अधिकारियों को राहत मिल गई, इस कारण यह विशेष अनुमति याचिका सुप्रीम कोर्ट में दायर की गई। हालांकि इस प्रकरण में अशोक पाठक की ओर से सुप्रीम कोर्ट में जवाब पेश कर कहा गया कि, ''लगता है ब्यूरोक्रेसी ने पूर्ववर्ती सरकार के जवाब को ही शीर्ष अदालत में पेश कर दिया है।''

मौसेरे भाई की हत्या करने वाले चार युवक गिरफ्तार

वाट्सएप ग्रुप पर अभद्र मैसेज भेजने पर हुआ था मृतक और आरोपियों में झगड़ा

जयसिंहपुरा खोर पुलिस ने युवक की हत्या करने वाले चार बदमाशों को 24 घंटे के भीतर ही गिरफ्तार किया।

जयपुर। जयसिंहपुरा खोर थाना इलाके में शनिवार वाट्स एप्प ग्रुप पर गलत टिप्पणी को लेकर हुए झगड़े में मौसेरे भाई सलमान की हत्या के मामले में 24 घंटे बाद ही पुलिस ने मामले की गुत्थी को सुलझाते हुए चार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने इस हत्याकांड में आरोपी मौसी के भाई जमीर, अरसलान, साजेब और साहिल को गिरफ्तार किया है। आरोपियों से पूछताछ में सामने आया है कि वॉट्सएप ग्रुप पर आरोपियों की सलमान से कहासुनी हुई थी।

जिसके बाद आरोपी खोह नागोरियान इलाके में अपनी मौसी के घर पहुंचे, लेकिन सलमान उन्हें वहां नहीं मिला। आरोपी सलमान को तलाशते हुए घर से निकले ही थे कि अचानक से सलमान और शाहरुख रंगरेज उन्हे घर से कुछ ही दूरी पर रास्ते में मिल गया। जहां पर आरोपियों ने सलमान पर चाकू से ताबड़तोड़ वार कर दिए। शाहरूख रंगरेज ने बीच बचाव का प्रयास किया तो आरोपियों ने उसके पेट में भी चाकू से कई वार किए। राहगीरों की सूचना पर परिजनों ने उसे गंभीर घायल अवस्था में एसएमएस अस्पताल भिजवाया। जहां पर उपचार दौरान उसकी मौत हो गई। वही दूसरे घायल शाहरुख का उपचार जारी है।

एसीपी आमेर शिवरतन गोदारा ने बताया कि उत्तर प्रदेश ,कानपुर निवासी सलमान अंसारी (25) पुत्र आफताब उत्तर प्रदेश कानपुर निवासी की हत्या करने वाले सभी बदमाशों को गिरफ्तार कर लिया गया है। बताया जा रहा है कि करीब 1 साल से सलमान अंसारी आमेर इलाके में स्थित नाई की थड़ी जयसिंहपुरा खोर में रहे रहा था और प्रताप नगर में टेलीकॉम कंपनी में नौकरी करता था।

पुलिस पूछताछ में सामने आया है कि सलमान अंसारी के परिवार वालों ने वॉट्सऐप पर खान परिवार के नाम से एक ग्रुप बना रखा है। ग्रुप पर काफी दिनों से सलमान के मौसेरे भाई असलम, जमीर, साहिल आदि गलत तरीके से अभद्र मैसेज भेज रहे थे। इस बात को लेकर सलमान का अपने मौसेरे भाईयों से झगड़ा हो गया।

मातृ दिवस पर 21 महिलाओं का सम्मान

जयपुर (कासं)। अंतर्राष्ट्रीय मातृ दिवस पर जीवन में संघर्ष करने वाली 21 महिलाओं का सम्मान किया गया। गुलाबी नगर के वैशाली नगर स्थित मुख्यमंत्री पुनर्वास गृह में आयोजित सम्मान समारोह में सामाजिक न्याय अधिकारिता विभाग के संयुक्त निदेशक बी.पी.चंदेल ने सभी महिलाओं का प्रशस्ति पत्र, स्मृति चिन्ह और क्राउन पहनाकर कर सम्मानित किया। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के एल चौधरी, उर्मिला ओझा और मुस्लिम राष्ट्रीय मंच के राष्ट्रीय संयोजक मुनव्वर अली चौधरी थे।

संयुक्त निदेशक बीपी चंदेल ने कहा कि राज्य सरकार की 132 योजनाओं के माध्यम से समाज कल्याण के काम किया जा रहे हैं ।जन्म से लेकर अंतिम संस्कार तक राज्य सरकार वंचितों की सेवा में जुटी है। इससे पहले आयोजक सुजस सांस्कृतिक सेवा संस्थान के प्रोजेक्ट इंचार्ज मुकेश शर्मा, डॉक्टर अलीशा, मैनेजर नोवेल्टी कुमावत और सीनियर केयर टेकर अंजलि कुमावत और पवन डीडवानिया ने अतिथियों का स्वागत किया। अंतर्राष्ट्रीय मातृ दिवस पर रेशम कौर, आसेफा अली, अनीता सक्सेना, पुष्पा देवी कुमावत, विजया नवीन सरावगी, मोना बलानी, गजराज कंवर, शशि शर्मा, उषा गुप्ता ,संतोष देवी, कमला देवी, कुलजीत कौर, लक्ष्मी जादम, उर्मिला ओझा , एसआई सोनम गुप्ता, उर्मिला राय, अनिता कौर, ममता सक्सेना को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन अखिल भारतीय किशनगढ़ रेनवाल प्रवासी मंडल के संयुक्त महासचिव कमल जैन ने किया।

स्मैक तस्करी करने वाला बदमाश पकड़ा

जयपुर। जयपुर कमिश्नरेट की स्पेशल टीम ने करधनी इलाके में कार्रवाई करते हुए स्मैक तस्करी करने वाले बदमाश को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 4 ग्राम 60 मिलीग्राम स्मैक, 930 रु. एवं मोटरसाईकिल बरामद की है। फिलहाल आरोपित से पूछताछ की जा रही है।

पुलिस ने बताया कि स्मैक तस्करी करने वाले आरोपी मुकुल डाबी (23) निवासी बैनाड़ रोड हरमाडा जयपुर को गिरफ्तार किया है। आरोपित यह अवैध मादक पदार्थ स्मैक बेनाड रोड जयपुर निवासी गिर्राज से खरीदकर बेचना स्वीकार किया है। गिरफ्तार आरोपी से मादक पदार्थ स्मैक के सप्लायर एवं खरीददार के नेटवर्क के संबंध में पूछताछ की जा रही है।

ट्रक की चपेट में आने से कैंटर चालक की मौत

जयपुर (कासं)। बगरू इलाके में ट्रक की चपेट में आने से एक कैंटर चालक की मौत हो गई। पुलिस जानकारी में सामने आया है कि अनियंत्रित होकर कैंटर डिवाइडर से टकरा गया। इस दौरान चालक खिड़की से उछलकर सड़क पर गिरा गया। तभी पीछे से आए ट्रक ने उसे कुचल दिया। पुलिस ने पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों को सौंप दिया। पुलिस ने मामला दर्ज कर अज्ञात ट्रक की तलाश शुरू कर दी है।

पुलिस ने बताया कि हादसे में बुलंदशहर उत्तर प्रदेश निवासी पप्पू (36) की मौत हो गई। वह कैंटर में चालक का काम करता था,जो रविवार रात को कैंटर लेकर जयपुर से अजमेर की तरफ जा रहा था। इस दौरान देर रात दहमी पुलिया के पास पहुंचते ही कैंटर अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गया। टक्कर लगते ही पप्पू खिड़की से उछलकर रोड पर आ गिरा। इसी दौरान पीछे से आ रहे ट्रक ने पप्पू को रौंद दिया। हादसे के बाद ट्रक लेकर ड्राइवर फरार हो गया। राहगीरों की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने गंभीर हालत में पप्पू को सवाई मानसिंह अस्पताल पहुंचाया। जहां डॉक्टर ने उसको मृत घोषित कर दिया। मृतक के पिता हरिसिंह ने अज्ञात ट्रक के खिलाफ मामला दर्ज कर चालक की तलाश में जुटी है।

हाईवे पर लूटपाट करने वाले 3 बदमाश दबोचे

- **विश्वकर्मा थाना पुलिस आरोपियों से पूछताछ कर अन्य वारदातों के बारे में जानकारी जुटा रही**

जयपुर। विश्वकर्मा पुलिस ने हाईवे पर लूटपाट करने वाले गिरोह का खुलासा कर गिरोह के तीन लुटेरों को बार्पदा गिरफ्तार किया है। साथ ही लूट में प्रयुक्त एक चौपहिया वाहन सहित लूटा गया मोबाइल, नगदी और अन्य सामान जब्त किए गए है।

पुलिस उपायुक्त जयपुर पश्चिम अमित कुमार ने बताया कि विश्वकर्मा थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए हाईवे पर लूटपाट करने वाले गिरोह के शातिर लूटेरे बाबूलाल जांगिड़,हनुमान सहाय मीणा और दीपक मीणा को गिरफ्तार किया है और तीनों ही आरोपी विश्वकर्मा के रहने वाले है। पुलिस पूछताछ में सामने आया है कि आरोपी हाइवे पर खडे होकर जयपुर के बाहर के वाहन जिनमें चालक अकेला होता है। उसे चिन्हित कर मौका देख उनका पीछा कर अपनी कार उनके आगे लगाकर रूकवाते है और फिर एक्सीडेंट या साईड दबाने का बहाना बनाकर गाडी से नीचे उतारते है। जैसे ही चालक गाडी से नीचे उतरता है तो दो व्यक्ति उसे पकड कर उसका मोबाइल फोन छीन सहित अन्य सामान जैसे रुपये ,एटीएम कार्ड आदि छीन कर फरार हो जाते है। पुलिस पूछताछ में और भी कई वारदातें खुलने की आशंका जताई जा रही है।

परशुराम जयंती पर 1105 लोगों ने किया रक्तदान

जयपुर (कासं)। परशुराम जन्मोत्सव के उपलक्ष्य पर आयोजित रक्तदान शिविर में 1105 लोगों ने रक्तदान किया। रक्तदाताओं को 10 ग्राम चाँदी का सिक्का और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया । आयोजक मनमोहन शर्मा ने कहा कि रक्तदान कर हम सीधे रूप से किसी के जीवन को बचाने में अपना योगदान देते है, इसलिए रक्तदान से बड़ा कोई दान नहीं हो सकता। कार्यक्रम के मुख्य आयोजक मनमोहन, धीरज शर्मा, आशीष भारद्वाज, प्रतीक भारद्वाज और रवि शर्मा ने बताया कि कार्यक्रम में सभी जातियों के प्रबुद्धजनों ने शिरकत की और रक्तदान पर कर सामाजिक एकता का संदेश दिया। मुख्य अतिथि विप्र कल्याण बोर्ड की उपाध्यक्ष मंजू शर्मा, विधायक प्रशांत शर्मा, पूर्व मंत्री महेश जोशी, पंडित सुरेश मिश्रा समेत कई लोग मौजूद थे।

किडनी ट्रांसप्लांट केस में डॉक्टर्स की गिरफ्तारी का विरोध शुरू हुआ

जांच पूरी हुए बिना डॉक्टरों की गिरफ्तारी सही नहीं : डॉ. विजय कपूर

जयपुर। फर्जी एनओसी से किडनी-लीवर ट्रांसप्लांट के मामले में फोर्टिस हॉस्पिटल के दो डॉक्टर की गिरफ्तारी का विरोध शुरू हो गया है। अब डॉक्टर्स और प्राइवेट हॉस्पिटल की यूनियन इसके विरोध में उतर आई है। प्राइवेट हॉस्पिटल्स एंड नर्सिंग होम्स सोसायटी के प्रेसिडेंट डॉ. विजय कपूर ने इस कार्रवाई को गलत बताया है। उन्होंने कहा कि बिना जांच पूरी हुए डॉक्टरों की गिरफ्तारी करना सही नहीं है।

डॉ. कपूर ने कहा कि यूरोलॉजिस्ट डॉ. संदीप गुप्ता और नेफ्रोलॉजिस्ट डॉ. जितेन्द्र गोस्वामी को जांच पूरी हुए बिना ही गिरफ्तार करना गलत है। हम चाहते हैं कि पहले जांच हो और उसके बाद जो दोषी है, उसे सजा मिले। ऐसा न हो कि निर्दोष को भी इस मामले में सजा भुगतनी पड़े।

डॉ. कपूर ने बताया कि किसी भी हॉस्पिटल में अंग प्रत्यारोपण में एक डॉक्टर की भूमिका केवल मरीज की जांच करना है। इसके अलावा मरीज सभी कागजी कार्यवाही पूरी होने के बाद उसका ऑपरेशन करके ऑपरेशन के बाद मरीज की देखभाल करना है। किडनी ट्रांसप्लांट में भी नेफ्रोलॉजिस्ट और यूरोलॉजिस्ट का काम यही होता है। इस प्रकरण में जांच पूरी हुए बिना ही डॉक्टरों पर भारतीय दंड संहिता की अन्य धाराओं के साथ धारा 370 लगाकर गिरफ्तार करना गैर संवैधानिक है और बुनियादी न्यायिक सिद्धांत का उल्लंघन है।

गौरतलब है कि 11 मई को पुलिस ने फोर्टिस हॉस्पिटल के इन दोनों डॉक्टरों को अंग प्रत्यारोपण के मामले में गिरफ्तार किया था।

इन दोनों डॉक्टरों पर धारा 370 के तहत मुकदमा दर्ज है। गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने दोनों डॉक्टरों को कोर्ट में पेश किया है, जहां कोर्ट ने दोनों को 3 दिन के लिए पुलिस रिमांड पर भेजा है।

सार-समाचार

मेधावी छात्राओं को आर्थिक सहायता

जयपुर। पा.ए.फा. चेयरमेन चन्द्र शेखर पाराशर ने होटल अटलांटा अजमेर में 12 मई को हुई ट्रस्टी मंडल की बैठक में तीन मेधावी छात्राओं को 35 हजार रु. रूपये की आर्थिक सहायता राशि के चैक उनके पिता सुभाष पाराशर पुष्कर को भेंट किए।

द पैलेस स्कूल के छात्रों ने रचा कीर्तिमान

जयपुर । द पैलेस स्कूल, सिटी पैलेस जयपुर के विद्यार्थियों ने एआईएसएससीई-2024 में शानदार प्रदर्शन के साथ शैक्षिणक उत्कृष्टता की अपनी विरासत को कायम रखा है। कक्षा 12 की परीक्षा में शामिल हुए 93 छात्रों में से 21 छात्रों ने कुल मिलाकर 90 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त किए। विज्ञान स्ट्रीम में, अमीशी गर्ग ने 94.8 प्रतिशत के प्रभावशाली स्कोर के साथ शीर्ष स्थान प्राप्त किया, 91.8 प्रतिशत के साथ सानिध्य पटोदिया ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया । कॉमर्स स्ट्रीम में, रीत भागचंदानी 95.6 प्रतिशत के शानदार प्रदर्शन के साथ प्रथम स्थान पर रही। 94.8 प्रतिशत प्राप्त कर वृंदा यादव ने द्वितीय और 93.8 प्रतिशत के साथ पार्थ डंगायच ने तीसरा स्थान हासिल किया। मानविकी स्ट्रीम में, मानसी सराफ ने 94 प्रतिशत के शानदार स्कोर के साथ पहला स्थान हासिल किया, चेरीश पारीक ने 93.4 प्रतिशत के साथ द्वितीय और अनुष्का पोद्दार ने 93.2 प्रतिशत के साथ तीसरा स्थान हासिल किया।

ध्रुवी शर्मा ने प्राप्त किये 97 प्रतिशत अंक

जयपुर। भारतीय विद्या भवन विद्याश्रम जयपुर की छात्रा ध्रुवी शर्मा ने केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की 10वीं परीक्षा में 97 प्रतिशत अंक हासिल किए हैं। ध्रुवी शर्मा ने दसवीं की परीक्षा में यह सफलता नियमित अध्ययन से प्राप्त की है । विशेष रूप से यह सफलता इसलिए अधिक महत्वपूर्ण है कि ध्रुवी शर्मा अच्छा शास्त्रीय गायन भी करती है । ध्रुवी ने अपनी सफलता का श्रेय माता डॉक्टर दीपाली, पिता अरविंद शर्मा और विद्यालय के गुरुजनों को दिया है, ध्रुवी शर्मा की प्रेरणा स्त्रोत उसकी बड़ी बहन है, जिसने दसवीं एवं बारहवीं परीक्षा में 99 प्रतिशत अंक हासिल किए थे। ध्रुवी शर्मा का लक्ष्य इसी तरह नियमित अध्ययन करते हुए अधिकतम अंक प्राप्त कर अपने परिवार का नाम रोशन करना है।

श्री श्री रविशंकर का जन्मोत्सव मनाया

जयपुर, (का.सं)। गुरुदेव श्री श्री रविशंकर के जन्मदिन के उपलक्ष्य में श्री श्री रविशंकर आश्रम, प्रताप नगर, जयपुर में आर्ट ऑफ लिविंग राजस्थान परिवार द्वारा विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम श्रंखला के अनुसार सांय 5 बजे से रक्तदान शिविर का आयोजन एसएमएस हॉस्पिटल,जयपुर एवं स्वास्थ्य कल्याण ब्लड सेंटर,टोंक रोड के द्वारा किया गया जिसमे 100 से ज्यादा लोगों ने रक्तदान किया। साथ ही आई बैंक सोसायटी ऑफ राजस्थान द्वारा 20 नेत्रदान रजिस्ट्रेशन हुए। साथ ही 6 बजे से सभी के बेहतर स्वास्थ्य हेतु आयुष होमा का अयोजन स्वामी सहजानंद जी के सान्निध्य में किया गया। तत्पश्चात् सांय 7 बजे से आर्ट ऑफ लिविंग के प्रसिद्ध सत्संग संध्या में 1500 लोगों ने भजनों का आनंद उठाया और उसके बाद भोजन प्रसादी के साथ कार्यक्रम का समापन किया गया।

गलताजी में हुआ भव्य सन्त भंडारा

जयपुर । उत्तर भारत की प्रमुख श्री वैष्णव पीठ उत्तर तोदाद्रि श्री गलताजी में स्वामी अवधेशाचार्य महाराज के सान्निध्य में भव्य सन्त भण्डारे का आयोजन किया गया। युवाचार्य स्वामी राघवेन्द्र ने बताया कि गलता पीठ में स्वामी अवधेशाचार्य महाराज के सान्निध्य में श्री गलता गादी के संस्थापक आचार्य कृष्णदास पयोहारी महाराज एवं सन्त रणछोड़दास को समर्पित कर भव्य सन्त भंडारे का आयोजन किया गया। इस अवसर पर जयकारों के साथ सैकड़ों संतों ने प्रसादी ग्रहण की। राजकोट के रणछोड़दास बापू आश्रम के सहयोग से भण्डारे का आयोजन सम्पन्न हुआ।

मोदी सरकार की योजनाओं को तथ्यों सहित मीडिया डिबेट में शामिल करें : गोठवाल

- **भाजपा प्रदेश महामंत्री और खण्डार विधानसभा से विधायक जितेंद्र गोठवाल ने भाजपा प्रदेश प्रवक्ता और पैनेलिस्टों की बैठक ली**

जयपुर । भाजपा प्रदेश महामंत्री और खण्डार विधानसभा से विधायक जितेंद्र गोठवाल ने आज भाजपा कार्यालय में प्रदेश प्रवक्ता, पैनेलिस्ट और मीडिया टीम के सदस्यों की बैठक ली। इस दौरान भाजपा प्रवक्ता और पैनेलिस्ट से विभिन्न विषयों पर चर्चा करने के साथ सुझाव भी मांगे गए। वहीं भाजपा मीडिया टीम द्वारा लोकसभा चुनावों में किए गए कार्यों की प्रशंसा की और आगामी रणनीति को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

गोठवाल ने बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि भाजपा के सभी प्रवक्ता और पैनेलिस्टों को समसामयिक घटनाओं के साथ विषयों की समझ होनी चाहिए। केंद्र की मोदी सरकार ने पिछले 10 सालों में ''सबका साथ, सबका विकास'' नीति पर कार्य किए हैं। ऐसे में सभी प्रवक्ताओं और पैनेलिस्टों को मोदी सरकार की योजनाओं को तथ्यों के साथ डिबेट में शामिल किया जाना चाहिए। गोठवाल ने कहा कि प्रदेश में कांग्रेस द्वारा सरकार की योजनाओं पर झूठ फैलाकर जनता को गुमराह किया जा रहा है, ऐसे में प्रवक्ता और पैनेलिस्टों द्वारा विषय पर स्थिति को साफ करते हुए विपक्ष की कुनीति को जनता के सामने लाने का काम करना चाहिए। प्रदेश में भाजपा सरकार द्वारा आम जन के पक्ष में लगातार एक के बाद एक ऐतिहासिक फैसले किए जा रहे है, जबकि कांग्रेसी नेताओं द्वारा जनता को भ्रमित किया जा रहा है। ऐसे में भाजपा के सभी पदाधिकारियों के साथ प्रदेश प्रवक्ता और पैनेलिस्ट भाजपा सरकार की उपलब्धियों को जन जन तक पहुंचाने का कार्य करें। बैठक में प्रदेश मीडिया संयोजक प्रमोद वशिष्ठ, सह संयोजक मेहराज सिंह चौधरी, भाजपा मीडिया कार्यालय प्रभारी चंपालाल रामावत, प्रवक्ता प्रताव राव कोशिक, विकास सोमानी, पैनेलिस्ट श्याम सुंदर झा, अटल खंडेलवाल, नमित जैन, मदन प्रजापत, विकास बारहठ, सुमित श्रीमाल, नम्रता सिंह मौजूद थे।

दादी की हत्या कर गहने-नकदी लूटकर फरार हुआ पोता और उसका दोस्त

लूटपाट का विरोध करने पर आरोपियों ने लोहे की रॉड से वृद्धा के सिर में हमला कर उसकी हत्या कर दी

- **झोटवाड़ा पुलिस ने हत्या के आरोपी नाबालिग पोते और उसके दोस्त को पकड़कर पूछताछ शुरू की**

जयपुर। झोटवाड़ा इलाके में लोहे की रॉड से एक बुजुर्ग महिला की हत्या का मामला सामने आया है। दोस्त के साथ लूट की वारदात करने उसका पोता घर में घुसा था। विरोध करने पर लोहे की रॉड से दादी की हत्या कर गहने-नकदी लूटकर फरार हो गया। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कांवटिया अस्पताल में पोस्टमार्टम करवाकर परिजनों को सौंप दिया। वहीं पुलिस ने हत्या के मामले में नाबालिग पोते और उसके दोस्त को पकड़ कर पूछताछ करने में जुटी है।

पुलिस ने बताया कि गोकुलपुरा निवासी सुरेश कुमावत (36) ने मामला दर्ज करवाया है कि शिल्प कॉलोनी झोटवाड़ा में रहने वाली उसकी दादी नानगी देवी (70) की हत्या की गई है, जो अपने तीन बेटों के परिवार के साथ रहती थी। दस मई को दोपहर दादी नानगी देवी घर में अकेली थी। इस दौरान लूट की नीयत से बदमाश घर में घुस कर लोहे की रॉड से कमरों में रखे बक्सों के लॉक तोड़ दिए। बक्सों में रखे सोने-चांदी के गहने और नकदी लूट कर जाने लगे तो दादी नानगी देवी के विरोध करने पर उनके सिर पर लोहे की रॉड से वार कर मार डाला। वहीं कुछ देर बाद चाचा अवतार किशन घर पहुंचे तो अंदर फर्श पर दादी नानगी की लाश पड़ी हुई थी। उनके मुंह पर खून के निशान थे। बक्सों के लॉक टूटे होने के साथ उसमें रखे गहने-कैश गायब थे। दादी की लाश के पास लोहे की रॉड और पत्ती पड़ी हुई थी। हत्या की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और पोस्टमॉर्टम के लिए शव को कांवटिया अस्पताल की मोर्चरी में भिजवाया।

पुलिस प्रथमदृष्टया जांच में सामने आया है कि लूट का विरोध करने पर बुजुर्ग महिला नानगी की हत्या की गई है और घर के बरामदे में नानगी का टूटा हुआ चश्मा चूड़ियां पड़ी मिली। परिवारिक सदस्यों से पूछताछ करने पर नाबालिग पोते पर शक गया। परिजनों का कहना था कि गत फरवरी महीने में नाबालिग पोते ने घर से 2.50 लाख रुपये चुरा थे। पुलिस टीम ने फरार नाबालिग पोते को ढूंढकर पूछताछ की। पूछताछ में नाबालिग ने अपने दोस्त शहजात के साथ जुर्म करना कबूल किया है। इस पर पुलिस ने आरोपित दोस्त शहजात (21) निवासी अग्रवालों का मोहल्ला झोटवाड़ा को गिरफ्तार किया है और साथ ही नाबालिग पोते निरूद्ध किया है।

Water Saving Week

Recognizing that 'water' is one of the most precious natural resources on Earth, *Water Saving Week* invites the citizens of the planet to be more conscientious in the ways that we live and make use of water. Started in the United Kingdom in 2015, Water Saving Week is an initiative of *Waterwise,* with the purpose of reducing waste and working towards a sustainable future. The event encourages individuals and families to value each drop of water they use because every drip and droplet counts towards the preservation of the environment and the health of the planet.

#LIFESTYLE

Simple Expert-approved Habits for Diabetics

Incorporate a variety of nutrient-rich foods into your meals, including lean proteins, whole grains, healthy fats, and plenty of vegetables

Following certain lifestyle and diet habits are essential to managing diabetes. But what if we told you that doing just two simple things daily can make a huge difference? If you are wondering what they are, keep reading.

Regular Physical Activity

Engaging in *regular physical activity* has numerous benefits for diabetics. Exercise helps to improve insulin sensitivity, which means your body can utilise insulin, more effectively. It also aids in weight management, reduces the risk of heart disease, and boosts overall well-being.

Aim for at least 30-45 minutes of moderate-intensity exercise, at least 5 days of week. 7 days is always better. This could include brisk walking, cycling, swimming, or even dancing.

Consider incorporating the following activities into your routine.

- *Aerobic exercises*: Aim for at least 150 minutes of moderate-intensity aerobic exercise per week, spread over several days.
- *Strength training*: Do resistance exercises two to three times per week. This can include lifting weights, using resistance bands, or performing bodyweight exercises like push-ups and squats. Strength training helps improve muscle strength, metabolism, and overall blood sugar control.
- *Flexibility and balance exercises*: Practices like Yoga, Pilates, or Tai Chi can help enhance flexibility, balance, and core strength, reducing the risk of falls and promoting overall mobility.

Always consult with your healthcare provider before starting any exercise regimen, especially if you have existing health conditions or complications related to diabetes.

Mindful & Healthy Eating

Eating a balanced diet is essential for managing diabetes. Experts stress that one should focus on incorporating plenty of fruits, vegetables, whole grains, and lean proteins into their meals. Limit foods high in refined carbohydrates, added sugars, and unhealthy fats. Instead, choose nutrient-dense foods that provide sustained energy and help control blood sugar levels.

Consider working with a *registered dietitian* to create a personalised 'meal plan,' tailored to your dietary needs and preferences. Also, try to eat regular, evenly spaced meals and snacks throughout the day to keep blood sugar levels stable. Avoid excess eating when the food is tasty and palatable.

Adopting *mindful eating* habits can greatly benefit individuals with diabetes by promoting healthy eating patterns and better blood sugar control.

Here are some tips to help you develop mindful eating habits.

- **Portion control:** Be mindful of portion sizes and avoid overeating. Use measuring cups or a food scale to accurately portion your meals.
- **Read food labels:** Pay attention to food labels and choose products low in added sugars, saturated fats, and sodium.
- **Balanced meals:** Incorporate a variety of nutrient-rich foods into your meals, including lean proteins, whole grains, healthy fats, and plenty of vegetables. Aim to create balanced meals that include a combination of carbohydrates, proteins, and healthy fats.
- **Slow down and enjoy:** Take your time to savor each bite, paying attention to the flavours and textures of your food. Eating more slowly can help you recognize when you are full and prevent overeating.

Remember, maintaining a healthy lifestyle and managing diabetes require individualised strategies. Consult with a healthcare professional or registered dietitian for personalised advice, tailored to your specific needs.

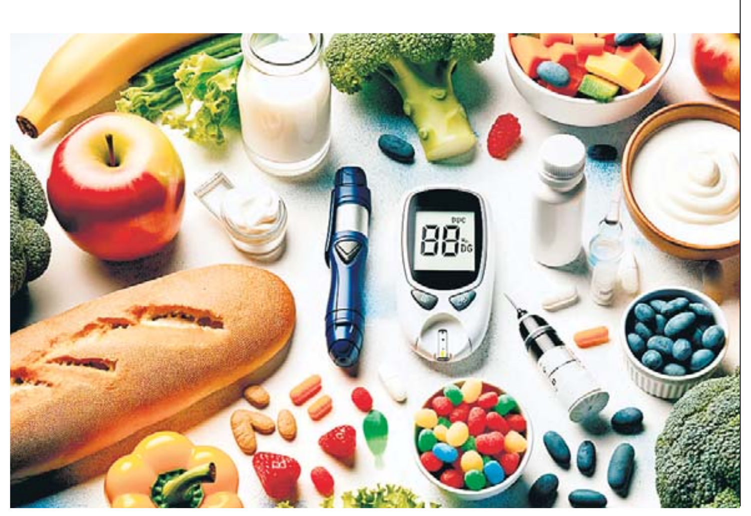

Potboiler in the Cold

After the Galwan incident, a *Strike Corps*, under Lieutenant General Savneet Singh was tasked to execute a crucial operation, termed *Operation Snow Leopard*, on the Kailash Heights. The Indian troops had the advantage of early movement and initiative. When the Indian troops occupied the Kailash Ranges on 29th-30th August 2020, they found themselves staring in their direct line of sight, the *Moldo Garrison* in the plains below them, on the Chinese side. The capture of *Chushul Heights* on the Kailash Range, with tanks deployed at Rezang La and Rechin La, had tilted the balance in India's favour. The Chinese had been shaken and outwitted as India gained a crucial advantage of dominating the heights.

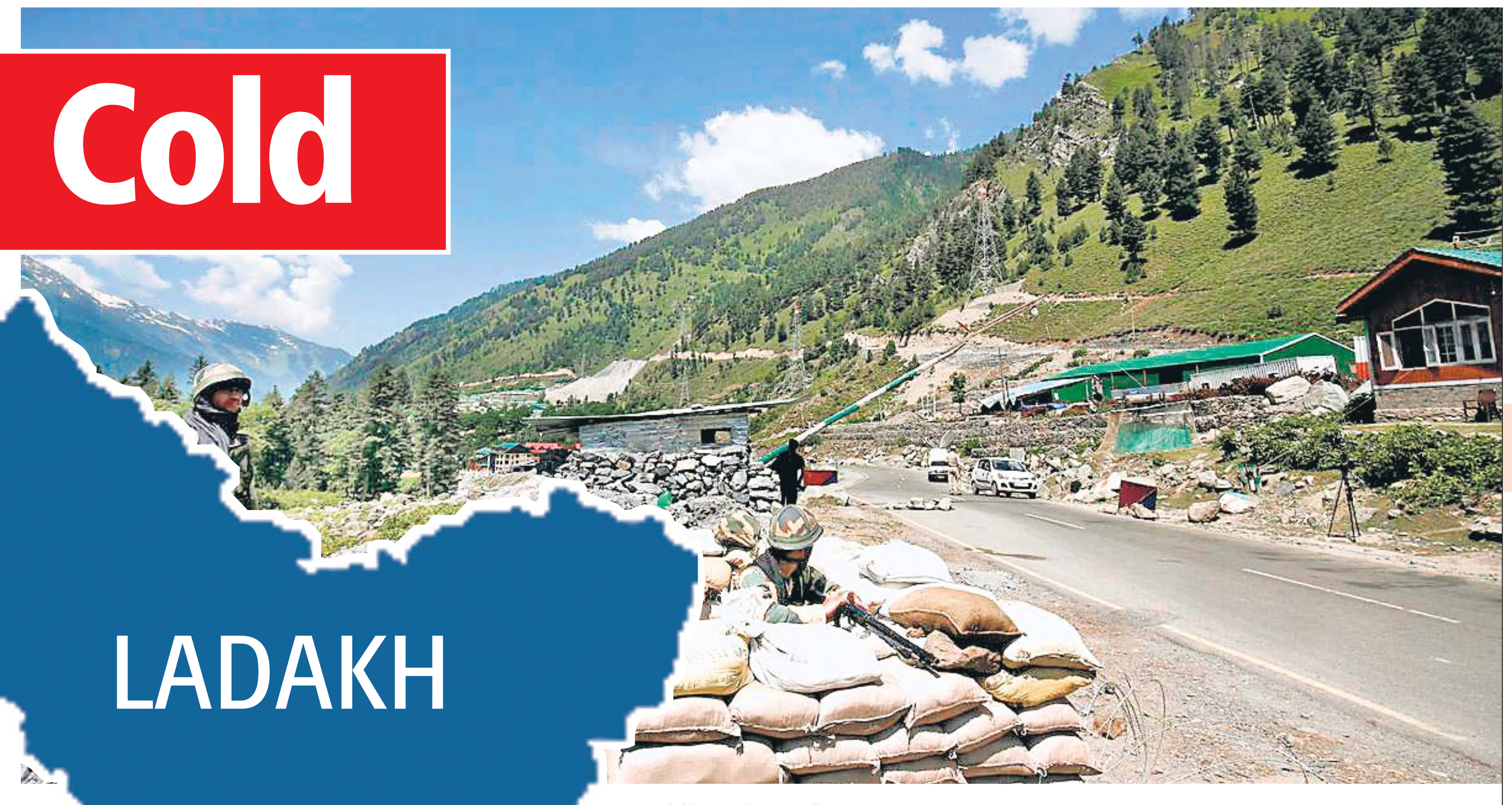

Ladakh's Galwan Valley.

■ Probal Das Gupta

Among the various legacies of the Himalayan stand-off from April 2020, the catapulting of *Ladakh* from a historical dispute to a contemporary flashpoint in *India-China rivalry* is a significant one, relegating most other issues in comparison. The geographical position of Ladakh, squeezed between a stroppy Pakistan to the West and a belligerent China on the East, opened up recent deliberations on collusion between India's adversaries and the likelihood of a two-front war, given that India had fought wars past against Pakistan in Ladakh. This was especially so after the PLA tore up the protocol rulebook to initiate a clash with Indian troops in Galwan in June 2020. China's ploy may have been to test India's discomfiture about a potential war on two fronts, and extract concessions. The objective of this piece is to examine the current focus on 'Ladakh' and the 'Chinese intent' alongside it.

Collusion and Collision Course

An active collusion between China and Pakistan, and a resultant two-pronged threat isn't a recent occurrence. The two signed a treaty in 1963, in which the Shaksgam Valley was ceded by Pakistan to China. Thereafter, they birthed a plan to stretch Indian operational deployment on two fronts in the 1965 war. While much attention was focused on the India-Pakistan war on the Western front, China mounted pressure by its aggressive posturing on the Sikkim-Tibet border. It is interesting to note that after 1965, India fought *two wars* and a battle at *Siachen* with Pakistan, and on each occasion, Chinese interference didn't materialise. In 2020, through its aggressive actions in Eastern Ladakh, China claimed to create a 'Wall of Steel' defence of its territory. China perceived a potential threat to its CPEC corridor, that courses through parts of Jammu and Kashmir and Ladakh, which are under the illegal occupation of Pakistan.

Ladakh is a subject, that China has had in its sight, for almost ten years. Ever since Xi Jinping came to power in 2013, China and Pakistan began doing regular joint combat exercises called '*Shaheen*' in Northern Ladakh, gaming various scenarios in the region. China has invested in helipads, airfields, connectivity, human settlements that facilitate mobility and rapider execution of operational plans in Ladakh. In short, Ladakh's pivotal location grabbed the Chinese mindspace.

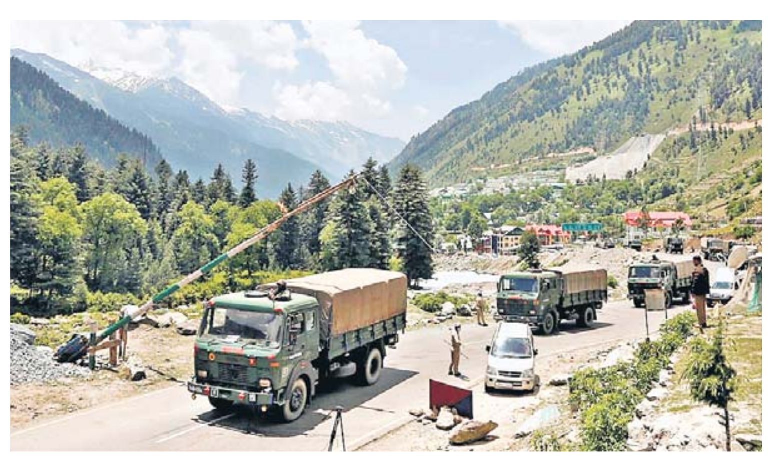

#INDIA AND CHINA AT LADAKH

Why Ladakh

The premise of Xi's approach towards India is based upon two factors. One, the increasing role of 'India in QUAD' and its rise as an economic, military and political power in the region tests China's regional ambitions. Besides, the projection of the Indian peninsula 2,000 kilometres into the Indian Ocean sets up India as a contender to China's maritime interests. Alongside, India's external balancing through association with QUAD adds heft to a Western constellation, that Xi believes, will threaten Chinese maritime domination and the Taiwan reunification agenda.

Two, China wanted to unilaterally solve the most complex border dispute, in Eastern Ladakh. They wanted to creep closer to the claim line, proposed by Zhou Enlai in 1959. Their aim has been to create buffer zones at the LAC, with an intent to push the line closer in India, which is close to the claim line of 1959. On the other hand, Chinese collaboration with Pakistan on the CPEC corridor resulted in developing a strategy of deterrence and dissuasion against both countries in Ladakh. It is unlikely that Eastern Ladakh is going to witness a drawdown of posturing in the near future as China is expected to maintain its force levels and aim to pressurise India in a region, where the latter faces a two-pronged threat. Despite multiple rounds of discussions between Indian and Chinese diplomatic and army delegations on troop disengagement, de-escalation and de-induction, high levels of mistrust and competitive claims will deter lowering of force levels on either side.

Old Issues Continued To Fester

In 1950s, India intelligence was caught napping by plans of Chinese roadwork in *Aksai Chin*. In a rerun of history in May, 2020, India was surprised by PLA's troop deployment in the North and East of Gogra and Hot Springs. Not much had changed in our strategic evaluation of Chinese intent. The PLA amassed numbers and forced India to deploy hurriedly, not before engaging in a violent skirmish on June 15, 2020. After the skirmish at Galwan, India responded by occupying the Kailash Heights, at the expense of China, in a Quid Pro Quo action that was the clearest demonstration of India's capability on ground. Along with inadequate intelligence on Chinese intent, there was also the issue of lack of leadership autonomy on ground. Like in the lead-up to the 1962 conflict, when on-ground Commanders were railroaded by senior Commanders, *Galwan 2020* witnessed a repeat. At Galwan, local Indian Army Commanders, including Colonel Santosh Babu, were negotiating with their Chinese counterparts about withdrawing the latter's tents. Manoj Joshi wrote in his book, '*Understanding the India-China Border: The Enduring Threat of War in the Himalayas*,' that there was intense pressure on Babu from his senior Commanders to hasten the eviction of the Chinese, without taking into account the interaction between the two sides on ground and the Chinese intent. The fact that the situation went out of hand led to no one owning the unintended disaster of the decision. In this context, it is pertinent to mention that in 1967, Major (later Lieutenant General) Sagat Singh, the Commander on ground, anticipated Chinese intent correctly and ignored remote directives that were devoid of understanding of the local situation. Ultimately, it was Sagat's autonomous thinking, planning and positioning of artillery, a day before the skirmish, that helped prevail over the Chinese. Learnings from past instances provide valuable insight, which needs to be taken into account.

India's Soldiers Outwit a Shocked and Awed China

After the Galwan incident, *a Strike Corps,* under Lieutenant General Savneet Singh, was tasked to execute a crucial operation, termed *Operation Snow Leopard*, on the *Kailash Heights*. The Indian troops had the advantage of early movement and initiative. When the Indian troops occupied the Kailash Ranges on 29th-30th August 2020, they found themselves staring in their direct line of sight, the *Moldo Garrison* in the plains below them, on the Chinese side. The capture of Chushul Heights on the Kailash Range, with tanks deployed at Rezang La and Rechin La, had tilted the balance in India's favour. The Chinese had been shaken and outwitted as India gained a crucial advantage of dominating the heights. Upon occupying the dominating heights on the Kailash Range, India insisted on resolving other points of dispute. However, Beijing was non committal on disengagement in the Depsang Plains and North of Pangong Tso, referring to its own claimed territory up to the 1959 Claim Line. The subsequent disengagement on the Kailash Range, where Indian army held a tactical advantage over the Chinese, without wresting adequate concessions from China, has not been convincingly addressed. The advantage gained on ground was not leveraged at the negotiating table.

Maj. General Savneet Singh.

General Sagat Singh.

Strengthening Capability and Capacity

On the aspect of combat readiness, India has enhanced its capability and capacity in Ladakh in the last three years. Local Brigade Commanders, in sensitive areas in Eastern Ladakh, have been given the mandate to maintain a supreme level of all-weather operational preparedness, thus ensuring that the troops are poised to undertake operations in difficult conditions. According to a report, the IAF had airlifted close to hundred tanks, 300 BMP infantry combat vehicles, artillery guns using C-17 Globemaster-III,130J Super Hercules and other aircraft. In Nyoma, the landing ground, created on a high altitude, is less than 50 kms from the LAC. Nyoma has the capacity to handle Sukhoi-30 MKIs and MiG-29s. On the administrative side, the government plans to increase tourist footfall in far-flung areas to stabilise perceptions. There is a plan to promote nine *new tourist routes* in Ladakh, out of which five are motorable. The transformation of Ladakh is underway.

Will a Crowded Ladakh Remain a Focal Flashpoint?

The region has witnessed such unprecedented heavy deployments on both sides that the element of surprise, a classic feature in India-China skirmishes and stand-offs, could be shifted to other points along the contentious LAC between the two neighbours. The response of Indian troops at Yangtse caught the PLA by surprise. India's pushback to Chinese plans of occupying the Yangtse ridge will count as Beijing's failure to enforce an issue. There would be the occasional move by China to shift the focus from Ladakh.

China is likely to initiate planned incursions, along several points on the border, which impedes a busy India from participating in issues crucial to China, such as its hegemony over the South China Sea, ascendance in Asia or its bid for reunification with Taiwan. For China, Ladakh will remain a posturing point, where it is content to dig in its heels alongside India in the Himalayas, as long as it can extract soft commitments from India on its primary objectives in the region. To counter Chinese belligerence, a consideration for India would be to wrest the initiative and open upon alternate standoff point on the India-China border and not to be dragged down into a mudpit of the adversary's choosing.

rajeshsharma1049@gmail.com

#QUICK-TIPS

How to make the most of Apple Notes

The iPhone's default note-taking app continues to get better

Apple Notes is one of those apps you can turn to on a daily basis, without ever really making full use of all the different features and functions that it's got to offer. That's where this particular guide comes in. The idea is to point you to some of the lesser known, but very useful tricks, that Apple Notes can do.

We're going to focus on the mobile app, but you'll find most of these tips apply to the desktop version of Apple Notes on macOS, as well.

Link notes together

Maybe you've got two notes that are separate but also related, one note for planning a trip, for example, and another listing various sights that you want to see. Apple Notes lets you link them both together.

Open one of the notes. At the point you want to insert the link,

- Long-press on the insertion point. In the pop-up menu, select **Add Link.** (You may need to tap on the > to see more options.)
- Begin typing the title of the note you want to link to and select it when it appears.
- Turn off **Use Note Title as Name,** if you want to enter a different title for the link.
- Tap **Done,** and you'll see your note inserted.

Another way to insert a link is to type >> where you want to place the link. In that case, you'll simply get a pop-up menu, listing the available notes.

Now, you can tap on the note link to quickly jump to it. To delete it, tap and hold on the link, then choose **Remove Link.**

Embed PDFs inside notes

Notes can contain PDFs, which can be read and annotated, if needed.

To add a PDF from another app (like Mail) to a note,

- Tap on the thumbnail of the PDF in your email or other app.
- Choose **Share** (usually in the upper-right corner) >**Notes**.
- Select which note you want to embed the PDF in by tapping on the field below **Save To**. You can also start a new note by selecting **Create New Note** at the bottom.
- Tap **Save**.

When you've got a PDF inside a note,

- Tap on the down arrow next to the PDF name.

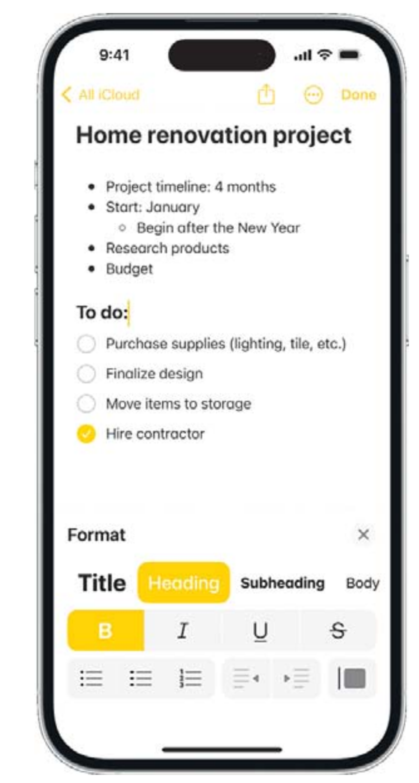

- Choose **Quick Look** to see the PDF in full-screen mode. (You can use pinch and zoom to move around it.)
- Tap **View As** to change the size of the embed in your note.
- Pick **Share** or **Copy** to send the PDF somewhere else.
- Tap **Delete** to remove the PDF from the note.

You can scribble on top of PDFs with the pen tool to annotate them and select and highlight text inside a PDF, in the same way as normal note text.

Show lines or grids

You can bring some order to the chaos of your scribbled (but not typed) notes by dropping lines or a grid on top of everything.

- With a note open, tap the three dots (top right).
- Pick **Lines & Grids** and choose a style.
- To set the default style for new notes, choose **Notes** and then **Lines & Grids** from the iOS Settings panel.

Change the heading

By default, new notes will start with a title in a larger font at the top, but that layout might not be something you want to use. To change the way that new notes are formatted,

- Open the main iOS Settings panel.
- Tap **Notes>New Notes Start With:**
- You can now pick from **Title, Heading, Subheading,** and **Body**.

Create notes quickly

If you need to jot down something as fast as possible, you can quickly create new notes from the Control Center.

- From Settings on iOS, tap **Control Center.**
- Make sure the **Quick Note** option is added to the active controls.
- The Quick Note shortcut is now available when you swipe down from the top-right corner of the screen. (Its icon looks like a scribble inside a box.)

Lock notes away

Your iPhone's lock screen should keep notes well-protected from prying eyes, but you can add some extra security for notes, that are particularly sensitive. (Note that some notes, for example, those with video, audio, tags, PDF, or file attachments, can't be locked.)

Inside a note, tap the three dots (top right), then **Lock**. By default, locked notes can be viewed using the same passcode or biometric authentication that you use to get into your iPhone. If you'd rather set a different password for Notes, tap **Create Password** when the **Lock Notes** screen comes on.

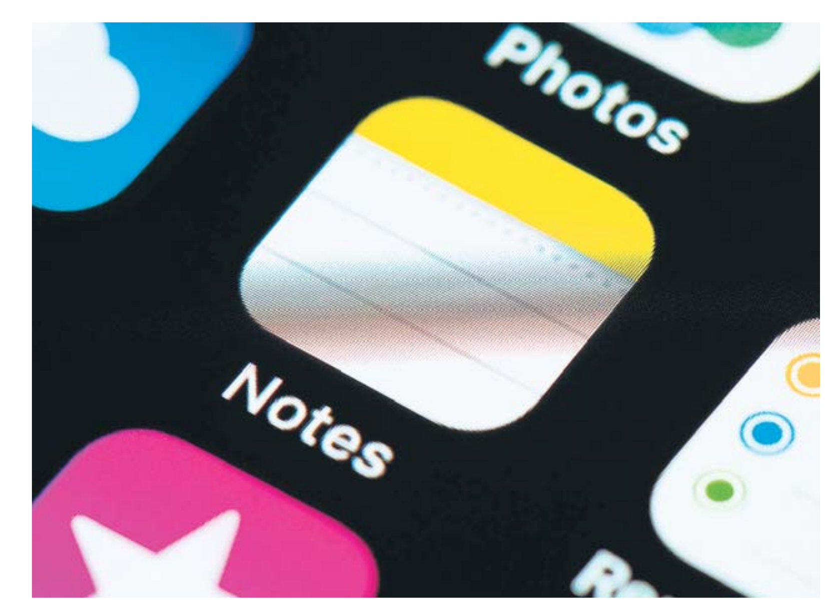

THE WALL

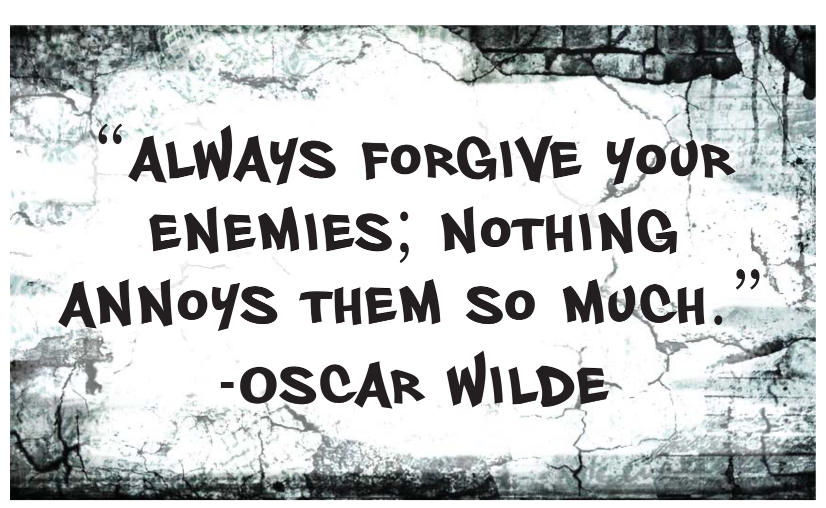

BABY BLUES

By Rick Kirkman & Jerry Scott

ZITS

By Jerry Scott & Jim Borgman

महिला थाना में महिलाओं को समय पर नहीं मिल रहा न्याय

प्राथमिकी दर्ज होने के तीन माह बाद भी दहेज प्रताड़ना के मामले में नहीं हुई गिरफ्तारी

- पीड़िता ने एसपी व कलेक्टर से न्याय की गुहार लगाई
- थाना प्रभारी पर कार्यवाही में शिथिलता बरतने का आरोप लगाया

कोटपूतली, (निसं)। भले ही राजस्थान सरकार ने महिलाओं पर लगातार बढ़ रहे अत्याचार के मामलों को मध्य नजर रखते हुए पीड़ित महिलाओं को त्वरित न्याय दिलाने के उद्देश्य से प्रदेश में महिला थानों का गठन किया हो किन्तु यहां थानों में तैनात पुलिस विभाग के अधिकारी सरकार के इन सपनों को पलिता लगा रहे हैं। ऐसा ही एक मामला यहां के कोटपूतली महिला थाने का सामने आया है।

इसमें निकवर्ती पाटन थाना क्षेत्र के ग्राम हसामपुर निवासी विवाहिता प्रवीणा बानो पुत्री जमालुद्दीन ने बताया कि उसका निकाह 19 जून 2018 को पावटा निवासी सलीम खां पुत्र इमामुदीन खां व उसकी छोटी बहन काजल बानो का निकाह उसके देवर सकील खां के साथ हुआ था। निकाह में उसके पिता ने अपनी हसियत से बढ़कर करीब 10 लाख रूपये खर्च किये थे। जिसके बावजूद भी दहेज लोभी पति, ससुर, देवर, देवरानी सहित अन्य ने उसके साथ मारपीट की और डेढ़ लाख रूपये एक बाइक की मांग करते हुए उसे घर से निकाल दिया। जिसको लेकर प्रार्थिया 5 दिसम्बर 2023 को महिला थाने पहुंची तो पुलिस ने उसे करीब दो माह तक दोनों पार्टियों को बिठाकर समझौता कराने का हवाला देकर करीब ढाई महिने तक पीड़िता को थाने के चक्कर लगवाती रही आखिर 27 फरवरी 2024 को पुलिस ने पीड़िता प्रवीणा बानो के पति सलिम खां व अन्य के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया। किन्तु रिपोर्ट दर्ज होने के करीब तीन माह बाद भी जब पुलिस द्वारा कोई ठोस कार्यवाही नहीं कि गई तो पीड़िता ने विगत 9 अप्रेल 2024 को जिला पुलिस अधिक्षक वंदिता राणा से कार्यवाही की गुहार लगाई जिस पर पुलिस अधिक्षक ने थाना प्रभारी को तुरन्त प्रभाव से कार्यवाही के निर्देश दिए थे। लेकिन थाना प्रभारी ने मामले में कोई ठोस कार्यवाही नहीं की तो पीड़िता ने सोमवार को पुनः पुलिस अधिक्षक व जिला कलेक्टर के यहां ज्ञापन सौंप कर थाना प्रभारी द्वारा मामले में सिथिलता बरतने का आरोप लगाते हुए ज्ञापन सौंप कर शीघ्र न्याय दिलाने की मांग की है।

नहर के पास सेना के बंकर में युवक का शव मिला

रावला मंडी/अनूपगढ़, (निसं)। पांच पीएसडी के पास अनूपगढ़ शाखा नहर के किनारे बने सेना के बंकर (मोर्चा) में 17 वर्षीय युवक आशीष का शव मिला है। इस मामले में युवक के परिजनों ने हत्या का आरोप लगाते हुए मामला दर्ज करवाया है। पुलिस अधीक्षक रमेश मौर्य ने अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सुरेंद्र कुमार के साथ मौके पर पहुंच कर घटनास्थल का जायजा लिया। थाना अधिकारी बलवंत राम ने उन्हें घटना की जानकारी दी। वहीं रावला सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में मेडिकल बोर्ड की ओर से शव का पोस्टमार्टम करवा कर परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया। पुलिस को मौके पर शव को घसीट कर बंकर में डाले जाने के निशान मिले हैं।

इस संबंध में मृतक आशीष बिश्नोई की बुआ के लड़के पंकज कुमार पुत्र रामस्वरूप बिश्नोई निवासी देशली ने पुलिस को बताया कि उसके मामा का लड़का आशीष कुमार पुत्र मुकेश कुमार उम्र करीब 17 साल मूल रूप से सूरतगढ़ का निवासी है। वह दो दिनों से उसके पास देशली आया हुआ था। आशीष घर से मोटरसाइकिल लेकर अपने पुश्तैनी घर तीन केएचएम जाने का कहकर निकला था। शाम तक आशीष घर नहीं पहुंचा तथा फोन भी बंद था। देर शाम उन्हें सूचना मिली कि आशीष का शव पांच एचडी के पास नहर के किनारे सेना के बने बंकर में पड़ा है। किसी अज्ञात व्यक्ति ने उसकी हत्या कर दी है। शनिवार देर शाम से ही पुलिस के उच्च अधिकारी घटनास्थल एवं रावला थाना पर कैंप किए हुए हैं।

पुलिस उप अधीक्षक अमरजीत चावला ने बताया कि देर शाम ग्रामीणों की सूचना पर नहर किनारे सेना के बंकर में युवक का शव मिला था। मौके पर शव को घसीटकर बंकर में डालने के भी निशान मिले हैं। गले पर धारदार हथियार के निशान भी हैं।

पुलिस ने मौके पर मिली बाइक के नंबर से मृतक की शिनाख्त की है। युवक आशीष पुत्र मुकेश कुमार सूरतगढ़ में माता-पिता के साथ रहता था। 11 वीं कक्षा का छात्र आशीष तीन बहनों का इकलौता भाई बताया जा रहा है। शनिवार को तीन केएचएम से लौटकर आशीष देशली जाने से पहले दोपहर रावला मंडी पहुंचा। बाजार में उसके फूफा की दुकान है। वहां वह दुकान पर कुछ देर रुका और किसी से बात करने के बाद बाइक से रवाना हो गया।

मारपीट मामले में न्याय नहीं मिला तो एसपी के पास पहुंचा पीड़ित

अपने परिवार के साथ रिक्शे से 27 किलोमीटर की दूरी तय कर एसपी दफ्तर पहुंचा पीड़ित युवक

- डीजे को बंद करने की बात को लेकर दूसरे पक्ष के लोगों ने युवक के साथ उसकी मां, भाई और पिता से मारपीट कर दी थी

धौलपुर, (निसं)। मारपीट के मामले में कोई कार्रवाई नहीं होने से प्रताड़ित एक युवक अपनी मां, पत्नी और पिता को रिक्शे पर बिठाकर धौलपुर एसपी ऑफिस न्याय की गुहार लगाने पहुंचा।

क्योंकि युवक जब कौलारी थाने में पहुंचा तो उसे एसपी ऑफिस जाने के लिए कह दिया। किराए के पैसे नहीं होने पर वह रिक्शे पर पहुंचा था। एसपी ऑफिस पहुंचे युवक टीटू ने बताया कि 23 अप्रैल को उसके परिवार में एक बारात आई थी। जिसमें देर रात बज रहे डीजे को बंद करने के लिए युवक के पिता जगदीश पुत्र बत्ती लाल ने दूसरे पक्ष को बोल दिया। इस बात को लेकर दूसरे पक्ष के लोगों ने युवक के साथ उसकी मां, भाई और पिता से मारपीट कर दी। मारपीट में युवक की मां गंभीर घायल हो गई।

एसपी ऑफिस पहुंचे युवक ने बताया कि थाने में मुकदमा दर्ज होने के बाद भी उसकी रिपोर्ट पर कोई भी कार्रवाई नहीं हुई। जिसके बाद युवक कोलारी थाने में पहुंचा। जहां थाना प्रभारी ने उसे एसपी ऑफिस जाने के लिए कह दिया। थाना प्रभारी के आदेश के बाद युवक अपनी मां, पत्नी, बेटे और पिता को गांव भदियाना से रिक्शा से करीब 27 किलोमीटर की दूरी तय कर एसपी ऑफिस धौलपुर पहुंच गया। जहां उसने एसपी से न्याय की गुहार लगाई।

युवक के एसपी ऑफिस पहुंचने पर कौलारी थाना प्रभारी भंवर सिंह ने बताया कि मारपीट की घटना को लेकर तत्कालीन समय में ही मुकदमा दर्ज कर लिया गया था। जिसके लिए कार्रवाई की प्रक्रिया अभी तक जारी है। उन्होंने बताया कि एसपी ऑफिस में पीड़ित ने शिकायत दी थी। उस शिकायत का निस्तारण करने पीड़ित को एसपी ऑफिस बुलाया गया था।

घटना को लेकर परिवाद शाखा के प्रभारी किशन सिंह ने बताया कि पीड़ित ने थाने में मुकदमा दर्ज होने के बाद भी एक शिकायत दी थी। मुकदमा दर्ज होने जाने के बाद दी गई शिकायत का निस्तारण करने के लिए कौलारी थाना प्रभारी को सूचना दी गई थी। उन्होंने बताया कि पीड़ित के थाने के बाद उनके द्वारा दी गई शिकायत का निस्तारण कर दिया गया है।

जमीन धंसने की घटना पर आई प्रारम्भिक रिपोर्ट

बीकानेर, (निसं)। भूमिगत जल का अंधाधुंध दोहन करने से भूमि की कोख तो सूख ही रही है। भविष्य में इसके भयावह परिणाम भूगर्भीय घटनाओं के रूप में भी देखने को मिल सकते हैं। सहजरासर गांव की रोही में 27 दिन पहले 15 अप्रेल को अचानक जमीन धंसने से बने 110 फीट गहरे और 200 फीट व्यास का गड्ढा बन गया था। भारतीय भू-वैज्ञानिक सर्वेक्षण (जीएसआई) ने मौका देखकर जमीन धंसने का कारण अत्यधिक जल दोहन और कम बारिश से ग्राउंड वाटर रिचार्ज नहीं होना बताया है। इससे जमीन खोखली हो गई और मिट्टी नीचे चली गई। विस्तृत रिपोर्ट जारी की जानी शेष है। घटना के बाद पंजाब-हरियाणा और दिल्ली तक से लोग यहां आ रहे हैं। सहजरासर सरपंच आशादेवी ने बताया कि पंचायत की मदद से पास के खेत से कच्चा रास्ता बनाया है। बजट मिलने पर गड्ढे का भरवाकर दोबारा सड़क बनवाई जाएगी। उपखंड अधिकारी राजेन्द्र कुमार ने बताया कि जीएसआई ने मौसम विभाग, भूजल विभाग, सैटेलाइट समेत कई साक्ष्य जुटाए हैं। प्रारंभिक रिपोर्ट में कहा कि भूजल रिचार्ज नहीं तथा नीचे की जमीन सख्त नहीं होने से ऊपर की मिट्टी धंसी है। इसे भौगोलिक घटना माना। जीएसआइ की विस्तृत रिपोर्ट अभी आनी है।

बाइक चोरी करने वाली गैंग का पर्दाफाश, चार वाहन जब्त

धौलपुर, (निसं)। मनियां पुलिस ने बाइक चोरी करने वाली गैंग का पर्दाफाश कर चार वाहन जब्त किये। धौलपुर पुलिस अधीक्षक धौलपुरसुमित मेहरडा के निर्देशन में व अति. पुलिस अधीक्षक मनोज कुमार शर्मा व वृताधिकारी मनियांराजेश कुमार शर्मा के निकटतम सुपरवीजन में मोटरसाईकिल चोरों के विरुद्ध कार्रवाई करते हुये थाना प्रभारी मनियां देवेश कुमार उ.नि. मय टीम, द्वारा दो व्यक्तियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से चोरी की गई चार मोटरसाइकिलें बरामद की गई।

12 मई को थानाप्रभारी मनियां देवेश कुमार उ.नि. को गजेन्द्र सिंह कानि. ने सूचना दी कि मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई है कि दो व्यक्ति कैलाशपुरा गांव की तरफ खेरली रपट की तरफ चोरी की मोटरसाइकिलों को लेकर आ रहे हैं। सूचना पर थानसिंह एएसआई को कार्रवाई हेतु दिशा-निर्देश दिये जाकर थानसिंह एएसआई को मय टीम के रवाना कर खेरली रपट भेजा। जहां दो व्यक्ति अलग-अलग मोटरसाईकिलों से खेरली की तरफ से आते हुए दिखाई दिये जो पुलिस को देखकर मोटरसाईकिलों को छोड़कर खेतो की तरफ भागने लगे जिनको पुलिस जाप्ता ने घेरा देकर पकड़ा जिनसे नाम पता पूछा तो एक ने अपना नाम काजू पुत्र देवेन्द्र सिंह निवासी घड़ी जवाहर थाना मनियां जिला धौलपुर व दूसरे ने अपना नाम राहुलसिंह पुत्र हेमसिंह निवासी कैलाशपुरा थाना मनिया जिला धौलपुर होना बताया। दोनों मोटरसाइकिलों को कब्जे में लेकर पूछताछ की गई तो दोनों मोटरसाइकिलों को चोरी की होना बताया।

पुलिस ने चोरों को गिरफ्तार कर बाइक जब्त की।

व्यापारी की कार से चार लाख रुपये चोरी के आरोप में तीन गिरफ्तार

- एक आरोपी अभी भी फरार, तीनों में एक युवक व्यापारी के पास काम करता था

अजमेर, (कासं)। रामगंज पुलिस थाना इलाके में स्थित सब्जी मंडी में गत दिनों सब्जी खरीदने पहुंचे धर्मा सिंह की कार में रखे 4 लाख रुपए व दस्तावेज चोरी के मामले में पुलिस ने सोमवार को तीन युवकों को गिरफ्तार कर जांच शुरू कर दी है। इन तीनों में एक युवक धर्मा सिंह रावत के पास काम करता था, जिसके कारण उसे मालूम था कि धर्मा सिंह के पास कार में हमेशा तीन चार लाख रूपए रहते है। जिसके बाद बदमाशों ने उक्त वारदात को अंजाम दिया। पुलिस इस मामले में एक अन्य आरोपी की भी तलाश में जुटी है।

रामगंज थानाधिकारी रविन्द्र सिंह खींची ने बताया कि थाना क्षेत्र में सब्जी मण्डी से 4 लाख 70 हजार रुपए, बही खाते, चेकबुक, एटीएम रखे हुए बेग को चुराने की वारदात के पर्दाफाश के लिए देवेन्द्र विश्नोई के दिशा निर्देश पर टीम का गठन किया गया था। तीन मई को धर्मा सिंह पुत्र सोहन सिंह निवासी ग्राम बडल्या पुलिस थाना आदर्शनगर ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी, जिसमें बताया कि वह सब्जी का व्यापार करता हूं तथा रामगंज सब्जी मण्डी से सब्जी खरीदकर आगरा गेट सब्जी मण्डी में सब्जी बेचता हूं। 28 अप्रैल को रात्रि को दो बजे मेरी गाड़ी एसयूवी लेकर रामगंज मंडी आया। मेरी गाडी की पिछली सीट पर एक काले रंग का बेग जिसमें सब्जी के हिसाब के बहीखाते, दो चेक बुक, एक बैंक पास बुक, दो एटीएम कार्ड, एक आधार कार्ड, एक पेन कार्ड बेग में रखे हुए थे। सब्जी खरीदने चला गया। सब्जी खरीदकर 5 बजे आगरा गेट मण्डी पहुंचा व गाड़ी में रखे बेग को चेक किया तो नहीं मिला।

थानाधिकारी खींची ने बताया कि विशेषज्ञ टीम ने प्रकरण दर्ज कर अनुसंधान आरम्भ किया। मुखबीरी ईत्तला पर त्वरित कार्यवाही करते हुए तीन आरोपियों विकास शर्मा उर्फ पपिया पुत्र जुगल किशोर शर्मा निवासी मेड़ता सिटी जिला नागौर, अनुराग माली पुत्र प्रकाश चन्द माली निवासी मेड़ता सिटी जिला नागौर व आदित्य सिंह पुत्र ज्ञान सिंह निवासी मेड़ता सिटी जिला नागौर को दस्तयाब कर पूछताछ की तो उक्त तीनों व एक अन्य अभियक्त ने मिलकर 28 अप्रैल को रात्रि तीन बजे चोरी की वारदात को कबूल किया। जिस पर अभियुक्तगण को गिरफ्तार किया। चोरी किए गए बेग को अभियुक्तों ने मेड़ता जाकर जलाना बताया। शेष रहे अभियुक्त की तलाश जारी है।

रामगंज पुलिस ने चोरी के आरोपियों को गिरफ्तार किया।

करंट से किशोर की मौत

परबतसर, (निसं)। निकटवर्ती ग्राम जावला में सुबह अपने घर पर नहाने जाते समय एक किशोर की सीढ़ियों की रैलिंग को छूने से करंट की चपेट में आने से मौत हो गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार जावला गांव निवासी सुमित प्रजापत (16) पुत्र रमेश प्रजापत रोजना कि तरह सुबह घर में नहाते जाते वक्त सीढ़ियों की रैलिंग को छू लिया जिससे वह करंट की चपेट में आकर घायल हो गया। चीख-पुकार सुनकर परिजन स्वीच ऑफ कर बच्चे को अलग किया। परिजन घटना के तुरंत बाद ही बच्चे को जावला अस्पताल लेकर पहुंचे मगर वहां ताले लटके मिले। अस्पताल के बाहर स्थित मेडिकल की दुकान पर ही अस्पताल का कंपाउंडर आया तथा बच्चे को हरसौर अस्पताल ले जाने की बात की। परिजनों ने बताया कि तब सुमित की सांसें चल रही थी। हरसौर अस्पताल पहुंचने पर चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। दोपहर में गमगीन माहौल के बीच सुमित का अंतिम संस्कार कर दिया गया। इस संबंध में परिजनों की ओर से देर रात तक पुलिस थाने में कोई रिपोर्ट नहीं दी गई।

47.50 लाख रुपए का अवैध डोडा-पोस्त बरामद

पाली, (नि.सं.)। पाली जिले में मादक पदार्थ तस्करी के विरूद्ध जारी अभियान के तहत पुलिस थाना खिंवाड़ा मय टीम ने नाकाबंदी में एक सफेद कलर की इनोवा गाड़ी से 25 कट्टों में 475 किलो 850 ग्राम डोडा-पोस्त जब्त किया। जानकरी के अनुसार 12 मई को थानाधिकारी मनीष सोनी थानाधिकारी पुलिस थाना खिंवाड़ा मय जाब्ता के थाना खिंवाड़ा से रवाना होकर कोट सोलंकियान से गुड़ा गोपीनाथ जाने वाले रास्ते पर पहुंचे तथा नाकाबन्दी शुरू की।

नाकाबन्दी में कोट सोलंकियान की तरफ से एक सफेद रंग की बिना नम्बरी इनोवा गाड़ी आती दिखाई दी। उक्त वाहन संदिग्ध प्रतीत होने पर थानाधिकारी मनीष सोनी मय जाप्ते द्वारा रूकवाने का प्रयास किया गया। इनोवा गाड़ी का ड्राईवर गाड़ी को तेज गति से भगाकर पकड़े जाने के डर से मुख्य सड़क से नीचे उतारकर सरहद गुडा गोपीनाथ गांव की नाडी की तरफ ले जाने लगा। जिस पर थानाधिकारी मनीष सोनी द्वारा लगातार पीछा किया तो उक्त वाहन अचानक आगे रास्ता बन्द होने से रूक गया व उक्त वाहन में से दो व्यक्ति उत्तरकर पास में स्थित झाड़ियों की तरफ दौड़कर भाग गये। इनोवा वाहन की तलाशी ली गई तो अवैध डोडा-पोस्त भरा हुआ पाया गया। बरामद किये गये डोडा पोस्त की अनुमानित कीमत 47.50 लाख रुपए है।

सांचोर संवाददात के अनुसार :- सांचोर जिले में पुलिस ने अवैध मादक पदार्थ अफीम का दूध 35 ग्राम, 95 ग्राम मैफाड्रॉन व 750 ग्राम अवैध डोडा पोस्त चूरा सहित एक आरोपी को गिरफ्तार किया है।

चूरू में डोडा-पोस्त चूरा सहित दो जने गिरफ्तार :- दूधवाखारा थाना पुलिस ने एक ट्रक में छह किलोग्राम डोडा-पोस्त चूरा मिलने पर दो जनों को गिरफ्तार किया है। जिला पुलिस अधीक्षक चूरू जय यादव ने बताया कि जिले में अवैध मादक पदार्थों की धरपकड़ हेतु चलाये जा रहे विशेष अभियान के तहत थानाधिकारी रतनलाल उनि पुलिस थाना दूधवाखारा मय टीम ने नाकाबंदी के दौरान एनएच 52 पर एक ट्रक से रोहित कुमार पुत्र रमेश कुमार निवासी पंजाब व जगसीर सिंह पुत्र गुरनाम निवासी जिला मानसा पंजाब के कब्जे से 6 किलोग्राम डोडा-पोस्त चूरा मय ट्रक जब्त कर गिरफ्तार कर लिया।

दोनों के खिलाफ धारा 8/15 एनडीपीएस एक्ट में मामला दर्ज किया गया है। उक्त प्रकरण का अनुसंधान बलवंत उनि थानाधिकारी पुलिस थाना सदर चूरू द्वारा किया जा रहा है। प्रथम दृष्टया उक्त डोडा-पोस्त जावरा मध्यप्रदेश से मानसा पंजाब ले जाया जाना बताया। जब्त डोडा पोस्त की अनुमानित कीमत करीब 90 हजार रुपए है।

भोपालगढ़ किले के दरवाजे बंद करने का विरोध

तहसीलदार को ज्ञापन देकर मुख्य रास्ते को खुले रखने की मांग की

- किले की चारदीवारी की मरम्मत का कार्य के दौरान रास्तों को बंद किया हुआ है

खेतड़ी, (निसं)। खेतड़ी के ऐतिहासिक भोपालगढ़ किले के दरवाजे को बंद करने को लेकर ग्रामीणों में विरोध पनपने लगा है। सोमवार को भोपालगढ़ विकास समिति की ओर से तहसीलदार को ज्ञापन देकर ऐतिहासिक रास्तों को आमजन के लिए खुले रखने की मांग की है।

तहसीलदार नीलम राज बंसीवाल को दिए ज्ञापन में बताया कि खेतड़ी की पहाड़ी पर बना ऐतिहासिक भोपालगढ़ के किले के परकोटे में पुराने समय में चार रास्ते बने हुए थे जो कस्बे की ओर, पश्चिम में बीलवा की ओर, दक्षिण में बागोर व सती मंदिर तथा उत्तर पश्चिम में टीलालवाली, बांकोटी की ओर जाते हैं। भोपालगढ़ किले के परकोटे में स्थित आबादी क्षेत्र व मंदिर में आने जाने के लिए पुराने समय से इन्हीं रास्तों का उपयोग होता रहा है। पिछले कुछ समय पहले से भी किले व मंदिर में आने वाले लोग इन रास्तों का उपयोग करते आ रहे हैं। वर्तमान में भोपालगढ़ के किले की चारदीवारी की मरम्मत का कार्य पुरातत्व विभाग राजस्थान सरकार द्वारा करवाया जा रहा है। निर्माण कार्य के दौरान उक्त रास्तों को बंद कर दिया गया, जिसके चलते यहां आने वाले लोगों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। विभाग द्वारा सुरक्षा की दृष्टि से गेट लगा दिया जाए, ताकि यहां आने वाले लोगों को परेशानी नहीं उठानी पड़े।

उन्होंने बताया कि यदि प्रशासन की ओर से जल्द प्रभावी कार्रवाई नहीं की गई तो ग्रामीण आंदोलन करने को मजबूर हो जाएंगे। इस संबंध में तहसीलदार नीलम राज ने जल्द मौका मुआयना कर आवश्यक कार्रवाई करने का आश्वासन दिया। इस मौके पर समिति अध्यक्ष श्याम सिंह चौहान, अरूण पारीक, रमेश तिवारी, लाखनसिंह, नंदकिशोर, अरविंद सिंह निर्वाण, भूपेंद्र सैनी, लालसिंह, संजय नालपुरिया सहित अनेक लोग मौजूद थे।

किशोर की मौत

उदयपुर, (कासं)। गोगुन्दा हाइवे पर अज्ञात वाहन की चपेट में आने से बाइक सवार किशोर की मौत हो गई तथा साथी घायल हो गया। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार रविवार शाम सुखेर थाना क्षेत्र गोगुन्दा हाइवे अम्बेरी पर अज्ञात वाहन ने बाइक को चपेट में ले लिया। हादसे में बाइक सवार इन्द्रलाल मीणा (17) पुत्र पता निवासी उण्डीथल गोगुन्दा तथा साथी गंभीर घायल हो गए। इसकी सूचना मिलने पर हेड कांस्टेबल नारायणसिंह ने मौके पर पहुंचकर दोनों को उपचार के लिए एमबी चिकित्सालय पहुंचाया। जहां इन्द्रलाल की मौत हो गई। इस पर हेड कांस्टेबल ने मृतक का पोस्टमार्टम करवा शव परिजनों को सौंप दिया। इन्द्रलाल व साथी मजदूरी करते थे एवं अंबेरी से बाइक पर गांव लौट रहे थे। जहां बीच रास्ते हादसा हो गया।

हादसे में एक की मौत

चिड़ावा, (निसं)। शहर के मुख्य बाजार के निकट वार्ड 20 में सोमवार दोपहर को हादसा हो गया। ऊपर से मशीन सहित मकान की दूसरी मंजिल पर काम कर रहा ठेकेदार महावीर नीचे गिर गया। नीचे गिरते ही ठेकेदार गंभीर घायल हो गया। ठेकेदार को अस्पताल लाया गया। जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। जिसके बाद ठेकेदार के पुत्र को बुलवाकर पूरी घटना की जानकारी दी और पोस्टमार्टम करवाया।

कहासुनी के बाद झगड़े में ईंट-पत्थर से हमला, लोगों ने बचाई जान

मिट्टी की ट्रॉली को बैक लेते समय अचानक से ट्रॉली एक बाइक से टच हो गई थी

- सूचना पर कोतवाली थाना पुलिस मौके पर पहुंची है और मामले की जानकारी ली

धौलपुर, (निसं)। धौलपुर जिले के बाड़ी शहर के कोतवाली थाना क्षेत्र में रेलवे स्टेशन के पास स्थित एक कॉलोनी में मिट्टी की ट्रॉली को बैक लेते समय अचानक से ट्रॉली एक बाइक से टच हो गई। मामले ने ऐसा तूल पकड़ लिया और झगड़ा बढ़ गया। बाइक सवार द्वारा लोगों को बुलाकर झगड़ा किया गया। इस दौरान जमकर पथराव भी हुआ। बताया जा रहा है कि उस दौरान झगड़ा बढ़ने पर जब लोग इधर से उधर बचने के लिए भागे तो किसी ने पुलिस को सूचना दे दी। ऐसे में सूचना पर कोतवाली थाना पुलिस मौके पर पहुंची है और मामले की जानकारी ली।

बाड़ी शहर के बारे रेलवे स्टेशन के पास स्थित कृष्णा कॉलोनी निवासी उग्रसेन उर्फ गब्बर गुर्जर पुत्र हरिसिंह गुर्जर ने बताया कि उनके मकान पर निर्माण कार्य चल रहा है। इस दौरान एक मिट्टी की ट्रॉली आई थी। जिसे वह खुद ही बैक में लेकर खाली कर रहे थे। इस दौरान पास की कॉलोनी के एक युवक की बाइक से ट्रॉली अचानक टच हो गई। इसी बात को लेकर ही बाइक चालक द्वारा पहले गालियां दी। फिर जब समझाइश की तो कुछ देर में करीब आधा दर्जन से अधिक लोगों को लेकर आया और झगड़ा करने लगा। इस दौरान उनसे मारपीट की है और पथराव करते हुए उनकी सोने की चेन छीनकर आरोपी ले गये। वहीं प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि दोनों पक्षों की ओर से मौके पर जमकर पथराव हुआ है। इसमें ईंट, पत्थर फेंके गए हैं। इससे मोहल्ले के लोगों ने इधर-उधर भाग कर जैसे-तैसे जान बचाई। कोतवाली थाना प्रभारी शिवलहरी मीणा पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे और मामले की जानकारी ली।

मामले को लेकर एक पक्ष के उग्रसेन उर्फ गब्बर गुर्जर पुत्र हरिसिंह गुर्जर द्वारा पुलिस थाने में प्राथमिक की दर्ज करने के लिए रिपोर्ट दी है। दूसरे पक्ष द्वारा अभी मामले में कोई कार्रवाई नहीं की गई है। थाना प्रभारी शिवलहरी मीणा मामले की जांच कर रहे हैं। शांत रहने के लिए दोनों पक्ष के लोगों से समझाइश भी की है।

धौलपुर के बाड़ी शहर के कोतवाली थाना क्षेत्र में कॉलोनी में जमकर पथराव हुआ।

नीमकाथाना जिला अस्पताल में ब्लड चढ़ाने से गर्भवती महिला की मौत

जिला अस्पताल में तीन प्रसूताओं के ही ग्रुप का ब्लड नहीं मिला, परिजन शाहपुरा रोड स्थित सीता ब्लड बैंक से ब्लड लेकर आए थे

पाटन, (निसं)। नीमकाथाना में ब्लड चढ़ाने से एक गर्भवती महिला की मौत हो गई व दो अन्य प्रसूताओं की तबीयत बिगड़ गई। मामला नीमकाथाना जिला अस्पताल का है।

जानकारी के अनुसार शनिवार की रात तीन गर्भवती महिलाओं को अस्पताल में भर्ती कराया गया था, रविवार रात ब्लड चढ़ाने के बाद तीनों गर्भवती महिलाओं की तबीयत बिगड गई। एक महिला को जयपुर के जनाना अस्पताल रेफर किया गया, वहीं दो अन्य महिलाओं को परिजनों ने संतोकबा दुर्लभजी अस्पताल में भर्ती करवाया। इलाज के दौरान जनाना अस्पताल में भर्ती प्रसूता की मौत हो गई, जबकि निजी अस्पताल में भर्ती दूसरी प्रसूता ने मृत बच्चे को जन्म दिया। इसके बाद परिजनों ने उच्चाधिकारियों को शिकायत की। सूचना पर सीएमएचओ डॉ. भूपेंद्र सिंह और अस्पताल के पीएमओ डॉ. कमल सिंह शेखावत रविवार रात ब्लड बैंक पहुंचे और रिकॉर्ड जब्त कर जांच शुरू की।

घटना के बाद परिजनों ने अस्पताल में हंगामा किया।

- शनिवार की रात तीनों महिलाओं को भर्ती कराया गया था, रविवार रात ब्लड चढ़ाने के बाद तीनों की तबीयत बिगड़ गई
- एक महिला को जयपुर के जनाना अस्पताल रेफर किया, जहां इलाज के दौरान प्रसूता की मौत हो गई
- सूचना पर सीएमएचओ और अस्पताल पीएमओ ब्लड बैंक पहुंचे और रिकॉर्ड जब्त कर जांच शुरू की

जानकारी के अनुसार नीमकाथाना जिला अस्पताल में मैना देवी (25) पत्नी मनोज कुमार वर्मा निवासी बिहारीपुर, मधु पत्नी राकेश (20) निवासी खटाणा और गीता देवी पत्नी कैलाश (25) को प्रसव के लिए भर्ती करवाया गया था। डॉक्टर ने जांच कर तीनों में ब्लड की कमी बताई और परिजनों से ब्लड लाने के लिए कहा। जिला अस्पताल में तीनों के ही ग्रुप का ब्लड नहीं मिला। परिजन शाहपुरा रोड स्थित सीता ब्लड बैंक से ब्लड लेकर आए थे।

जानकारी के अनुसार 9 मई को मावंडा निवासी राधा सैनी जीवन रेखा अस्पताल में भर्ती थी जहां ब्लड सीता बल्ड बैंक से लेकर गए थे, ब्लड चढ़ाने के कुछ समय बाद उसकी मौत भी हो गई लेकिन नवजात शिशु सुरक्षित था। सिरोही निवासी मूली देवी को गंगासागर सागर अस्पताल में भर्ती करवाया गया। जिसको भी ब्लड सीता बल्ड बैंक दो यूनिट इश्यू करवाया। ब्लड चढ़ाने के बाद सांस में दिक्कत होने पर रेफर किया गया जहां उसकी भी मौत हो गई। चार दिन पहले शहर के निजी शारदा अस्पताल में जुबली देवी (55) को बीमारी के कारण भर्ती करवाया गया था। उस महिला के लिए भी सीता ब्लड बैंक से ब्लड लाया गया था। लेकिन ब्लड चढ़ाने के बाद महिला की तबीयत खराब हो गई। उसे चौमू के बराला अस्पताल में भर्ती करवाया गया था, लेकिन इलाज के दौरान जुबली देवी की मौत हो गई।

मामले के बाद ज्वाइंट डायरेक्टर डॉ. नरोत्तम मिश्रा के नेतृत्व में जयपुर व सीकर की चिकित्सा टीम ने ब्लड बैंक का निरीक्षण किया। पूरे दिन भर ब्लड बैंक पर हड़कंप मचा रहा। उन्होंने बताया कि दस्तावेजों की जांच की गई ब्लड सैंपल उठाए गए जांच रिपोर्ट के लिए भेजें जायेंगे उसके बाद ही जांच सामने आयेगी। अभी के लिए फिलहाल ब्लड बैंक से कोई भी ब्लड देने पर पाबंदी लगाई गई अस्थाई रूप से बंद करवाया गया।

वहीं संवैधानिक विचार मंच के संस्थापक गिगराज जोड़ली भी मृतकों के परिजनों सहित मौके पर पहुंचे। जहां अधिकारियों को चेतावनी दी हैं कि दोषियों के खिलाफ जल्द से जल्द कार्रवाई की जाये। नहीं बड़ा आंदोलन किया जाएगा। इस दौरान जयपुर सीकर सहित स्थानीय अधिकारी मौजूद रहे।

गोगी गिरोह के नरेंद्र मलिक हत्याकांड में शामिल बदमाश गिरफ्तार

एजीटीएफ जयपुर, दिल्ली क्राइम ब्रांच व डीएसटी हनुमानगढ़ ने कार्रवाई कर बदमाश को दबोचा।

- दिल्ली के अलीपुर में गोगी गिरोह के नरेंद्र मलिक हत्याकांड में शामिल बदमाश को मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार किया
- पुलिस और बदमाश के बीच मुठभेड़ में बदमाश के पैर में लगी गोली, दिल्ली पुलिस के जवान की बुलेट प्रूफ जैकेट पहने होने से बची जान

जयपुर/बीकानेर, (कासं)। एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स पुलिस मुख्यालय, दिल्ली क्राइम ब्रांच एवं हनुमानगढ़ जिले की डीएसटी ने सोमवार को संयुक्त कार्रवाई में दिल्ली के अलीपुर में 22 अप्रैल को हुए गोगी गिरोह के नरेंद्र मलिक हत्याकांड में शामिल बदमाश सागर उर्फ शंकर पुत्र मनोज उर्फ मोज्जी (20) निवासी गांव लाठ सोनीपत हरियाणा को मुठभेड़ के बाद दबोच लिया। दोनों तरफ से हुई फायरिंग में बदमाश सागर के पैर में गोली लगने से उसे हनुमानगढ़ अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स एवं अपराध दिनेश एमएन ने बताया कि रविवार को दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच से हाल ही में दिल्ली के अलीपुर में गैंगवार में हत्या के वांछित अपराधी सागर उर्फ शंकर के संगरिया और टिब्बी थाना क्षेत्र में छिपे होने के पुलिस मुख्यालय को इनपुट प्राप्त हुए थे। यह बदमाश टिल्लू ताजपुरिया, नीरज बवानिया व अमित दबंग गिरोह का सक्रिय सदस्य हैं। एडीजी एमएन ने बताया कि सूचना के आधार पर हनुमानगढ़ एसपी विकास सांगवान को वांछित अपराधी सागर उर्फ शंकर की पहचान एवं रुकने के स्थान के बारे में सूचना दी गई। साथ ही एजीटीएफ के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक विद्या प्रकाश और पुलिस इंस्पेक्टर सुनील जांगिड़ व रविंद्र प्रताप सिंह को समन्वय के लिए लगाया गया। एम.एन. ने बताया कि सोमवार शाम करीब 5:30 बजे एजीटीएफ राजस्थान, दिल्ली क्राइम ब्रांच व एनडीआर एवं हनुमानगढ़ की डीएसटी द्वारा थाना टिब्बी क्षेत्र के साबूआना में बदमाश सागर उर्फ शंकर को पकड़ने के लिए घेराबंदी की गई। इसी दौरान आरोपी ने पुलिस पर जानलेवा हमला कर फायरिंग प्रारंभ कर दी। जिसमें दिल्ली पुलिस के एक जवान के गोली लगी, लेकिन बुलेट प्रूफ जैकेट पहने होने के कारण उसकी जान बच गई। जवाबी कार्रवाई में पुलिस की गोली पैर में लगने से मुल्जिम सागर उर्फ शंकर घायल हो गया। जिसे घेर कर टीम ने दबोच लिया। आरोपी को उपचार के लिए राजकीय चिकित्सालय हनुमानगढ़ में भर्ती करवाया गया है।

एडीजी ने बताया कि इस कार्रवाई में हनुमानगढ़ डीएसटी प्रभारी तेजवंत सिंह बराड़ उप निरीक्षक, कांस्टेबल अमित, रामावतार और विकेश की अपराधी के रुकने, पहचान करने और पकड़ में विशेष योगदान रहा। दिल्ली क्राइम ब्रांच से इंस्पेक्टर योगेश व विनोद यादव, सब इंस्पेक्टर दीपेंद्र और हैड कांस्टेबल आशीष की टीम मुठभेड़ में शामिल थी।

ट्रैक्टर-ट्रॉली पलटने से आधा दर्जन लोग घायल, एक की मौत

धौलपुर, (निसं)। बाड़ी उपखंड के सदर थाना क्षेत्र के हाईवे 11बी पर सरमथुरा रोड पर सनोरा गांव के पास देर रात को एक अनियंत्रित ट्रैक्टर-ट्रॉली के पलटने से आधा दर्जन लोग घायल हो गए। सभी घायलों को ग्रामीणों के सहयोग से एंबुलेंस द्वारा बाड़ी अस्पताल पहुंचाया गया जहां उपचार के दौरान एक अधेड़ की मौत हो गई। वहीं दो महिलाओं को गंभीर हालत में जिला अस्पताल रेफर किया है। बाकी घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई है।

जानकारी के अनुसार मुरैना जिले के दुबारा शंकरपुर निवासी बघेली परिवार के दो दर्जन के करीब महिला पुरुष और बच्चे ट्रैक्टर-ट्रॉली में सवार होकर करौली कैलादेवी दर्शन करने के लिए निकले थे, जो रात 2 बजे के करीब बाड़ी से निकलने के बाद सनोरा गांव पर अचानक ट्रैक्टर-ट्रॉली पलटने से हादसे का शिकार हो गए। दुर्घटना में दो महिलाओ सहित चार लोग घायल हुए हैं। बाकी कुछ लोगों को चोटें आई हैं। घायलों में एक की उपचार के दौरान मौत हुई है। घटना को लेकर ट्रैक्टर

हादसे में घायल लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया।

चालक दिलीप पुत्र गुड्डू बघेल ने बताया कि वह दुबारा शंकरपुर से सभी लोगों को लेकर कैलादेवी जा रहा था। इस दौरान सनोरा गांव के पास न जाने कैसे अचानक से ट्रैक्टर-ट्रॉली ऊंची हो गई हो गई। किसी ने प्रेशर दबा दिया या अपने आप प्रेशर दब गया इनकी कोई जानकारी नहीं है।

ऐसे में ट्रॉली ऊंची उठ गई और उसमें सवार ज्यादातर लोग नीचे सड़क पर आ गिरे। हाईवे पर ट्रैक्टर-ट्रॉली पलटने की उक्त दुर्घटना में बाड़ी अस्पताल भर्ती कराए गए चार लोगों में से 38 वर्षीय राजवीर पुत्र गोपी बघेल की उपचार के दौरान मौत हो गई। वहीं घायल 22 वर्षीय सरिता पुत्री दिलीप और 40 वर्षीय गुड्डी देवी पत्नी दिलीप बघेल की हालत गंभीर होने पर जिला अस्पताल धौलपुर रेफर किया है। वहीं घायल दिलीप का उपचार बाड़ी अस्पताल में जारी है। सदर थाना पुलिस मामले की जांच कर रही है। मृतक के शव को मोर्चरी में रखवाया गया है।

बीकानेर में बारिश के साथ ओले गिरे

बीकानेर, (निसं)। बीकानेर जिले में मौसम ने सोमवार शाम को अचानक करवट ली और बादलों के साथ ही हुई बारिश से लोगों को बड़ी राहत मिली।

- बारिश से लोगों को बड़ी राहत मिली

बारिश के साथ ही शहर में कई स्थानों पर ओले भी गिरे। इस बारिश ने तेज गर्मी से झुलसे रहे बीकाणा को सुहाना बना दिया। बरसात होने के साथ लोगों को काफी हद तक राहत मिली है। यह इस सीजन का पहला मौका है, जब बीकानेर में लगातार हल्की ही सही बरसात हुई। दिनभर मौसम में उतार चढ़ाव देखने को मिला। सवेरे जहां धूप व गर्मी थी। वहीं दोपहर होते-होते आसमां बादलों से घिर आया तथा रूक-रूककर हवा चलने लगी। दोपहर को अचानक तेज हवा के साथ हल्की बरसात होने लगी। जिससे एकबारगी बीकानेर पूरी तरह से भीग गया। इसी के साथ हवा व वातावरण में भी नमी तथा शीतलता ला दी है। जिसकी वजह से लोगों को गर्मी से राहत मिली है। देर शाम तक बीकानेर में बूंदाबांदी का दौर जारी रहा।

होटल के कमरे में कोटा निवासी युवक का दो दिन पुराना शव मिला

केकड़ी, (निसं)। यहां अजमेर रोड पर बीजासण माता मंदिर के सामने स्थित होटल के कमरे में युवक का दो दिन पुराना शव मिला है। सूचना मिलने पर सिटी थाना पुलिस एवं पुलिस के उच्चाधिकारी मौके पर पहुंचे और जांच पड़ताल की। मृतक की पहचान महावीर नगर कोटा निवासी 45 वर्षीय विशाल गुप्ता के रूप में हुई है। बताया जाता है कि गुप्ता रिलायंस निप्पोन लाइफ इंश्योरेंस कम्पनी में काम करता था। वह यहां नौ मई को होटल में आकर ठहरा था। उसने अपनी कार होटल की पार्किंग में खड़ी कर रखी थी।

होटल कर्मचारियों के अनुसार गुप्ता आखिरी बार 11 मई को कमरे से बाहर निकला था। इसके बाद वह कमरे से बाहर नहीं आया। गुप्ता की आखिरी बात 12 मई को होटल के कर्मचारी से हुई। इस दौरान होटल कर्मचारी ने सफाई करने के लिए दरवाजा खटखटाया, लेकिन गुप्ता ने दरवाजा नहीं खोला और सफाई के लिए मना कर दिया। सोमवार को होटल कर्मचारी ने फिर से दरवाजा खटखटाया, लेकिन अंदर से किसी तरह

होटल बाहर खड़ी मृतक की कार।

की आवाज नहीं आई। इसके बाद उसने इसकी जानकारी होटल मालिक को दी। कमरे के अंदर से किसी तरह का जवाब नहीं आने पर होटल मालिक ने दरवाजे को धक्का दिया तो वह अपने आप खुल गया। दरवाजा खुलते ही होटल मालिक की आंखें फटी रह गई। अन्दर पलंग पर विशाल गुप्ता की लाश पड़ी थी। उसने सिटी थाना पुलिस को घटना की जानकारी से अवगत कराया। सूचना पर सिटी थानाधिकारी धोलाराम मौके पर पहुंचे और वस्तुस्थिति का जायजा लिया।

सिटी थानाधिकारी ने पुलिस के उच्चाधिकारियों को मौका स्थिति के बारे में बताया। इसके बाद पुलिस उप अधीक्षक हर्षित शर्मा मौके पहुंचे पहुंचे और जांच पड़ताल की। शव की पहचान होटल के रजिस्टर में दर्ज नाम पते एवं साथ में लाई आईडी से हुई। पुलिस ने शव के पास पड़े मोबाइल की सहायता से परिजनों से सम्पर्क किया। शर्मा ने बताया कि गहन जांच पड़ताल के लिए अजमेर से एफएसएल टीम बुलवाई गई। एफएसएल टीम ने केकड़ी पहुंचकर मौके पर जांच कर सैम्पल उठाए। सूचना के बाद परिजन भी केकड़ी पहुंच गए।

युवक ने आत्महत्या की

मकराना, (निसं)। मकराना उपखण्ड के गच्छीपुरा थाना क्षेत्र के ग्राम सरनावड़ा में सावर्जनिक कुएं में कूदकर एक युवक ने आत्महत्या कर ली। पुलिस के अनुसार मृतक के भाई राजूराम बावरी ने रिपोर्ट में बताया कि उसका भाई लालाराम (28) पुत्र भंवरलाल बावरी दोपहर बारह बजे घर से निकलकर ग्राम में जेठनाथ जी महाराज कि समाधि के पास स्थित कुएं में कूद गया। सूचना मिलते ही घटनास्थल पर पुलिस पहुंची और मौका मुआयना कर ग्रामवासियों की मदद से शव को कुएं से बाहर निकाला गया। पुलिस ने गच्छीपुरा के राजकीय चिकित्सालय में ले जाकर शव का पोस्टमार्टम करवा कर शव परिजनों को सुपर्द किया।

बदमाशों ने होटल मालिक से एक करोड़ की फिरौती मांगी, फायरिंग कर हुये फरार

फायरिंग से पहले बदमाश होटल में ही थे और होटल मैनेजर राजेश मीणा को पर्ची थमाकर गए थे

अलवर, (निसं)। एक करोड़ रुपए की फिरौती की मांग को लेकर तिजारा रोड पर कर्मचारी कॉलोनी के पास एक होटल के बाहर रविवार रात दस बजे नकाबपोश दो बदमाश फायरिंग कर फरार हो गए। फायरिंग से पहले बदमाश होटल में ही थे और होटल मैनेजर राजेश मीणा को पर्ची थमाकर गए थे। इसमें उन्होंने लिखा कि ये तो ट्रेलर है, अगर पैसा नहीं दिया तो अगली बार गोली माथे में लगेगी। घटना साईं लीला रेस्टोरेंट के बाहर घटित हुई। होटल मालिक राठ नगर निवासी कुलदीप यादव है। होटल के बाहर सीसीटीवी नहीं होने से फायरिंग को लेकर पुलिस पुष्टि नहीं कर रही है। होटल स्टाफ ने बताया कि गोली चलने की आवाज आई थी।

घटना के बाद मौके पर शिवाजी पार्क एसएचओ राजपाल चौधरी, एमआईए एसएचओ विजेंद्र सिंह समेत कई पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे और घटना की जानकारी ली। इसके बाद नाकाबंदी कराई और होटल के सामने पेट्रोल पंप के सीसीटीवी फुटेज खंगाले। उधर, पेट्रोल पंप कर्मचारी का कहना था कि उसने भागते हुए दो बदमाशों को देखा जिन्होंने मुंह पर

घटना के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और जांच की।

सफेद स्वापी बांधी हुई थी।

पुलिस के अनुसार रेस्टोरेंट में सफेद कपड़ा बांध दो बदमाश आए थे। इनमें एक अंदर आया और दूसरा बाइक पर बाहर खड़ा था। अंदर आने वाले बदमाश ने होटल के मैनेजर राजेश मीणा को पर्ची थमाई और उसके बाद होटल के बाहर फायरिंग करके बदमाश तिजारा फाटक होते हुए भिवाड़ी रोड की तरफ भाग निकले। पर्ची में लिखा था कि एक करोड़ रुपए चाहिए नहीं तो अगली गोली माथे में लगेगी। अभी तो ट्रेलर था। पर्ची पर हप्पी वाजिदपुर दिल्ली, मनजीत नेहरा, सनी काकरान और अतुल जाट का नाम लिखा था।

एनसीआर में शामिल अलवर में पिछले कई सालों में लूट, फायरिंग

- पर्ची में उन्होंने लिखा कि ये तो ट्रेलर है, अगर पैसा नहीं दिया तो अगली बार गोली माथे में लगेगी
- पर्ची पर हप्पी वाजिदपुर दिल्ली, मनजीत नेहरा, सनी काकरान और अतुल जाट का नाम लिखा था

और फिरौती मांगने की घटनाओं में लगातार इजाफा हो चला है। हरियाणा से नजदीक होने की कारण जिला कई गैंग के निशाने पर रहता है। साइबर ठगी के मामलों में अलवर पीछे नहीं है। खासकर यहां के मेवात इलाके से देशभर में साइबर ठगी की जा रही है। गोकशी के मामले में भी अलवर सुर्खियों में रहा है।

इस रोड पर फायरिंग की यह तीसरी घटना है। सबसे पहले दूध मिष्ठान भंडार पर फायरिंग हुई थी। इसके बाद पिछले साल 50 लाख रुपए फिरौती की मांग को लेकर बदमाशों ने टेल्को चौराहे के पास ओल्ड राव होटल पर फायरिंग की थी। इस दौरान होटल का शीशा टूट गया था और अंदर खाना खा रहे लोगों में अफरा-तफरी मच गई थी। गार्ड को बदमाशों ने पिस्टल के बट से मारकर घायल कर दिया। जाते समय गार्ड को एक पर्ची पकड़ा गए, जिस पर गोगी गैंग, 50 लाख और गैंग के तीन लोगों के नाम लिखे थे।

इस पर्ची में भी मनजीत सिंह का नाम था। इसके अलावा गोगी गैंग के अंकेश लाकर और रवि का नाम लिखा था। सनी काकरान और अतुल जाट दिल्ली एनसीआर के गोगी गैंग के सदस्य हैं। इनमें मनजीत व कुछ अन्य तिहाड़ जेल में बंद हैं। इससे पहले भी इसी गैंग के सदस्यों ने अलवर में इसी रोड पर फायरिंग की थी। ये सभी अलवर जेल में शिफ्ट होना चाहते हैं। यही वजह है कि बार-बार पर्ची में ये खुद का नाम लिखवा रहे हैं। हालांकि पुलिस ने पहले हुई फायरिंग के आरोपियों को पकड़ लिया था और केस उन्हीं के नाम से नामजद किया गया।

सलमान खान खुद माफी मांगे तो करेंगे विचार : देवेंद्र बुड़िया

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर के चर्चित काला हिरण शिकार मामले में सलमान खान मामले में अखिल भारतीय बिश्नोई महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष देवेंद्र बुड़िया (बिश्नोई) ने कहा कि सलमान यदि खुद माफी मांगें तो बिश्नोई समाज इस पर विचार करेगा। दो दिन पहले सलमान खान की एक्स गर्लफ्रेंड सोमी अली ने बिश्नोई समाज से सलमान को माफ करने की अपील की थी। उन्होंने कहा कि समाज के लोग सलमान की गलती को माफ कर दें क्योंकि एक्टर से छोटी उम्र में गलती हुई थी। सोमी अली के बयान के बाद अखिल भारतीय बिश्नोई महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष देवेंद्र बुड़िया (बिश्नोई) ने कहा गलती सोमी अली ने नहीं, सलमान ने की है। इसलिए वे खुद समाज को प्रस्ताव दें कि वह माफी मांगना चाहते हैं। सोमी अली नब्बे के दशक में सलमान खान की गर्लफ्रेंड रही हैं।

14 अप्रैल को सलमान के मुंबई स्थित घर गैलेक्सी अपार्टमेंट पर दो लोगों ने फायरिंग कर दी थी। इस मामले में 25 अप्रैल को मुंबई पुलिस ने पंजाब से अनुज थापन (32) को गिरफ्तार किया था। हालांकि थापन ने पुलिस कस्टडी में सुसाइड कर लिया था। 6 मई को मुंबई पुलिस ने नागौर के बासनी में रहने वाले मोहम्मद रफीक चौधरी को गिरफ्तार किया था। इस हमले की जिम्मेदारी लॉरेंस ने ली थी। चौधरी ने सलमान के घर फायरिंग करने वाले दोनों शूटर के ठहरने की व्यवस्था करवाई थी। इसके साथ ही लॉरेंस के भाई अनमोल को भी सलमान के घर के वीडियो बनाकर भेजे थे। सलमान के घर के बाहर फायरिंग के बाद से यह दावा किया जा रहा है कि लॉरेंस काले हिरण के शिकार का बदला लेना चाहता है। दो दिन पहले सोमी ने मीडिया में दिए बयान में कहा कि खासकर जो सलमान के साथ हो रहा है, वैसा किसी दुश्मन के साथ भी न हो। इस तरह की स्थिति का कोई भी हकदार नहीं है। मेरी प्रार्थनाएं उनके साथ हैं। चाहे कुछ भी हुआ हो, जो बीत गया उसे बीत जाने देना चाहिए। मैं कभी नहीं चाहूंगी कि ऐसा कुछ किसी के साथ भी हो, चाहे वो सलमान हों, शाहरुख हों या कोई और।

Office of the Executive Engineer, PHED, Distt Rural Div I Bikaner
Email ID-eepheddn1bkn@gmail.com Contact No. 0151-2941473
No. 338-363 Date: 08.05.2024
Notice Inviting Bid: 06-13/2024-25
Bid for various works are invited to registered interested bidder uto 20.05.2024 upto 02.00 PM. Other particulars of bid may be visited on the Procurement Portal http://eproc.rajasthan.gov.in and http://sppp.raj.nic.in of the state. The approximate value of the procurement of Rs. 218.64 Lacs.
UBN No. PHE2425WSOB00305, PHE2425WSOB00306, PHE2425WSOB00307, PHE2425WSOB00308, PHE2425WSOB00309, PHE2425WSOB00310, PHE2425WSOB00311, PHE2425WSOB00312
जल सीमित है, इसकी बचत करें।
Executive Engineer
PHED, Distt (R) Div I Bikaner
DIPR/C/3547/2024

संक्षिप्त

पलक ने 92 प्रतिशत अंक हासिल किये

सुश्री पलक

श्रीमाधोपुर, (निसं)। कस्बे निवासी सुश्री पलक पुत्री कुलदीप खांडल ने 12वीं सीबीएसई बोर्ड के घोषित परिणाम में सीबीएसई परीक्षा 12 कला वर्ग,(आर्ट्स) में 92 प्रतिशत अंकों से परीक्षा उत्तीर्ण की है। पलक वर्धमान श्रीकल्याण इंटरनेशनल हाथोज जयपुर में अध्ययन कर परीक्षा उत्तीर्ण की है। मूलरूप से श्रीमाधोपुर की निवासी छात्रा ने अपनी सफलता का श्रेय परिजनों व गुरुजनों को दिया है।

पदाधिकारियों को शपथ दिलाई

सांभरझील, (निसं)। रैगर समाज के सभी निर्वाचित पदाधिकारियों को चुनाव अधिकारी राजेश कुमार कचावटिया ने शपथ दिलाई। शपथ लेने वालों में अध्यक्ष चौथमल दोतानिया, संरक्षक जवरीलाल सबलानिया, उपाध्यक्ष पांचूराम सबलानिया, सचिन मांगीलाल बासीवाल, कोषाध्यक्ष कन्हैयालाल दोतानिया शामिल रहे। शपथ ग्रहण समारोह में समाज के प्रमुख लोगों की मौजूदगी भी रही। सभी ने निर्वाचित सदस्यों को शुभकामनाएं देते हुए समाज हित में और अधिक बेहतर कार्य किए जाने की अपेक्षा की तथा समाज में अब तक दिए गए योगदान के लिए अध्यक्ष चौथमल दोतानिया सहित अनेक का तहेदिल से शुक्रिया अदा किया गया।

जानलेवा हमले के आरोपी को भेजा जेल

शाहपुरा, (निसं)। शाहपुरा में बीते चार दिन पूर्व एक सिरफिरे युवक द्वारा चाकू से हमला करने के मामले में सोमवार को शाहपुरा थाना पुलिस ने आरोपी मनोज सैनी को शाहपुरा न्यायलय में पेश किया जहाँ पर न्यायाधीश ने आरोपी को जेल भेज दिया। सिरफिरे आरोपी ने शुक्रवार की रात को शाहपुरा कस्बे के अजीतगढ रोड स्थित सरकारी अस्पताल के सामने आधा दर्जन से ज्यादा लोगों पर चाकू से हमला कर दिया था जिसमें हमले में गंभीर रूप से घायल मोहन लाल जाट की मौत हो गई थी एवं कई लोग घायल हो गए थे।

अवैध बजरी से भरे पांच वाहन जब्त

निवाई, (निसं)। अवैध बजरी खनन व परिवहन पर निवाई थाना पुलिस व बरोनी थाना पुलिस ने अलग-अलग कार्यवाही करते हुए एक ट्रेलर व 4 ट्रेक्टरों को जब्त किया है व ट्रेलर के चालक को गिरफ्तार किया है। थानाधिकारी हरिराम वर्मा ने बताया कि पुलिस गश्त के दौरान राजकीय मॉडल स्कूल की ओर से एक ट्रेलर आता हुआ दिखाई दिया। पुलिस ने ट्रेलर को रुकवाकर चालक से ट्रेलर में भरी हुई बजरी का अनुज्ञा पत्र मांगा। चालक द्वारा अनुज्ञा पत्र उपलब्ध नहीं करवाने पर ट्रेलर को जब्त करके चालक मीठालाल निवासी दादिया थाना बरोनी को गिरफ्तार कर लिया। इसी प्रकार बरोनी थाना पुलिस ने गांव करीरिया के पास से अवैध बजरी से भरे हुए चार ट्रेक्टर -ट्रॉलियों को जब्त किया है। जब्त वाहनों को थाना परिसर में खडा करवा दिया है।

एस.यू.पी.डब्ल्यू. कैंप का शुभारंभ

श्रीमाधोपुर, (निसं)। श्री आदर्श महिला बीएड कॉलेज में बी.एड प्रथम वर्ष का सात दिवसीय एस.यू.पी.डब्ल्यू. कैंप का उदघाटन सोमवार को हुआ। शिविर प्रभारी डॉ.बाबूलाल सैनी एवं अनीता शर्मा के अनुसार शिविर के मुख्य अतिथि संस्था निदेशक जितेंद्र शर्मा रहें। मुख्यातिथि शर्मा ने छात्राध्यापिकाओं को महिला समाज सेविकाओं पन्नाधाय, लक्ष्मीबाई, मदर टेरेसा और सावित्री बाई फूले के नाम पर चार दलों में विभाजित किया। धर्मपाल वर्मा, सतीश कुमार तोमर, बहादुर सिंह महला,भागीरथ प्रसाद शर्मा को दल प्रभारी एवं चित्रा वर्मा,अलका शर्मा, निकिता कुमावत, कृष्णा सैनी, प्रियंका चौधरी, प्रियंका मंडीवाल, सुनीता घठाला और सोनाली सैनी को नायिका एवं उप-नायिका के रूप में चयन किया गया। प्रथम सत्र में छात्राध्यापिकाओं द्वारा कैंप स्थल की साफ सफाई एवं पेड पौधों की निराई, गुडाई करके पानी डाला गया। द्वितीय सत्र में प्रवक्ता भागीरथ प्रसाद शर्मा द्वारा घरेलू विद्युत उपयोग में आने वाली छोटी-छोटी समस्याओं की जानकारी करवाते हुए उनका समाधान बताया। अंत में छात्राध्यापिकाओं द्वारा विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी गई।

टैंकरों से की जाने वाली वाली सप्लाई की जीपीएस से मॉनिटरिंग कराए : कलेक्टर

- अवैध खनन के खिलाफ कार्रवाई करें, कोताही बरतने वाले नहीं होंगे बर्दाश्त : कलेक्टर

बैठक में एडीएम सुरेंद्र सिंह यादव सहित पुलिस, फॉरेस्ट एवं खनन विभाग के अधिकारी मौजूद रहे।

खैरथल, (निसं)। जिला कलेक्टर डॉ. आर्तिका शुक्ला ने सोमवार को कलेक्ट्रेट कार्यालय में अवैध खनन के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई कर जिले में अवैध खनन पर अंकुश लगाए जाने को लेकर अधिकारियों की बैठक ली। बैठक में जिला कलेक्टर ने अवैध खनन पर पूर्णता अंकुश लगाए जाने के लिए संवेदनशील क्षेत्रों में वन एवं पुलिस की संयुक्त चौकी स्थापित करने के निर्देश दिए हैं। बैठक में अतिरिक्त जिला कलेक्टर सुरेंद्र सिंह यादव सहित पुलिस, फॉरेस्ट एवं खनन विभाग के अधिकारी मौजूद रहे।

जिला कलेक्टर शुक्ला ने अवैध खनन को गंभीरता से लेते हुए वन, पुलिस एवं खनन विभाग को प्रभावी कार्यवाही करने के निर्देश दिए हैं। कलेक्टर ने अवैध खनन निर्गमन भंडारण के विरुद्ध अभी तक की गई एफआईआर एवं प्रत्येक एफआईआर की स्थिति की अधिकारियों से जानकारी ली और अनावश्यक देरी न करते हुए कार्यवाही करने के निर्देश दिए हैं। इसी के साथ जिला कलेक्टर ने पुलिस अधिकारियों को अवैध खनन के प्रकरणों को थाने में दर्ज करने में कोई कोताही नहीं बरतने व त्वरित कारवाई के निर्देश दिए हैं। बैठक में जिला वन अधिकारी की ओर से दिए गए सुझाव को ध्यान में रखकर अवैध खनन को रोकने के लिए गूगल मैप पर अंकित सभी खनन प्लाटों की समीक्षा कर उनके आसपास हो रहे अवैध खनन को रोकने के निर्देश दिए। बैठक में जिला कलेक्टर डॉ अर्तिका शुक्ला ने अधिकारियों को कहा जिलेभर में खनन कार्य नियमों के अनुरूप हो और अवैध खनन पर कडी निगरानी रखते हुए कारवाई करें जिससे जिले भर में अवैध खनन पर अंकुश लगे सके। जिला कलेक्टर पुलिस एवं वन विभाग को संवेदनशील क्षेत्र में अवैध खनन की रोकथाम को लेकर संयुक्त चौकी स्थापित करने के भी निर्देश दिए हैं। जिला कलेक्टर ने जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग अधीक्षण अभियंता धर्मेंद्र यादव सहित सभी ब्लॉक अभियंताओं की बैठक ली और जिलेभर में की जा रही पानी की आपूर्ति की समीक्षा करते हुए टैंकरों से की जा रही वाली पानी सप्लाई की जीपीएस के माध्यम से मॉनिटरिंग करने के निर्देश दिए। जल जीवन मिशन योजना के तहत कार्यों को समय अवधि में पूरा करने के लिए निर्देशित किया।

बैठक में अधीक्षण अभियंता धर्मेंद्र यादव ने बताया कि जल जीवन मिशन योजना के अन्तर्गत 163 ग्रामों को 100 प्रतिशत जल कनेक्शन जारी कर पेयजल से लाभान्वित किया जा चुका है। जल जीवन मिशन योजना के अन्तर्गत स्वीकृत 130692 जल कनेक्शन में 74542 जल कनेक्शन एवं 1086 स्कूल में से 1038 स्कूलों में जल कनेक्शन का कार्य पूर्ण कर पेयजल से लाभान्वित किया जा चुका है। 754 आंगनबाड़ी केंद्र में से 628 आंगनबाड़ी केंद्र पर जल कनेक्शन का कार्य पूर्ण कर लिया गया है, शेष रहे कनेक्शन को जल्द ही पूरा किया जाएगा।

जरूरतमंद बच्चों को निशुल्क शिक्षण सामग्री देने का निर्णय

- डॉ.बीआर अंबेड़कर चेतना समिति की बैठक
- उत्कृष्ट सेवा देने पर कन्हैयालाल व मांगीलाल बासीवाल को सम्मानित किया

सांभरझील, (निसं)। अंबेडकर भवन में डॉ.बीआर अंबेडकर चेतना समिति के अध्यक्ष विनोद दुलारिया की अध्यक्षता में बैठक का आयोजन किया गया। जिसमें समिति द्वारा अनाथ बच्चों को शिक्षण सामग्री उपलब्ध करवाने का निर्णय लिया गया। अनाथ एवं जरूरतमंद बच्चों को चिन्हित करने के लिए पांच सदस्यों की कमेटी का गठन किया गया।

इसमें जगदीश प्रसाद सांभरिया, प्रताप चंद बासीवाल, दिनेश चंद गोठवाल, दिनेश बंजारा, अभिलाष तंबोलिया को शामिल किया गया। इसी प्रकार आगामी बुद्ध पूर्णिमा महोत्सव पर 23 मई को देवयानी सरोवर मेले में समिति द्वारा मिनरल वाटर की स्टाल लगाकर लोगों की सेवा करने का निर्णय भी लिया गया। अंबेडकर जयंती कार्यक्रम में उत्कृष्ट सेवाएं देने पर कन्हैयालाल दोतानिया व मांगीलाल बासीवाल को स्मृति चिन्ह, प्रशस्ति पत्र एवं बाबा साहेब की तस्वीर भेंट कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के अंत में समिति मुख्य संरक्षक प्रोफेसर डॉ.ज्ञान प्रकाश दायमा ने सभी को धन्यवाद दिया। कार्यक्रम में प्रताप चंद बासीवाल, जगदीश प्रसाद सांभरिया , प्रभु दयाल उज्जैनिया, नानक राम गेहनोलिया, नंदकिशोर सांभरिया, गोपाल लाल नोगिया, मांगीलाल बासीवाल, कन्हैयालाल दोतानिया, दीनदयाल सबलानिया, शिवराम गेहनोलिया, सुनील बासीवाल, गौतम कुमार गेहनोलिया, प्रदीप गेहनोलिया, राजेश कुमार कचावटिया, रमेश कुमार बासीवाल, कामेश नोगिया, मनीष कुमार नोगिया, दिनेश चंद गोठवाल, सूरज कुमार सबलानिया, निहाल सबलानिया, दिनेश बंजारा, दिनेश कुमार गेहनोलिया, भंवरलाल बासीवाल, चुन्नीलाल सबलानिया, नरेंद्र गेहनोलिया सहित अनेक लोग मौजूद रहे।

अवैध जल कनेक्शन करने वालों पर हो कानूनी कार्यवाही : कलेक्टर

- कलेक्टर ने ली विभिन्न विभागों की समन्वय बैठक

कोटपूतली, (निसं)। जिला कलेक्टर कल्पना अग्रवाल ने सोमवार को विभिन्न विभागों की समन्वय बैठक ली। कलेक्टर ने जलदाय विभाग को निर्देश दिये कि गर्मी के मद्देनजर शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों में नियमित व पर्याप्त जलापूर्ति के इंतजाम रखें।

गर्मी में हीट वेव को देखते हुए चिकित्सा विभाग एवं जिला प्रशासन अलर्ट रहे। जिला कलेक्टर ने गर्मी को देखते हुए पेयजल आपूर्ति को नियमित तथा पर्याप्त रखने के निर्देश दिये। जलदाय विभाग शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में पर्याप्त जलापूर्ति रखें। जलापूर्ति नियमित अंतराल से की जायें। विभाग अवैध कनेक्शनों के खिलाफ भी सख्त कार्यवाही करें। इसके लिए प्रशासन को साथ लेकर कार्यवाही की जायें। कंटीजेंसी प्लान के तहत टैंकरों से जलापूर्ति करवाई जायें साथ ही एक बार अवैध कनेक्शन कट जाने के बाद यदि पुनः अवैध कनेक्शन किया जाता है तो उस व्यक्ति के खिलाफ कानूनी कार्यवाही करने के निर्देश दिये।

कलेक्टर ने विद्युत विभाग को निर्देश दिये कि वह पीएचइडी के साथ समन्वय करके प्रत्येक सप्ताह मिटिंग करें। इसी तरह उपभोक्ताओं की समस्याओं का शीघ्र समाधान किया जायें। सम्पर्क पोर्टल के प्रकरणों का भी जल्द निस्तारण किया जायें। उन्होंने चिकित्सा विभाग एवं जिला प्रशासन को निर्देश दिए कि हीट वेव को देखते हुए अलर्ट रहें। चिकित्सा विभाग सभी स्तर के अस्पतालों में विशेष इंतजाम रखे, नियमित एडवाइजरी जारी करें। मनरेगा व अन्य कार्य स्थलों पर छाया-पानी के विशेष इंतजाम रहें।

चिकित्सा विभाग मौसमी बीमारियों से बचाव का भी विशेष इंतजाम रखे। सार्वजनिक निर्माण विभाग सहित अन्य विभाग अपने कामों की गति बढ़ायें। उन्होंने सभी जिला स्तरीय अधिकारियों को अपने विभाग में आ रही समस्याओं को डीओ लेटर के माध्यम से जिला कलेक्ट्रेट कार्यालय को अवगत कराने के लिए कहा। निरीक्षण के दौरान सभी जगह पर पेयजल की व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए कहा। उन्होंने पशु-पक्षियों के लिए परिंडे व खेलियों की व्यवस्था करने के कार्य की सराहना की। साथ ही परिंडो व खेलियों में नियमित रूप से जल प्रबंधन के निर्देश दिये। उन्होंने नगर परिषद आयुक्त को परिषद क्षेत्र में भ्रमण कर साफ सफा व्यवस्था, नगर के सौंदर्यीकरण, सीवरेज लाईन सहित विभिन्न समस्याओं की एक वस्तुस्थिति रिपोर्ट तैयार कर कलेक्ट्रेट कार्यालय में प्रस्तुत करने के लिए कहा और शहर में अनावश्यक डिवाइडर हटाने की हिदायत भी दी। बैठक में एडीएम योगेश कुमार डागुर, एसी ओ रामनिवास, नगर परिषद आयुक्त धर्मपाल जाट, सीएमएचओ डॉ. आशीष सिंह शेखावत, जेवीवीएनएल के अधिशाषी अभियंता मनोज गुप्ता, पीएचइडी के अधिशाषी अभियंता आनंद मीना, ट्रेजरी ऑफि सर अशोक कुमार वर्मा, डीओआईटी के उपनिदेशक सुनील मीणा व अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

संतुलन बिगड़ने से ट्रैक्टर पौण्ड में गिरा, किसान की मौत

- मृतक खेत पर बने पौंड में जमा मिट्टी को ट्रैक्टर से बाहर निकाल रहा था

निवाई, (निसं)। गांव मूण्डिया में खेत पर काम करते एक किसान की मृत्यु हो गई। घटना की सूचना मिलते ही घटनास्थल पर ग्रामीणों की भीड जमा हो गई। घटना की जानकारी मिलने पर पंचायत समिति सदस्य मुरलीधर मीणा मौके पर पहुंचे और एंबुलेंस की सहायता से किसान को राजकीय सामुदायिक चिकित्सालय में लाया गया। ग्रामीणों ने सदर पुलिस को घटना की जानकारी दी।

सूचना मिलने पर सदर थाने के एएसआई बिरधीचंद राजकीय सामुदायिक चिकित्सालय पहुंचे। चिकित्सकों ने श्योजीराम प्रजापत पुत्र ग्यारसीलाल प्रजापत को मृत घोषित कर दिया। एएसआई बिरधीचंद ने बताया कि श्योजीराम प्रजापत पुत्र ग्यारसा प्रजापत उम्र 60 वर्ष अपने खेत पर बने फार्म पौंड में जमा मिट्टी को ट्रेक्टर से बाहर निकाल रहा था। इस दौरान संतुलन बिगडने से ट्रेक्टर फार्म पौण्ड में गिर गया जिससे किसान ट्रैक्टर के नीचे दब गया जिससे उसकी मौत हो गई। दोपहर करीब पौने तीन बजे परिवार की महिलाएं खेतों की ओर गई तो उनको श्योजीराम ट्रैक्टर के नीचे दबा हुआ दिखाई दिया। महिलाओं ने इसकी सूचना परिवारजनों को दी। घटना से गांव में शोक की लहर दौड गई एवं घर में कोहराम मच गया। मृतक किसान के तीन पुत्र और एक पुत्री है। पुलिस ने पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों को सौंप दिया।

पुलिस ने पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों को सौंप दिया।

महिला का शव मिलने से फैली सनसनी

कोटपूतली, (निसं)। कस्बे से होकर गुजर रहे गोपालपुरा रोड के ग्राम खरकडी मार्ग पर निर्माणाधीन खेल स्टेडियम के पास बबूल की झाडिय़ों में सोमवार तडक़े अज्ञात महिला का शव मिलने से सनसनी फैल गई।

प्राप्त जानकारी अनुसार सोमवार सुबह मौके पर शौच के लिये पहुँचे किसी ग्रामीण ने शव पडे होने की सूचना लोगों को दी। जिसकी जानकारी मिलते ही मौके पर एसएचओ राजेश शर्मा मय पुलिस जाप्ते के पहुंच गये। घटना की सूचना पर एएसपी नेमसिंह, डीएसपी राजेन्द्र बुरडक भी पहुँचे। प्राथमिक जाँच में महिला का शव करीब दो से तीन दिन पुराना, उम्र करीब 30 वर्ष एवं नीले रंग का सूट पहना हुआ था। महिला के हाथ पर काला धागा बंधा होने के साथ-साथ अंग्रेजी में पूजा भी लिखा हुआ था। मामले की सूचना पर कोटपूतली-बहरोड एसपी वंदिता राणा ने पुलिस मुख्यालय को सूचित कर एफएसएल टीम व डॉग स्कवॉयड को भी भेजा। अलवर से आई दोनों टीमों ने मौके से साक्ष्य एकत्रित किये।

फिलहाल मृतका की शिनाख्त नहीं हो सकी है। पुलिस ने उसके शव को पोस्टमार्टम के लिये राजकीय बीडीएम जिला चिकित्सालय के मुर्दाघर में रखवाया है। बताया जा रहा है कि मृतका को एक युवक के साथ हाल ही में गोपालपुरा रोड पर देखा गया था।

घटना स्थल के आसपास पुलिस द्वारा खंगाले गये सीसीटीवी फुटेज में भी इसकी पुष्टी हुई है। सूचना के अनुसार महिला के साथ मौजूद युवक किसी किराये के कमरे की तलाश में था। फिलहाल पुलिस अपने स्तर पर महिला का सुराग लगाने में जुटी हुई है। इसकी जानकारी विभिन्न जिला पुलिस को भी दी गई है। फिलहाल पुलिस किसी नतीजे पर नहीं पहुंची है। लेकिन फुटेज के आधार पर जाँच शुरू कर दी गई है। सूत्रों के अनुसार प्रथम दृष्टया महिला की हत्या किया जाना प्रतीत हो रहा है। सम्भवतया: किसी अन्य जगह पर महिला की हत्या कर शव मौके पर डाल दिया गया है।

सार-समाचार

पक्षियों के लिये बांधे परिंडे

टोंक, (निसं)। गर्मी के मौसम में दाने-पानी से व्याकुल पक्षियों की पीडा को समझते हुए जिला कलेक्टर डॉ. सौम्या झा एवं जिला प्रमुख सरोज बंसल परिंडे बांधने के लिए आगे आए। इसी के तहत सोमवार को कलेक्ट्रेट कार्यालय में जिला कलेक्टर एवं जिला प्रमुख ने पक्षियों की भूख-प्यास बुझाने को लेकर परिंडे बांधे एवं उनमे पानी डाला और कार्यालय के कार्मिकों को परिंडों की नियमित साफ-सफाई एवं इनमें प्रतिदिन दाना-पानी डालने के निर्देश दिए। इस अवसर पर एडवोकेट नरेश बंसल, पार्षद बीना जैन छामुनिया, जनसंपर्क कर्मी रिजवान अनीस समेत कलेक्ट्रेट एवं जिला परिषद के विभिन्न कार्मिक एवं अन्य लोग मौजूद रहे।

प्रकाश राजपुरोहित ने अति.पद संभाला

दूदू, (निसं)। जिला कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट दूदू के पद पर प्रकाश राजपुरोहित ने सोमवार को अतिरिक्त कार्य भार ग्रहण कर जिला स्तरीय अधिकारियों की बैठक लेकर आम जन से जुडे रोजमर्रा के कार्यों पर त्वरित कार्यवाही करने विभागों से संबंधित लंबित प्रकरणों का समय पर निस्तारण करने के निर्देश दिए। पुरोहित ने सभी अधिकारियों से विभिन्न जिला स्तरीय कार्यालयों के लिए भूमि आवंटन एवं अंतर विभागीय विषयों तथा दूदू से सांभर रोड के कार्यों की प्रगति के संबंध में जानकारी ली। इस दौरान अतिरिक्त जिला कलेक्टर गोपाल परिहार ने प्रशासनिक व विभागीय कार्यों की प्रगति से अवगत कराया। बैठक के दौरान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शिवलाल, जिला रसद अधिकारी सौरभ जैन, नगर परिषद आयुक्त शिकेश कांकरिया, विकास अधिकारी महेश सिंह, मुख्य चिकित्सा स्वास्थ्य अधिकारी सुनील कुमार, तहसीलदार मदन परमार, शाहिद जिला स्तरीय अधिकारी मौजूद रहे।

सीबीएसई बोर्ड में लहराया परचम

पावटा, (निसं)। पावटा प्रागपुरा कस्बे में संचालित एम. एम. पब्लिक स्कूल के छात्र-छात्राओं ने सीबीएसई द्वारा जारी परीक्षा परिणाम में अपना परचम लहराया तथा कक्षा 10 का परीक्षा परिणाम 100 प्रतिशत रहा। सीबीएसई द्वारा जारी परीक्षा परिणाम में विद्यालय में कॉमर्स विषय में आदित्य बंसल प्रागपुरा निवासी ने 94 प्रतिशत अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान प्राप्त किया। वही विज्ञान विषय में निशा शेखावत 88.60 प्रतिशत अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान पर रही। इसी प्रकार कक्षा 10 में छात्रा कोमल मेहता ने 97 प्रतिशत अंक प्राप्त करके कस्बे का नाम रोशन किया व द्वितीय स्थान पर आर्यन गुप्ता ने 94 प्रतिशत अंक प्राप्त करके विद्यालय का नाम रोशन किया। तृतीय स्थान पर कुमकुम यादव ने 93 प्रतिशत अंक प्राप्त करके तीसरा स्थान प्राप्त किया। इस पर विद्यालय चेयरमैन मनोज मित्तल ने सभी अध्यापकगण सहित छात्र छात्राओं का हौसला अफजाई किया। विद्यालय निदेशक प्रबंध महोदय अखिलेश्वर मिश्रा ने मिठाई खिलाकर सभी छात्र छात्राओं को इसी प्रकार नाम रोशन करने के लिए प्रेरित किया।

सड़कों का कार्य पूर्ण कराने की मांग

चौमूं/कालाडेरा, (निसं)। चौमूं विधानसभा क्षेत्र में सार्वजनिक निर्माण विभाग द्वारा स्वीकृत सडकों के निर्माण कार्य को अविलंब पूर्ण करवाने को लेकर सोमवार को पूर्व विधायक रामलाल शर्मा ने उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी को पत्र लिखा। उन्होंने पत्र में मुख्यमंत्री सडक योजनान्तर्गत चौमूं रावण गेट से अंडरपास तक स्वीकृत सडक के निर्माण कार्य को तत्काल शुरू करवाने के लिए लिखा। उक्त सडक पर यातायात दबाव अधिक होने से आये दिन दुर्घटनाएँ और ट्रेफ़िक जाम की स्थिति बनी रहती है साथ ही उन्होंने क्षेत्र की विभिन्न ग्राम पंचायतों कालाडेरा, विमलपुरा, घिनोई, मंडा भिडा, आष्टीकला, आलीसर, नांगल गोविंद, ढोढसर, सिंगोदकलाँ, सिंगोदखुर्द, धोबलाई, इटावाभोपजी, उदयपुरिया, कुशलपुरा, फतेहपुरा आदि में स्वीकृत सडकों का कार्य बंद होने के कारण ग्रामवासियों को काफ़ी परेशानी का सामना करना पड रहा है। पूर्व विधायक रामलाल शर्मा ने सार्वजनिक निर्माण विभाग मंत्री दिया कुमारी से दूरभाष से वार्ता कर क्षेत्र की स्वीकृत सडकों का कार्य अविलंब पूर्ण करवाने के लिए कहा। जिस पर मंत्री ने जल्द ही कार्य प्रारंभ करवाने की बात कही।

उपखंड स्तरीय साप्ताहिक समीक्षा बैठक

टोंक, (निसं)। उपखंड अधिकारी टोंक राहुल सैनी ने सोमवार को अपने कक्ष में उपखंड स्तरीय अधिकारियों की साप्ताहिक समीक्षा बैठक ली। बैठक में एसडीएम सैनी ने सभी ब्लॉक स्तरीय अधिकारियों से उनके विभागवार प्रगति रिपोर्ट के संबंध में समीक्षा करते हुए आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने बैठक में उपस्थित अधिकारियों को निर्देशित किया कि वह अपने-अपने विभाग से संबंधित जनसुनवाई, संपर्क पोर्टल एवं सतर्कता तथा विभिन्न आयोगों से प्राप्त प्रकरणों का तय समयावधि में नियमानुसार निस्तारण करें, जिससे आमजन को तत्काल राहत प्रदान की जा सके। उन्होंने गर्मी के मौसम को देखते हुए बिजली एवं पानी की समस्या के समाधान के लिए जेवीवीएनएल व पीएचईडी तथा आरयूआईडीपी के अधिकारियों को लोगों की समस्याएं दूर करने के लिए कहा। इसके साथ ही, उन्होंने हरित टोंक अभियान को सफल बनाने के लिए सभी अधिकारियों जनप्रतिनिधियों, भामाशाहों एवं आमजनों को प्रेरित करने के निर्देश दिए। साप्ताहिक समीक्षा बैठक में टोंक तहसीलदार रामधन गुर्जर, विकास अधिकारी सविता राठौड एसीबीईओं टोंक समेत अन्य ब्लॉक स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

निवाई, (निसं)। शहर के वार्ड नम्बर 11 व 12 के वार्ड वासियों ने जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपकर पानी सप्लाई के समय विद्युत कटौती करवाने की मांग की है।

खैरथल में रेलवे फाटक के दोनों ओर सड़क पर गड्ढे बने मुसीबत, दुर्घटनाओं को दे रहे निमंत्रण

खैरथल, (निसं)। कलेक्टर कार्यालय से थोड़ी ही दूरी पर खैरथल शहर का रेलवे फाटक सडक के दोनों और बडे-बडे गड्ढे व शहर में सड़क के दोनों और दुकानों के बाहर खडे ठेली रैडी वाहन आमजन के लिए कोढ़ में खाज का काम किए हुए हैं। अक्सर रेलवे फाटक व मुख्य सडक मार्ग पर रहने वाली यातायात जाम की स्थिति से अधिकारी जनप्रतिनिधि सब वाकिफ हैं लेकिन समाधान के लिए कोई प्रयास नहीं करता। शहर में अतिक्रमण हटाओ अभियान तो चला परंतु अतिक्रमण वही का वही जमा है।

शहर के मध्य स्थित रेलवे फाटक और रेलवे अंडरपास यातायात व्यवस्था के अत्यधिक दबाव को सहन करने के लिए नाकाफी है उसमें भी हर रोज लगभग 85 ट्रेनों को पास करने के लिए रेलवे फाटक को बार बार बन्द करने के समय हालात ऐसे बन जाते हैं कि एक बार फाटक खोला तो दूसरी ट्रेन को पास करने के लिए बन्द करने में गेटमैन के पसीने छूट जाते हैं। कई बार तो रेलवे ट्रैक पर वाहनों के आपस में उलझे होने से फाटक को बंद करने के लिए पुलिस जाप्ता बुलाने की नौबत आ जाती है। इस रेलवे फाटक से किसानों की फसल के भरे हुए ट्रैक्टर बडी तादाद में निकलते हैं और आए दिन गड्ढों में ट्रैक्टर के हुक टूटने से फस जातें हैं बाद में क्रेन बुलाकर ट्रैक्टर निकालने पडते हैं।

जब तक फाटक बन्द हो तब तक ट्रेनों को आउटर सिग्नल पर खडे रहने के हालात भी अनेकों बार देखने को मिले हैं। शहर में सबसे ज्यादा जाम अग्रसेन सर्किल से झूलेलाल मंदिर तक रहता है किन्तु प्रशासन ने कभी इसके कारणों का पता लगाने की जरूरत ही नहीं समझी। अग्रसेन सर्किल के इर्द-गिर्द रोडवेज और निजी बसों के अतिरिक्त डग्गामार वाहनों की भरमार के बीच खोमचे वाले, फ़ल फ्रूट वाले आदि वेंडरों की ठेलियों के जमे रहने के अलावा अधिकांश दुकानदारों द्वारा अपने आगे सब्जी इत्यादि की तख्त लगा कर मोटे किराये पर चलाने से मछली बाजार जैसे दृश्य कभी भी देखा जा सकता है।

जबकि यहां से रेलवे स्टेशन, जयपुर, अलवर, ततारपुर व घाटला पडीसल की तरफ जाने वाले रोड है और लगभग एक दर्जन निजी विद्यालयों को यहीं से होकर जाना आना होता है और इसी सर्किल पर शहर की सबसे बडी धर्मशाला व तीन बैंक भी है। इस सर्किल से शुरू होने वाले बाजार में दुकानदारों द्वारा डिस्प्ले कर दुकानों के आगे सड़क पर रखा सामान, अस्त व्यस्त दुपहिया और चौपहिया वाहनों की पार्किंग के जाम लगा रहता है। महावर भवन (धर्मशाला) में कोई विवाह आदि समारोह होने पर इतनी बुरी तरह से वाहनों को पार्किंग किया जाता है कि जाम में फंसे वाहन चालक कराहने लगते हैं पास में ही दो तीन बैंक होने से वहां भी जाम की स्थिति बनी रहती है।

उधर किशनगढ़ रोड पर स्थित सब्जी मंडी के बाहर सुबह से घंटों तक माल उतारते भरते ट्रक, पिकअप, रिक्शे और रेहड़ियों के कारण और दस बजे से तीन बजे तक बैंक के बाहर अस्त व्यस्त दुपहिया वाहनों की पार्किंग, खोमचे, फ़ल फ्रूट ठेलियों के कारण जाम लगा रहता है। लगभग यही हालत चालीस फुटा रोड पर रहती है तो हेमू कालाणी चौक से रेलवे स्टेशन की ओर जाने वाले रास्ते पर दुकानदारों ने दस दस फीट तक सामान को सडक पर फैला कर डिस्प्ले किया हुआ है। रोडवेज बसों के लिए कोई बस स्टैंड नहीं होने से सड़क किनारे खडी करने, वहीं पर बस को घुमाने से जाम लगा रहता है।

रेलवे फाटक पर जाम के साथ एक और बडी समस्या यह है कि फाटक के एक छोर से दूसरे छोर तक सडक पर बने गड्ढे जो हमेशा दुर्घटना को न्यौता देते हैं। ओवर लोड भरकर निकलने वहां कब पलट जाए इसका किसी को नहीं पता। यह गड्ढे पैदल निकलने वाले राहगीरों के लिए कोढ में खाज काम कर रहे हैं। इन गड्ढों के कारण वाहनों के कमानी पटे अक्सर टूटते रहते हैं। ओवरलोड ट्रेक्टर ट्राली का हुक इन्हीं गड्ढों के कारण टूट ता है और दो घंटे की मशक्कत के बाद क्रैन की मदद से ट्राली को हटा कर मार्ग प्रशस्त किया जाता है।

राजस्थान आवासन मण्डल, खण्ड-भिवाडी

क्रमांक-78 **आवश्यक सूचना** दिनांक-30.04.2024

मूलतः श्रीमती मधुबाला गौड द्वारा पंजीकरण संख्या RHB/042854 के द्वारा मुख्यमंत्री जन आवास योजना पंजीकरण वर्ष 2021 में अल्प आय वर्ग का फ्लैट आवंटन हेतु पंजीकरण करवाया गया था। मण्डल द्वारा उक्त पंजीकरण के आधार पर फ्लेट संख्या 14/08 FF अरावली विहार योजना, भिवाडी में आवंटित किया गया है। श्रीमती मधुबाला गौड की मृत्यु दिनांक 29.11.2023 को हो चुकी है।
श्री चेतन्य कुमार गौड ने प्रार्थना पत्र, आवश्यक प्रपत्र एवं श्रीमती मधुबाला गौड की मृत्यु का प्रमाण पत्र, शपथ पत्र, अन्य वारिसानों के घोषणा पत्र एवं अन्य वांछित प्रपत्र प्रस्तुत कर निवेदन किया है, कि इनकी माताजी का स्वर्गवास दिनांक 29.11.2023 को हो जाने के कारण उपरोक्त फ्लेट संख्या 14/08 FF अरावली विहार, भिवाडी का मृत्यु उपरान्त नाम हस्तान्तरण उनके नाम किया जाये।
अत जरिये इस विज्ञप्ति यह आगाह किया जाता है कि उक्त फ्लेट संख्या 14/08 FF अरावली विहार, भिवाडी के संबंध में पिता, पुत्र, पुत्रियाँ, भाई व अन्य किसी रिश्तेदार को किसी प्रकार का किसी भी व्यक्ति विशेष या हितकारी को एव आम व्यक्ति को उजर एतराज हो तो वह इस विज्ञप्ति के प्रकाशित होने के 10 दिवस में आवासीय अभियन्ता, राजस्थान आवासन मण्डल खण्ड भिवाडी में अपना एतराज लिखित में प्रस्तुत करें अन्यथा श्री चेतन्य कुमार गौड पुत्र श्री रमेश कुमार गौड के पक्ष में उपरोक्त फ्लेट संख्या 14/08 FF अरावली विहार, भिवाडी जिला अलवर का मृत्यु उपरान्त नाम हस्तान्तरण किये जाने की कार्यवाही की जावेगी।

आवासीय अभियन्ता, राजस्थान आवासन मण्डल, खण्ड भिवाडी

कार्यालय नगर पालिका पावटा-प्रागपुरा (कोटपूतली-बहरोड़)
नवोदय स्कूल के पास पावटा-303106 राज.
फोन-01421-294619, Email: Nagarpalikapaotapragpura@gmail.com, Website: www.Paotapragpura.com
क्रमांक-न.पा.पाव.प्रा./2024-25/0077 दिनांक-13.05.2024

आपत्ती आमंत्रण सूचना

निम्न आवेदकों ने नगरपालिका कार्यालय में आवासीय भूखण्ड निर्माण स्वीकृति पत्रावली पालिका कार्यालय में प्रस्तुत की है उक्त पत्रावलियों में किसी को कोई आपत्ति हो तो 07 कार्य दिवस में नगरपालिका कार्यालय में आपत्ती प्रस्तुत करें अन्यथा पत्रावलयों पे अग्रिम कार्यवाही की जायेगी।

क्र. सं.	आवेदक का नाम	खसरा संख्या	क्षेत्रफल	भूखण्ड के पडोस की सीमाओं का विवरण			
				उत्तर	पूर्व	दक्षिण	पश्चिम
1	श्री सुभाष चन्द गोयल पुत्र श्री सत्यनारायण गोयल	1301 पावटा	167.22 वर्गमीटर	प्रेमचन्द का मकान	भगवान सहाय यादव की भूमि	गोपाल शर्मा का प्लॉट	30 फीट आम रास्ता

अधिशाषी अधिकारी
नगरपालिका पावटा-प्रागपुरा

आवश्यकता

आवश्यकता है पार्ट टाइम कम्प्यूटर ऑपरेटर्स की जो हिन्दी में पेजमेकर, क्वार्क और वर्ड में काम कर सकें।
समयः सांय 8.00 से 12.00
सम्पर्क करें: प्रोडक्शन मैनेजर
राष्ट्रदूत
चमेली वाला मार्केट, जयपुर

नई आक्रामक नीति के कारण उनकी टीम को लगातार पांच मैचों में जीत मिली है। हम इसी तरह की क्रिकेट खेलना चाहते हैं और हमें गर्व है कि हमने एक साथ प्रदर्शन किया। यह पूरा आत्मविश्वास का खेल है। – फाफ डुप्लेसी

आरसीबी के कप्तान, टीम के हालिया प्रदर्शन पर कहा।

आज का खिलाड़ी ▶ **श्याम निखिल**

पी. श्याम निखिल हाल ही में दुबई पुलिस मास्टर्स शतरंज टूर्नामेंट में अपना तीसरा और अंतिम ग्रैंडमास्टर नॉर्म हासिल करके भारत के 85वें ग्रैंडमास्टर बन गए। 8 साल की उम्र में शतरंज खेलना शुरू करने वाले श्यामनिखिल को तीसरे नॉर्म के साथ इस उपलब्धि के लिए 12 साल का इंतजार करना पड़ा। श्याम निखिल को लंबे समय से प्रतीक्षित जीएम नॉर्म पूरा करने के लिए सिर्फ एक जीत और आठ ड्रॉ की जरूरत थी, उन्होंने दुबई में खेले गये टूर्नामेंट में हासिल किया। इस 31 वर्षीय खिलाड़ी ने 2012 में दो ग्रैंडमास्टर नॉर्म के साथ 2500 ईएलओ रेटिंग अंक हासिल कर लिये थे।

क्या आप जानते हैं ?... गोल्फ एकमात्र ऐसा खेल है जिसे चांद पर भी खेला गया है। 6 फरवरी, 1971 को एलन शेफर्ड नामक अंतरिक्ष यात्री ने चन्द्रमा पर गोल्फ के दो स्ट्रोक खेले।

चेन्नई में धोनी के मंदिर बनाए जाएंगे : रायडू

चेन्नई, 13 मई। चेन्नई सुपर किंग्स के पूर्व खिलाड़ी अंबाती रायडू ने ये दावा करके सनसनी फैला दी है कि आने वाले सालों में चेन्नई में एमएस धोनी के मंदिर बनाए जाएंगे। उनका ये बयान सीएसके की राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ अहम जीत के बाद आया है, जिससे उनकी आईपीएल 2024 प्लेऑफ की उम्मीदें बरकरार हैं। अंबाती रायडू ने कहा कि, वह चेन्नई के भगवान हैं और मुझे यकीन है कि आने वाले समय में चेन्नई में धोनी के मंदिर बनाए जाएंगे। वह ऐसे शख्स हैं, जिन्होंने भारत को 2 वर्ल्ड कप का आनंद दिलाया और चेन्नई को कई आईपीएल और चेन्नई को कई आईपीएल और चैंपियंस लीग खिताब दिलाए। वह एक ऐसे शख्स हैं, जो अपने खिलाड़ियों पर विश्वास दिखाते हैं, जिसने हमेशा टीम, देश और चेन्नई के लिए ऐसा किया है। एमएस धोनी की मौजूदा फिटनेस और उनकी बढ़ती उम्र को देखकर कयास लगाए जा रहे हैं कि चेन्नई सुपर किंग्स के लिए आईपीएल 2024 आखिरी सीजन होने वाला है। अगर ये सही है तो उन्होंने सीएसके के लिए चेन्नई में आखिरी मुकाबला खेल लिया है और धोनी भी यही चाहते थे। अगर चेन्नई दूसरे क्वालीफायर और फाइनल तक पहुंचती है तो चेन्नई के फैंस एक बार फिर उन्हें होम ग्राउंड पर देख पाएंगे।

टी-20 वर्ल्ड कप के लिए नीदरलैंड टीम का ऐलान
स्कॉट एडवर्ड्स को मिली कमान

नीदरलैड, 13 मई। रॉयल डच क्रिकेट संघ ने आगामी टी20 वर्ल्ड कप के लिए नीदरलैंड स्क्वॉड का ऐलान किया है। जहां स्कॉट एडवर्ड्स को टीम की कमान सौंपी गई है।ये डच राष्ट्रीय टीम का लगातार तीसरा आईसीसी टूर्नामेंट है, जिसने 2022 टी20 वर्ल्ड कप और 2023 वनडे वर्ल्ड कप के लिए क्वालीफाई किया है। टीम टी–20 विश्व कप अभियान की शुरुआत चार जून को डलास में नेपाल के खिलाफ करेगी। इसके चार दिन बाद उसके सामने न्यूयॉर्क में दक्षिण अफ्रीका की मजबूत चुनौती होगी। उसके आखिरी दो ग्रुप मैच बांग्लादेश (13 जून) और श्रीलंका (17 जून) के खिलाफ हैं। वहीं कप्तानएडवर्ड्स ने नीदरलैंड के लिए 56 टी–20 अंतरराष्ट्रीय में 122 की स्ट्राइक–रेट से 671 रन बनाए हैं। टीम में भारतीय मूल के क्रिकेटरों तेजा निदामानुरु, विक्रम सिंह और आर्यन दत्त को भी शामिल किया गया है। टीम के कोच रयान कुक ने कहा है कि, हम एक अच्छी तरह से संतुलित टीम का चयन करने में सक्षम हैं और हमें विश्वास है कि हम अमेरिका और वेस्टइंडीज में विपक्षी टीमों के खिलाफ अच्छा प्रदर्शन करेंगे। नीदरलैंड के स्कॉड में स्कॉट एडवर्ड्स (कप्तान), आर्यन दत्त, बास डी लीडे, डेनियल डोरम, फ्रेड क्लासेन, काइल क्लेन, लोगान वैन बीक, मैक्स ओ डोड, माइकल लेविट, पॉल वैन मीकेरेन, साइब्रांड एंगेलब्रेक्ट, तेजा निदामानुरु, टिम प्रिंगल , विक्रम सिंह और वेस्ले बर्रेसी मौजूद रहेंगे।

कोरियाई सांस्कृतिक केन्द्र भारत के छह ताइक्वांडो छात्रों ने भारतीय राष्ट्रीय टीम में बनायी जगह

नयी दिल्ली, 13 मई। कोरियाई सांस्कृतिक केंद्र भारत के छह ताइक्वांडो छात्रों को भारतीय राष्ट्रीय टीम में स्थान मिला है। ये प्रतिभाशाली छात्र 14 मई को वियतनाम के दा नांग में शुरू होने जा रही एशियाई ताइक्वांडों चैम्पियनशिप में भाग लेंगे। इसका श्रेय कोरियाई सांस्कृतिक केन्द्र भारत के विशेषज्ञ ताइक्वांडो प्रशिक्षक ली वानयोंग को जाता है। वह भारतीय टीम के कोच भी हैं। कोरियाई सांस्कृतिक केंद्र भारत के प्रतिभाशाली छह छात्र अविनाश कुमार साहनी, अनुराग यादव, शिल्पा थापा, हर्षवद्धर्न गुरुंग, कुणाल कुमार और रितिका नेगी इस प्रतियोगिता में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे। एथलीट दो श्रेणियों – पूमसे और क्योरुगी में प्रतिस्पर्धा करेंगे। इसके अतिरिक्त भारतीय युवाओं को ताइक्वांडो की ओर आकर्षित करने के लिये, कोरियाई सांस्कृतिक केंद्र भारत ने इंडिया ताइक्वांडो के साथ मिलकर एक अहम समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किये हैं। यह समझौता दिल्ली में कोरियाई सांस्कृतिक केंद्र के निदेशक, इल योंग और इंडिया ताइक्वांडो के अध्यक्ष नामदेव संपत शिरगांवकर ने की है। इस समझौते के अंतर्गत, भारत ताइक्वांडो और कोरियाई सांस्कृतिक केंद्र भारत साझा शैक्षिक पहलों का संचालन करेंगे, जिसमें ताइक्वांडो की शिक्षा, प्रतियोगितायें, प्रशिक्षण शिविर, कोरियाई सांस्कृतिक ताइक्वांडो अभियान, और राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मंचों पर प्रतिनिधित्व के लिये प्रशिक्षण कार्यक्रम शामिल हैं। ये पहलें मार्शल आर्ट्स के छात्रों की क्षमता और आत्म–विश्वास को बढ़ाने के साथ–साथ उन्हें आगे चलकर इस खेल में देश का प्रतिनिधित्व करने के लिये उत्साहित करेंगी। इंडिया ताइक्वांडो, भारतीय ताइक्वांडो खेल का प्रबंधन संस्थान है और यह विश्व ताइक्वांडो तथा एशियाई ताइक्वांडो का सदस्य भी है। कोरियाई सांस्कृतिक केंद्र भारत के निदेशक इल योंग ने कहा, हम भारत में ताइक्वांडो के उन्नित के लिये अथक प्रयास जारी रखेंगे। स्कूली शिक्षा में ताइक्वांडो की कक्षायें और विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम छात्रों को कोरियाई संस्कृति से परिचित कराने के साथ–साथ उनके भविष्य की दिशा में नई उम्मीदें और संभावनायें भी खोलेंगे। भारत ताइक्वांडो के प्रमुख नामदेव संपत शिरगांवकर ने साथ कहा, ताइक्वांडो की उत्पत्ति कोरिया में हुई थी, और इसे भारत में कोरियाई सांस्कृतिक केंद्र के सहयोग से विकसित करना हमारे लिये एक गौरव की बात है।

बारिश बनी विलेन

गुजरात टाइटंस प्लेऑफ की रेस से बाहर

गुजरात-कोलकाता मैच बारिश के कारण रद्द, दोनों टीमों को एक-एक अंक मिला

गुजरात, 13 मई। आईपीएल–2024 में गुजरात टाइटंस और कोलकाता नाइट राइडर्स का मैच बारिश के कारण रद्द कर दिया गया है। इसी के साथ गुजरात की टीम मौजूदा सीजन की प्लेऑफ रेस से बाहर हो गई। दूसरी ओर, टॉप–2 में कोलकाता की जगह पक्की हो गई है। अहमदाबाद में सोमवार शाम से रात तक बारिश होती रही। ऐसे में अंपायर्स ने दोनों कप्तानों से चर्चा कर मैच रद्द करने का फैसला किया। दोनों टीमों को एक–एक अंक दिए गए। इस मैच के एक अंक के साथ के 19 अंक हो गए, जबकि गुजरात के पास 11 अंक ही हैं और टीम 16 मई को सनराइजर्स हैदराबाद से जीतकर भी 13 अंक तक ही पहुंच सकती है। जो क्वालिफाई करने के लिए काफी नहीं है। दूसरी ओर कोलकाता ने टॉप–2 में रहना कन्फर्म कर लिया है। क्योंकि पॉइंट्स टेबल की कोई भी टीम अब 19 या उससे ज्यादा पॉइंट हासिल नहीं कर पाएगी।

थाईलैंड ओपन में भारतीय चुनौती की अगुआई करेंगे सात्विक-चिराग

थाईलैंड, 13 मई। सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की स्टार पुरुष युगल जोड़ी मंगलवार से यहां शुरू हो रहे थाईलैंड ओपन सुपर 500 टूर्नामेंट में भारतीय चुनौती की अगुआई करेगी। पेरिस ओलंपिक में स्वर्ण पदक की दावेदार भारत की इस शीर्ष वरीय जोड़ी को थॉमस कप में इंडोनेशिया और चीन के खिलाड़ियों की सर्विस का सामना करने में थोड़ी मुश्किल हुई थी।

सात्विक और चिराग की जोड़ी अपने अभियान की शुरुआत नूर मोहम्मद अजरिन अयूब अजरिन और टेन वी कियोंग की मलेशिया की जोड़ी के खिलाफ करेगी तो उनकी नजरें अपने प्रदर्शन में सुधार पर टिकी होंगी। पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालीफाई कर चुके खिलाड़ियों ने अपने कौशल को निखारने पर काम किया है और बीडब्ल्यूएफ विश्व टूर प्रतियोगिताओं में उन्हें अपने नए शॉट और बदलाव को परखने का शानदार मौका मिलेगा।

विश्व चैंपियनशिप और एशियाई खेलों के कांस्य पदक विजेता भारत के शीर्ष एकल खिलाड़ी एचएस प्रणय को मौजूदा सत्र में स्वास्थ्य समस्याओं से जूझने के बाद लय हासिल करनी होगी। इंडोनेशिया के एंथोनी गिनटिंग के खिलाफ जीत से प्रणय का आत्मविश्वास बढ़ा होगा लेकिन चीन के शी युकी के खिलाफ हार से वह परेशान होंगे क्योंकि उन्हें करीबी मुकाबले जीतने की जरूरत है। किरण जॉर्ज और सतीश कुमार करूणाकरण भी एकल वर्ग में चुनौती पेश कर रहे हैं जबकि लक्ष्य सेन और पीवी सिंधू पिछले हफ्ते टूर्नामेंट के ड्रॉ की घोषणा से पहले प्रतियोगिता से हट गए।

किरण को पहले दौर में चीन के ऑस्ट्रेलिया ओपन विजेता वेंग होंग यैंग से भिड़ना है जबकि सतीश अपने अभियान की शुरुआत क्वालीफायर के खिलाफ करेंगे। सिंधू की गैरमौजूदगी में महिला एकल में भारत की नजरें अश्मिता चालिहा, मालविका बंसोड़ और आकर्षी कश्यप पर रहेंगी। अश्मिता को पहले दौर में इंडोनेशिया की ईस्टर नुरूमी त्री वारडोयो से भिड़ना है जबकि मालविका को चीन की शीर्ष वरीय हेन युई के खिलाफ खेलना है। आकर्षी का सामना पहले दौर में थाईलैंड की बुसानन ओंगबैमरुंगफान से होगा।

घुटने की चोट के कारण इंग्लैंड लौटे पंजाब के लिविंगस्टोन

नयी दिल्ली, 13 मई। पंजाब किंग्स के हरफनमौला खिलाड़ी लियाम लिविंगस्टोन अगले महीने होने वाले टी20 विश्व कप से पहले घुटने की चोट से उबरने के लिए सोमवार को इंग्लैंड लौट गए। पंजाब किंग्स की टीम 12 मैच में सिर्फ चार जीत के साथ पहले ही इंडियन प्रीमियर लीग के प्ले ऑफ की दौड़ से बाहर हो चुकी है और अभी आठ अंक के साथ अंक तालिका में अंतिम स्थान पर है। लिविंगस्टोन ने इंस्टाग्राम पर लिखा, ''आईपीएल का एक और साल हो गया, आगामी विश्व कप के लिए अपने घुटने को ठीक कराना पड़ेगा।''

उन्होंने लिखा, ''पंजाब किंग्स के प्रशंसकों को उनके प्यार और समर्थन के लिए एक बार फिर धन्यवाद। टीम और निजी तौर पर निराशाजनक सत्र लेकिन हमेशा की तरह मैंने आईपीएल में हर मिनट खेलने का लुत्फ उठाया।'' स्वदेश लौटने के कारण लिविंगस्टोन राजस्थान रॉयल्स (15 मई) और सनराइजर्स हैदराबाद (19 मई) के खिलाफ पंजाब किंग्स के अंतिम दो मैच के लिए उपलब्ध नहीं होंगे। लिविंगस्टोन की चोट गंभीर नहीं है लेकिन 'ईएसपीएनक्रिकइंफो' के अनुसार इंग्लैंड के टीम प्रबंधन ने 22 मई से पाकिस्तान के खिलाफ शुरू हो रही घरेलू टी20 श्रृंखला से पहले उन्हें उपचार के लिए अधिक समय देने का फैसला किया है।

रोहित शर्मा और जय शाह ने लॉन्च की टीम इंडिया की जर्सी

मुंबई, 13 मई। टी20 वर्ल्ड कप 2024 के लिए एडिडास ने हाल ही में भारतीय जर्सी की झलक सभी के सामने पेश की। वहीं अब बीसीसीआई ने आधिकारिक रूप से जर्सी लॉन्च कर दी है। रोहित शर्मा और सचिव जय शाह ने नरेंद्र मोदी क्रिकेट स्टेडियम में जर्सी प्रस्तुत की। टी20 वर्ल्ड कप 2024 के लिए भारत का शेड्यूल इस प्रकार है। भारत बनाम आयरलैंड– 5 जून, भारत बनाम पाक–9 जून, भारत बनाम यूएस– 12 जून, भारत बनाम कनाडा– 15 जून को मैच होंगे।

राजस्थान रॉयल्स को बीच में छोड़ देश लौटे बटलर

जयपुर, 13 मई। आईपीएल 2024 के सबसे अहम पड़ाव पर राजस्थान रॉयल्स को बड़ा झटका लगा है। राजस्थान रॉयल्स के सबसे अहम खिलाड़ी जोस बटलर सोमवार को इंग्लैंड के लिए रवाना हो गए। इसके अलावा कुछ अन्य विदेशी खिलाड़ी भी अपने देश लौट रहे हैं। इसी तर्ज पर आरसीबी के विल जैक्स और रीस टॉप्ले ने भी घर वापसी करनी शुरू कर दी है।

वहीं विल जैक्स के वापस लौटने से आरसीबी को भी मुश्किल का सामना करना पड़ा है, जो पिछले पांच मैचों से लगातार जीत रही है। बता दें इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड ने आईपीएल में अपने खिलाड़ियों के लिए डेडलाइन तय कर रखी थी। वहीं राजस्थान की टीम ने जोस बटलर का एक वीडियो भी शेयर किया है। इस वीडियो के कैप्शन में लिखा है– हम आपको मिस करेंगे बटलर। इस वीडियो में बटलर टीम को गुडबाय कर रहे हैं। कार में बैठते हुए वह ये भी कर रहे हैं अगली मुलाकात में आपके हाथ में आईपीएल ट्रॉफी नजर आनी चाहिए। बता दें कि राजस्थान वैसे तो पॉइंट्स टेबल में दूसरे नंबर पर है। लेकिन उसने अभी तक प्लेऑफ में क्वॉलीफाई नहीं किया है। ऐसे में उसे बटलर की कमी खलेगी, जिन्होंने इस सीजन में राजस्थान रॉयल्स के लिए दो शतक समेत 11 मैचों में 359 रन बनाए हैं।

विश्व कप के बाद रोहित शर्मा टी–20 फॉर्मेट को कह सकते हैं अलविदा

मुंबई, 13 मई। जून में टी20 वर्ल्ड कप का आगाज होने जा रहा है। जिसके लिए दुनिया की 20 टीमों ने कमर कस ली है। इसके साथ ही भारतीय टीम की अगुवाई रोहित शर्मा करेंगे, जिसके बाद वो टी20 फॉर्मेट को अलविदा कह सकते हैं। दरअसल, माना जा रहा है कि भारतीय टीम रोहित शर्मा की कप्तानी में टी20 वर्ल्ड कप में जो भी आखिरी मुकाबला खेलेगी, वह उनका आखिरी टी20 इंटरनेशनल मैच होगा। इसके पीछे का कारण ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या हैं।

बता दें कि, दैनिक जागरण की एक रिपोर्ट के अनुसार, बीसीसीआई हार्दिक पंड्या को आगे इसलिए टी20 टीम का कप्तान बनाना चाहती है, क्योंकि वे ऑलराउंडर हैं। इसी कारण से उनको टी20 वर्ल्ड कप जैसे मेगा इवेंट के लिए उपकप्तान बनाया गया है। इसके अलावा रोहित शर्मा के पास खुद को शॉर्ट फॉर्मेट में साबिक करने का भी आखिरी मौका है। रोहित शर्मा भले ही टीम इंडिया के कप्तान हैं, लेकिन वे हार्दिक पंड्या की कप्तानी में मुंबई इंडियंस के लिए खेल रहे हैं।

10 साल तक मुंबई इंडियंस के कप्तान रहे रोहित शर्मा को फ्रेंजाइजी ने कप्तानी से हटा दिया और हार्दिक पंड्या को कप्तानी की जिम्मेदारी सौंप दी। इसके बाद से ही रोहित शर्मा और हार्दिक पंड्या के बीच कुछ भी ठीक नहीं चल रहा है। यहां तक मुंबई इंडियंस प्लेऑफ की रेस से भी बाहर हो गई है। इससे फैंस भी नाखुश हैं और वे एमआई को उस तरह से सपोर्ट नहीं कर रहे हैं।

वहीं रोहित शर्मा के रिटायमेंट के पीछे उनकी उम्र भी है। रोहित शर्मा 37 के पार हो चुके हैं जबकि हार्दिक पंड्या अभी 30 के करीब हैं। ऐसे में भविष्य को देखते हुए हार्दिक पंड्या को बीसीसीआई कम से कम टी20 टीम का कप्तान बनाने के बारे में सोच ही है। क्योंकि वे सिर्फ व्हाइट बॉल क्रिकेट में नजर आते हैं। टी20 क्रिकेट भी रोहित शर्मा ने नवंबर 2022 के बाद से ज्यादा नहीं खेला। वे तीन मैच टी20 वर्ल्ड कप 2024 से पहले खेले हैं, जिनमें दो बार वे शून्य पर आउट हुए और एक मैच में शतक जड़ा। आईपीएल 2024 में भी रोहित शर्मा की फॉर्म अच्छी नहीं है। हालांकि, शुरुआत उन्होंने अच्छी की थी।

हमारा सारा ध्यान ओलंपिक की तैयारी और प्रदर्शन की निरंतरता पर होगा : राहिल

बेंगलुरु, 13 मई। भारतीय हॉकी टीम के मिडफिल्डर मोहम्मद राहिल मोहसिन ने कहा कि एफआईएच लीग में हमारा सारा ध्यान पेरिस ओलंपिक की तैयारियों और प्रदर्शन में निरंतरता पर होगा। राहिल ने कहा, मुझे लगता है कि मुख्य ध्यान ओलंपिक की तैयारी पर है। मेरा मानना है कि हमारा पिछला प्रशिक्षण वास्तव में अच्छा था। मेरा मानना है कि एफआईएच प्रो लीग मैचों से टीम को और मुझे मदद मिलेगी। मैं कई बार टीम से अंदर–बाहर होता रहा हूं, इसलिए पेरिस 2024 ओलंपिक के लिए टीम में जगह पक्की करने का यह सही मौका होगा।

अखिल भारतीय कुश्ती महासंघ ने खंडेलवाल को दिया समर्थन

नयी दिल्ला, 13 मई। अखिल भारतीय कुश्ती महासंघ ने दिल्ली के चांदनी चौक से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) प्रत्याशी प्रवीन खंडेलवाल को सोमवार को अपना पूरा समर्थन दिया। महासंघ ने दिल्ली के सिविल लाइन्स में एक आयोजन में श्री खंडेलवाल को श्रीहनुमान की गदा भेंटकर सम्मानित कर अपने पूर्ण सहयोग का भरोसा दिया। इस अवसर पर श्री खंडेलवाल ने वहां उपस्थित द्रोणाचार्य पुरस्कार से 2016 में सुसज्जित माना सिंह राव और 2015 में सुसज्जित राज सिंह को मंच पर बुला कर सम्मानित किया तथा कुश्ती के क्षेत्र में उनके योगदान की सराहना की। उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भारत की खेल संस्कृति को विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, जिसमें कुश्ती का भी महत्वपूर्ण स्थान है। देश भर में कुश्ती को बढ़ावा देने के लिए कई ठोस योजनाएं बनाई गई है, जिसका मुख्य उद्देश्य बच्चों को इस पारंपरिक खेल से जुड़ने के लिए प्रोत्साहित करना और जरूरी सुविधाएं मुहैया कराना है।

चौथे स्थान पर रहे ग्रैंडमास्टर प्रज्ञानानंदा, कार्लसन ने सुपरबेट टूर्नामेंट जीता

वारसॉ, 13 मई। भारत के ग्रैंडमास्टर आर प्रज्ञानानंदा सुपरबेट रेपिड एवं ब्लिट्ज शतरंज टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन करते हुए चौथे स्थान पर रहे जबकि मैग्नस कार्लसन ने शीर्ष स्थान हासिल किया। यह टूर्नामेंट ग्रैंड चेस टूर का हिस्सा है। अंतिम दिन कार्लसन ने ब्लिट्ज वर्ग में नौ में से आठ अंक जुटाकर शीर्ष स्थान हासिल किया। चीन के वेई यी अंतिम दिन 2.5 अंक की बढ़त के साथ उतरे थे लेकिन अंतिम नौ बाजियों में पांच ही अंक जुटा सके और दूसरे स्थान पर रहे।

फैडरेशन कप के फाइनल्स में खेलेंगे नीरज चोपड़ा और किशोर जेना

नई दिल्ली, 13 मई। भारत के भाला फेंक के स्टार खिलाड़ी नीरज चोपड़ा और किशोर जेना को 15 मई को होने वाले फेडरेशन कप फाइनल्स में सीधे प्रवेश दिया गया है। दरअसल, इन दोनों ने अपने करियर में 75 मीटर का न्यूनतम क्वालीफाइंग स्तर कई बार हासिल किया है।ओलंपिक और विश्व चैंपियन चोपड़ा पिछले हफ्ते दोहा डाइमंड लीग में काफी अच्छा प्रदर्शन करके यहां आए हैं जहां वह 88.38 मीटर के प्रयास से दूसरे स्थान पर रहे।

हालांकि एशियाई खेलों के रजत विजेता जेना का डाइमंड लीग में पदार्पण निराशाजनक रहा क्योंकि वह 76.31 मीटर के सर्वश्रेष्ठ प्रयास के साथ तीन दौर के बाद बाहर हो गए। विश्व चैंपियनशिप 2023 में छठे स्थान पर रहे डीपी मनु की नजरें 85.50 मीटर के स्तर को पार करके पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करने पर टिकी होंगी और वह भी सीधे फाइनल में प्रतिस्पर्धा करेंगे।

भारतीय एथलेटिक्स के मुख्य कोच राधाकृष्णन नायर ने भारतीय एथलेटिक्स महासंघ (एएफआई) के क्वालीफिकेशन नियमों का हवाला देते हुए कहा, ''वे सभी जो 75 मीटर के स्तर को पार कर चुके हैं, वे मंगलवार को क्वालीफाइंग दौर में प्रतिस्पर्धा नहीं करेंगे। जिन लोगों ने प्रविष्टियां दी हैं उनमें नीरज और जेना सहित ऐसा करने वाले नौ खिलाड़ी हैं। वे सीधे बुधवार को फाइनल में प्रतिस्पर्धा करेंगे।'' उन्होंने कहा, ''75 मीटर से कम थ्रो करने वाले बाकी खिलाड़ी क्वालीफाइंग दौर में प्रतिस्पर्धा करेंगे और शीर्ष तीन खिलाड़ी फाइनल में 75 मीटर से ऊपर भाला फेंकने वाले नौ खिलाड़ियों के साथ प्रतिस्पर्धा करेंगे।''

एएफआई 26 वर्षीय चोपड़ा के तीन साल में पहली बार घरेलू प्रतियोगिता में खेलने को लेकर काफी उत्सुक है। एएफआई के एक शीर्ष अधिकारी ने पीटीआई को बताया, ''एएफआई नीरज के फेडरेशन कप में हिस्सा लेने से बिल्कुल भी हैरान नहीं है। इसमें कोई संदेह नहीं कि घरेलू प्रतियोगिता में उनकी भागीदारी भारतीय एथलेटिक्स के लिए बहुत अच्छी बात है।'' यह पता चला है कि एएफआई चाहता था कि चोपड़ा तोक्यो ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीतने के बाद और पेरिस खेलों से पहले एक घरेलू प्रतियोगिता में भाग लें।

नीरज चोपड़ा ने 2022 और 2023 में किसी भी घरेलू प्रतियोगिता में हिस्सा नहीं लिया क्योंकि वह विदेश में प्रशिक्षण या प्रतिस्पर्धा कर रहे थे। वह पिछली बार घरेलू टूर्नामेंट में मार्च 2021 में फेडरेशन कप में खेले थे। पता चला है कि चोपड़ा दोहा से भारत पहुंच चुके हैं लेकिन वह मंगलवार को ही यहां पहुंचेंगें एशियाई खेलों के पदक विजेता जेना सोमवार को यहां पहुंच रहे हैं। नायर ने पुरुषों की चार गुणा 400 मीटर रिले टीम के सदस्य राजेश रमेश की चोट को अधिक तूल नहीं दिया जो इस महीने की शुरुआत में बहामास में पहले दौर की क्वालीफाइंग हीट (शुरुआती दौर की रेस) के दूसरे चरण के दौरान बीच में ही हट गए थे। ओलंपिक क्वालीफाइंग हीट के दूसरे दौर में रमेश की जगह अरोकिया राजीव को लिया गया, जो पूरी तरह से फिट नहीं थे लेकिन भारतीय टीम ने पेरिस का टिकट कटा लिया। नायर ने कहा, ''रमेश की चोट पैर की मांसपेशियों में खिंचाव नहीं है, यह जांघ में टेंडन से संबंधित है। इसलिए यह कोई बड़ी चोट नहीं है। उसके 10–15 दिनों में ट्रेनिंग शुरू करने की उम्मीद है। राजीव भी जल्द ही ठीक हो जाएगा।'' उन्होंने कहा, ''ओलंपिक की तैयारी में कोई दिक्कत नहीं होनी चाहिए।''

कुल 19 ट्रैक एवं फील्ड खिलाड़ियों ने पेरिस के लिए क्वालीफाई किया है और नायर ने कहा कि टीम ओलंपिक के लिए पेरिस जाने से पहले चार सप्ताह तक पोलैंड के स्पाला में ट्रेनिंग करेगी। ट्रैक एवं फील्ड स्पर्धाएं एक अगस्त से शुरू होंगी। उन्होंने कहा, ''ओलंपिक से पहले टीम स्पाला में प्रशिक्षण लेगी और हम प्रतियोगिता शुरू होने से तीन या चार दिन पहले पेरिस पहुंचेंगे।'' भारतीय एथलीट पहले भी कई बार स्पाला में प्रशिक्षण ले चुके हैं। नायर ने यह भी कहा कि विश्व रिले के दौरान बहामास में विफलता के बावजूद एएफआई को अब भी मिश्रित चार गुणा 400 मीटर रिले टीम के पेरिस खेलों के लिए क्वालीफाई करने की उम्मीद है। हालांकि अब केवल दो स्थान बचे हैं।

मु.मंत्री भजनलाल ने हरियाणा में खट्टर के लिए जनसभा की

हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर कर्नाल से चुनाव लड़ रहे हैं

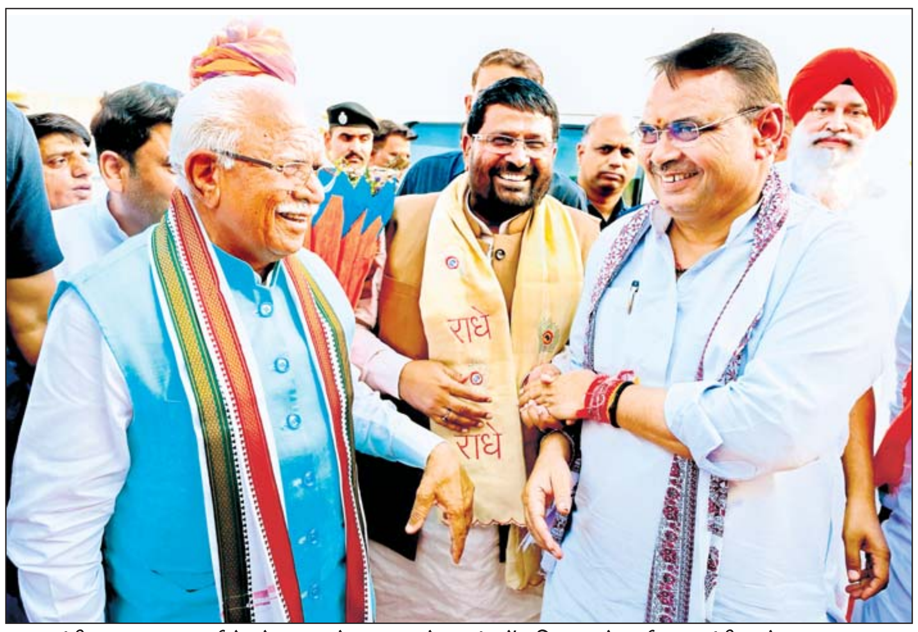

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सोमवार को करनाल के असंद में हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर के समर्थन में जनसभा को संबोधित किया। खट्टर हरियाणा की करनाल लोकसभा सीट से इस बार चुनाव लड़ रहे हैं। सभा स्थल पर पहुंचते ही खट्टर एवं मु. मंत्री भजनलाल शर्मा ने एक दूसरे का गर्मजोशी के साथ अभिवादन किया।

- **मु.मंत्री भजनलाल ने कहा कि, मोदी के कुशल नेतृत्व में देश महाशक्ति बनेगा, इसके लिए आप सभी खट्टर को विजयी बनाएं**
- **मु.मंत्री ने कहा, वर्ष 2014 के बाद मोदी ने 25 करोड़ लोगों को गरीबी रेखा से ऊपर उठाया है और देश का विकास किया है।**

असंध, 13 मई। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि, आजादी की लड़ाई में अपने प्राणों का बलिदान देने वाले स्वतत्रंता सेनानियों ने खुशहाल और विकसित भारत का सपना देखा था लेकिन कांग्रेस ने सत्ता में आने के बाद उनके सपनों पर पानी फेर दिया और वर्षों तक देश में भ्रष्टाचार किया। उनके राज में आये दिन एक से बढ़कर एक घोटाले उजागर होते रहे।

मुख्यमंत्री सोमवार को हरियाणा के असंध में करनाल लोकसभा क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी मनोहर लाल खट्टर के समर्थन में आयोजित विजय संकल्प रैली को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि, राहुल गांधी आज गरीबी हटाने की बात कर रहे हैं। ऐसी ही बातें कभी उनकी दादी इंदिरा गांधी भी किया करती थीं, मगर देश से कभी गरीबी हटी नहीं। शर्मा ने कहा कि, वर्ष 2014 के बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देश के 25 करोड़ लोगो को गरीबी से छुटकारा दिलाया है। उनके कार्यकाल में गरीब कल्याण, देश का विकास, सीमाओं की सुरक्षा और देश का सम्मान बढ़ाने सहित सभी क्षेत्रों में देश ने बेमिसाल उन्नति की है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि, वर्ष 1998 में 11 और 13 मई के दिन तत्कालीन प्रधानमंत्री स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी ने पोकरण में परमाणु परीक्षण कर दुनिया को भारत की ताकत का अहसास दिलाया था। कई देशों ने भारत पर आर्थिक प्रतिबंध लगाने की बात भी कही मगर अटल विचलित नहीं हुए। शर्मा ने कहा कि, इसी प्रकार का साहस और दृढ निश्चय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी में भी है। वर्ष 2014 से पहले देश में आये दिन आतंकी घटनाएं होती रहती थीं। लावारिस वस्तुओं को न छूने के विज्ञापन जारी होते थे। मगर मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद देश में इस तरह की घटनाएं करने की किसी की हिम्मत नहीं होती है, क्योंकि मोदी दुश्मन को घर में घुसकर मारने में विश्वास रखते हैं। शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री सीमा पर तैनात देश के जवानों के बीच जाकर उनका हौसला बढ़ाते हैं, जबकि कांग्रेस के नेता पाकिस्तान के प्रति प्रेम जताते हैं। यदि उन्हें पाकिस्तान से इतना ही प्रेम है तो वीज़ा बनवाकर वहां रहने लग जाएं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि, कांग्रेस हमेशा से ही तुष्टीकरण के आधार पर देश चलाती आ रही है। इस पार्टी ने जाति, धर्म और प्रांत के आधार पर देश को बांटने का काम किया है और इन दिनों ये लोग रंगभेद की राजनीति भी करने लगे हैं। कांग्रेस के नेताओं ने जम्मू-कश्मीर में धारा 370 लगाई। कांग्रेसी कहते थे कि धारा 370 हटाई तो खून की नदियां बहेंगी। मगर मोदी जी ने अपने दृढ़ संकल्प और इच्छाशक्ति से धारा 370 हटाकर सभी देशवासियों को वहां बराबर का अधिकार दिया और अमन शांति कायम की।

शर्मा ने कहा कि कांग्रेस ने हमेशा देशवासियों को धोखा दिया है और इनके गठबंधन के साथी इनसे भी बड़े ठग हैं और इनका गठबंधन नहीं ठगबंधन है। उन्होंने कहा कि, केजरीवाल अन्ना हजारे का सहारा लेकर और भ्रष्टाचार हटाने के मुद्दे पर राजनीति में आये थे मगर खुद ही इसमें पूरी तरह डूब गये।

मुख्यमंत्री ने कहा कि, स्वामी विवेकानंद ने कहा था कि, 21 वीं सदी भारत की होगी। आज उन नरेन्द्र (स्वामी विवेकानंद) के संकल्प को हम इन नरेन्द्र (प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी) के कार्यकाल में साकार होता हुआ देख रहे हैं। उन्होंने कहा कि, इस लोकसभा चुनाव में भाजपा गठबंधन की भारी बहुमत से जीत होगी और मोदी तीसरी बार देश के प्रधानमंत्री बनेंगे। शर्मा ने कहा कि, मोदी के कुशल नेतृत्व में आने वाले वर्षा में भारत महाशक्ति बनेगा और दुनिया का सिरमौर होगा। उन्होंने उपस्थित जनों से, करनाल से भाजपा प्रत्याशी मनोहर लाल खट्टर को विजयी बनाने की अपील की।

राजधानी जयपुर के 68 स्कूलों को मिली बम विस्फोट की धमकी के कारण अचानक शहर भर में हड़कम्प मच गया। माहेश्वरी पब्लिक स्कूल में पुलिस एवं बॉम स्क्वॉड दस्ते ने सघन तलाशी अभियान चलाया। तलाशी अभियान से पहले ही सतर्कता बरतते हुये बच्चों को क्लासरुम से बाहर निकाल दिया गया। इस बात की खबर जैसे ही अभिभावकों को मिली वे बुरी तरह परेशान हो गये।

एक साथ 68 नामी स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी मिलने से जयपुर में हड़कम्प

सभी स्कूलों के ऑफिशियल ई-मेल पर रशियन सर्वर से सुबह करीब चार बजे विस्फोटक सामग्री रखे होने का मैसेज मिला

- **सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस, बम निरोधक दस्ता, डॉग स्क्वॉड और अन्य सुरक्षा एजेंसियों सहित करीब दो हजार पुलिस कर्मियों ने सर्च ऑपरेशन चलाया।**
- **सुबह से दोपहर बाद तक चले तलाशी अभियान में कोई भी संदिग्ध वस्तु नहीं मिलने से स्कूल, पुलिस और प्रशासन ने राहत की सांस ली।**
- **राजधानी के स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी के मामले को लेकर मुख्य सचिव सुधांश पंत ने एमरजैंसी मीटिंग बुलाई।**
- **साइबर थाना पुलिस भी मामला दर्ज कर जांच में जुटी।**

जयपुर, 13 मई। राजधानी जयपुर में सोमवार को सुबह ई-मेल पर एक साथ 68 स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी मिलने से हड़कंप मच गया। आनन-फानन में बच्चों को स्कूल से बाहर निकालकर उनके घर भेजा गया। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस, बम निरोधक दस्ता, डॉग स्क्वॉड और अन्य सुरक्षा ऐजेन्सियों सहित करीब दो हजार पुलिस कर्मियों ने तलाशी ऑपरेशन चलाया। स्कूलों में कोई भी संदिग्ध वस्तु नहीं मिलने से सबने राहत की सांस ली।

पुलिस कमिश्नर बीजू जॉर्ज जोसफ ने बताया कि, सोमवार सुबह करीब चार बजे जयपुर शहर के विभिन्न स्कूलों में विस्फोटक सामग्री रखे जाने का मेल भेजा गया। करीब छह बजे से शहर के माहेश्वरी स्कूल, तिलकनगर, विद्या आश्रम स्कूल, ओटीएस चौराहा, सेंट टैरेसा स्कूल निवारू रोड, महर्षि पीजी कॉलेज, टोंक रोड, सांगानेर एम.जी.पी.एस. विद्याधर नगर, मालवीय कॉन्वेंट स्कूल मालवीय नगर, वॉरेन एकेडमी महेश नगर, संस्कार स्कूल वैशाली नगर, जयपुरिया स्कूल बजाज नगर, माहेश्वरी पब्लिक स्कूल प्रताप नगर, द पैलेस स्कूल माणक चौक, जयश्री पेड़ीवाल स्कूल, चित्रकूट सहित 68 स्कूलों में सोमवार को विस्फोटक सामग्री रखे जाने की सूचनाएं ई-मेल के जरिये प्राप्त हुईं। इस पर त्वरित कार्रवाई करते हुए तलाशी अभियान शुरु किया गया। सुबह से शाम तक चले तलाशी अभियान में किसी भी स्कूल में कोई विस्फोटक सामग्री नही मिली।

उन्होंने बताया कि स्कूलों में आए सभी ई-मेल एक ही सोर्स से भेजे गए हैं। स्कूल संचालकों की ओर से साइबर थाने में मामला दर्ज किया गया, जिसकी, जांच की जा रही है। मेल करने वाला कौन है, यह पता लगाने के लिए साइबर टीमें जुटी हुई है। प्रारंभिक जांच में सामने आया कि ये मेल रशियन सर्वर से भेजे गए हैं। पुलिस कमिश्नर ने लोगों से अपील की है कि, किसी प्रकार की अफवाहों पर ध्यान ना दें।

अतिरिक्त पुलिस कमिश्नर जयपुर, क्राइम, कैलाश विश्नोई ने बताया कि, 68 स्कूलों में तलाशी अभियान के लिए 6 बम निरोधक दस्तों को लगाया गया। विश्नोई ने बताया कि ज्यादातर समय दो बम स्क्वॉड की टीमें तैयार रहती हैं। लेकिन इस बार बड़े स्तर पर धमकी मिली थी, इस लिए 6 टीमों को तलाशी अभियान में शामिल किया गया। बम स्क्वॉड की टीमें इंटैलिजैंस के पास होती हैं, जरूरत पड़ने पर इन्हें बुलाया जाता है।

राजधानी जयपुर के स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी के मामले को लेकर मुख्य सचिव सुधांश पंत ने एमरजैंसी मीटिंग बुलाई। मीटिंग में ए.सी.एस. होम आनंद कुमार और डी.जी. इंटैलिजैंस संजय अग्रवाल को बुलाया गया। दोनों ही अधिकारियों ने धमकी भरे मेल आने के बाद अब तक चले ऑपरेशन की जानकारी मुख्य सचिव को दी।

गौरतलब है कि, स्कूलों में आज मिली धमकी को 16 साल पहले हुए जयपुर बम धमाकों से जोड़कर देखा जा रहा है। जयपुर बम धमाकों की सोमवार को 16वीं बरसी थी। 13 मई 2008 को शाम के समय शहर के परकोटा क्षेत्र में सिलसिलेवार तरीके से आतंकियों ने दो मंदिरों सहित छह जगहों पर आठ बम धमाके किए थे। इन धमाकों में 71 लोगों की जान गई थी और 181 लोग घायल हुए थे।

डॉ. किरोड़ी को हाई कोर्ट से राहत

जयपुर, 13 मई (का.सं.)। राजस्थान हाईकोर्ट ने वर्ष 2012 में दौसा रेलवे स्टेशन पर बिना अनुमति रेल रोकने के मामले में कैबिनेट मंत्री किरोड़ी लाल मीणा के खिलाफ रेलवे कोर्ट में चल रही कार्रवाई पर रोक लगा दी है। जस्टिस सुदेश बंसल की एकलपीठ ने यह आदेश किरोड़ी लाल मीणा की आपराधिक याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए।

याचिका में अधिवक्ता सुधीर जैन ने अदालत को बताया कि, याचिकाकर्ता सहित चार लोगों पर 9 अप्रेल, 2012 को दौसा रेलवे स्टेशन पर बिना अनुमति रेल रोकने का आरोप है। इसे लेकर आर.पी.एफ. थाना, दौसा, ने मामला दर्ज किया था। प्रकरण में आरोप पत्र पेश होने के बाद रेलवे कोर्ट में सुनवाई चल रही है। इसी बीच वर्ष 2020 में रेलवे की ओर से कोर्ट में प्रार्थना पत्र पेश कर केस वापस लेने की अनुमति मांगी गई।

- **राजस्थान हाई कोर्ट ने वर्ष 2012 में दौसा रेल्वे स्टेशन पर बिना अनुमति रेल रोकने के मामले में डॉ. किरोड़ी लाल मीणा के खिलाफ रेल्वे कोर्ट में चल रही कार्यवाही पर रोक लगा दी है।**

इस प्रार्थना पत्र को रेलवे कोर्ट ने 6 जनवरी, 2021 को खारिज कर दिया था। इसके खिलाफ पेश रिविज़न को भी अदालत ने गत 16 मार्च को खारिज कर दिया था। दोनों आदेशों को हाईकोर्ट में चुनौती देते हुए कहा गया कि, कोर्ट ने रेलवे के प्रार्थना पत्र की व्याख्या सही ढंग से नहीं की है। ऐसे में निचली अदालत का आदेश रद्द कर केस वापस लेने की अनुमति दी जाए।

वहीं रेलवे सुरक्षा बल की ओर से अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल राजदीपक रस्तोगी ने जवाब पेश करने के लिए समय मांगा। उन्होंने स्वीकार किया कि, रेलवे इस मुकदमे को आगे नहीं चलाना चाहती है और इसे व्यापक जनहित में वापस लेना चाहती है। दोनों पक्षों की बहस सुनने के बाद एकलपीठ ने निचली अदालत में चल रही कार्रवाई पर रोक लगा दी है।

झालावाड़...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

बूथ मैनेजमेंट कमजोर रहा। जिले में कई जगह तो कांग्रेस पोलिंग एजेंट भी नज़र नहीं आए। अगर इस बार कांग्रेस इस सीट पर गंभीरता से एक जुट होकर चुनाव लड़ती तो परिणाम चौंकाने वाले भी हो सकते थे।

बंगाल में चुनाव के चौथे चरण ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

तृणमूल के लोग पिछले सप्ताह से संदेशखाली में सक्रिय हैं और उन महिलाओं के वीडियो बना रहे हैं और रिलीज़ कर रहे हैं जिन्होंने तृणमूल के नेता-कार्यकर्ताओं पर धन ऐंठने और बलात्कार के आरोप वापस ले लिए हैं। राज्य पुलिस शिकायतकर्ताओं के साथ सख्ती से पेश आ रही है और उन्हें पुलिस पूछताछ की प्रक्रिया में लगातार उलझाए रखा जा रहा है।

पुलिस ने घनी रात में गीता बेआर को उसके घर से गिरफ्तार किया क्योंकि गीता भी शिकायतकर्ताओं और आंदोलनकर्ताओं में शामिल थी। उसके खिलाफ की गई पुलिस कार्रवाई के बारे में पता चलने पर हजारों स्थानीय महिलाओं ने उसकी तुरन्त रिहाई की मांग को लेकर शांतिपूर्ण धरना शुरु कर दिया।

धरना दे रहीं महिलाओं को पुलिस घसीटकर ले गई और पुलिस लाठीचार्ज में उनमें से कई घायल हो गईं।

इसके विपरीत डकैती के एक प्रकरण में, जिसमें तृणमूल कांग्रेस से जुड़े लोग शामिल थे, को लेकर जब प्रदर्शन किया गया तब स्थानीय पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की।

तथापि, आज शाम पुलिस ने आंदोलनकारियों के खिलाफ कार्रवाई शुरु की। संदेशखाली के लोग नारेबाजी कर रहे हैं, और शिकायतें कर रहे हैं।

हिंसा और कई जगहों पर मौत की खबरों के बीच बंगाल में चुनाव का चौथा चरण निबट गया। दुर्भाग्य से मुख्यमंत्री ममता बनर्जी, जो कि राज्य की पुलिस मंत्री भी हैं, सहित किसी ने भी किसी तरह का खेद व्यक्त नहीं किया।

भाजपा के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष दिलीप घोष दुर्गापुर में अपने निर्वाचन क्षेत्र के कुछ इलाकों का दौरा कर रहे थे, तब तृणमूल कांग्रेस के गुण्डों ने उन पर हमला बोल दिया। घोष तुरन्त प्रभाव से उन क्षेत्रों में गए थे, जहां बूथ कैप्चरिंग और फर्जी मतदान की व्यापक शिकायतें थीं। जब वे विवादित क्षेत्रों में पहुंचे तब तृणमूल के बाहुबलियों ने उन पर हमला कर दिया। वे घोष पर पत्थर और ईंटें फेंकने लगे। हमले में उनकी कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। घोष और भाजपा समर्थको के साथ तृणमूल के कई समर्थकों ने धक्का-मुक्की की।

कांग्रेस के सीनियर नेता अधीर रंजन चौधरी को उन वोटिंग बूथों पर जाने की अनुमति नहीं दी गई जहां फर्जी मतदान की खबरें थीं। उन्हें अनुमति ना दिए जाने के संबंध में पुलिस का तर्क था कि चौधरी के वाहनों के वाफिले में बहुत कारें होती हैं।

वास्तव में, तृणमूल के लोगों का समर्थन कर रहे राज्य प्रशासन की मनमानी का सभी विपक्षी पार्टियां एक स्वर में विरोध कर रही हैं।

वरिष्ठ भाजपा ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

बीच नहीं रहे। पूरे भाजपा संगठन परिवार के साथ-साथ मेरे जैसे असंख्य कार्यकर्ताओं के लिए यह एक अपूरणीय क्षित है।

अपने संगठन कौशल, प्रशासनिक समझ और सामाजिक राजनीतिक विषयों पर गहरी जानकारी के लिए वे हमेशा याद किए जाएंगे। ईश्वर दिवंगत आत्मा को चिरशांति और परिजनों को इस शोक की घड़ी में संबल प्रदान करें।"

भाजपा की हैदराबाद से ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

"मैं चुनावी उम्मीदवार हूँ। कानून के अनुसार एक उम्मीदवार को मतदाता की वोटर आई.डी. की जांच करने का अधिकार है। मैं पुरूष नहीं हूँ, मैं एक महिला हूँ और मैंने बहुत ही विनम्रता के साथ उनसे अनुरोध किया था। उन्होंने कहा कि यदि कोई व्यक्ति इस मामले को तूल देकर बड़ा करना चाहता है तो इसका मतलब है वे काफी डरे हुए हैं।"

हालांकि ओवैसी ने इस घटना पर अपनी कोई प्रतिक्रिया व्यक्त नहीं की है परन्तु उन्होंने घटना के वीडियो को अपने एक्स एकाउंट पर लोगों के साथ साझा किया है। भाजपा के प्रत्याशी ने मतदाता सूची में विसंगतियां होने का आरोप लगाया है। उन्होंने मीडिया से कहा कि, "पुलिस कर्मी बहुत सुस्त नज़र आ रहे हैं, वे चुस्त-दुरूस्त नहीं है। वे कुछ भी जांच नहीं रहे हैं। वरिष्ठ मतदाता नागरिक यहां वोट डालने के लिए आ रहे हैं परन्तु उनके नाम मतदाता सूची से काट दिए गए हैं।"

हैदराबाद में एक ध्रुवीकृत चुनावी मुकाबले की पृष्ठभूमि के चलते उनके खिलाफ वीडियो वायरल किए जा रहे हैं यह सीट मुस्लिम बहुल आबादी वाली सीट है और इस सीट पर असदुद्दीन ओवैसी के परिवार की मजबूत पकड़ है।

चुनाव से पहले माधवी लता ने कहा था कि उन्हें मुस्लिम वोटरों का समर्थन सहयोग मिलने की इसलिए उम्मीद है क्योंकि भाजपा तीन-तलाक एवं मुस्लिम नवयुवकों को रोजगार पर पहले ही अपनी बात कह चुकी है। वायरल वीडियोज़ और उनसे जुड़े विवाद से उनकी पहुचं अल्पसंख्यक मतदाताओं तक प्रभावशाली होने की संभावना है।

क्या केजरीवाल के...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

बचे हुए तीन चरणों में 40 सीटों पर मतदान होना है। इस वर्तमान विवाद के कारण केजरीवाल की महिलाओं और गरीबों को समर्थन देने वाली छवि की चमक फीकी पड़ सकती है। मालीवाल औपचारिक रूप से प्राथमिकी दर्ज कराएं या नहीं, यह घटना आप कार्यकर्ताओं के बीच आंतरिक लड़ाई और विवाद की तरफ जरूर इशारा करती है।

मालीवाल के आरोप ने स्पष्ट रूप से भाजपा में जोश भर दिया है, जो दिल्ली की सातों लोकसभा सीटें जीतकर, सन् 2014 और 2019 का अपना प्रदर्शन दोहराना चाहती है।

नई दिल्ली सीट से भाजपा प्रत्याशी, बांसुरी स्वराज ने इस घटना को "शर्मनाक" बताया है और केजरीवाल से पूछा है कि वह दिल्ली की महिलाओं की रक्षा कैसे कर सकते हैं जबकि उनकी उपस्थिति में ही उनकी पार्टी की नेता सुरक्षित नहीं है। केन्द्रीय मंत्री, अनुराग ठाकुर ने भी मुख्यमंत्री पर कटाक्ष करते हुए कहा, "आम आदमी पार्टी से अरविंद विज्ञापन पार्टी तक और अब अरविंद हमला पार्टी, पता नहीं यह पार्टी और इसके संयोजक अरविंद केजरीवाल कितना नीचे गिरेंगे। दिल्ली के भाजपा प्रमुख विरेंद्र सचदेवा ने कहा कि, "मालीवाल के साथ जो कुछ भी हुआ है उसकी जाँच होनी चाहिए ताकि केजरीवाल के इस पहलू का भी पर्दाफाश हो सके।"

संयोगवश, वर्ष 2018 में भी केजरीवाल पर इस तरह के आरोप लग चुके हैं, जब दिल्ली के मुख्य सचिव, अंशु प्रकाश ने "आप" विधायकों पर, मुख्यमंत्री आवास में देर रात उन पर हमले का आरोप लगाया था। यद्यपि, अगस्त 2021 में दिल्ली की अदालत ने मुख्यमंत्री केजरीवाल, उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया और 9 अन्य को कथित हमले से दोषमुक्त कर दिया था।

महाराष्ट्र में मुठभेड़ में तीन नक्सली मारे गये

गढ़चिरौली, 13 मई। महाराष्ट्र के गढ़चिरौली जिले में सोमवार को नक्सलियों के साथ सुरक्षा बलों की मुठभेड़ हो गई। इस दौरान 3 नक्सली मारे गए जिनमें 2 महिलाएं हैं। यह जानकारी पुलिस ने दी। नक्सलियों के खिलाफ ऐक्शन के तौर पर इसे पुलिस की बड़ी कामयाबी माना जा रहा है। पुलिस अधीक्षक नीलोत्पल ने कहा कि हमें खुफिया सूचना मिली थी। बताया गया कि नक्सलियों के पेरीमिली दलम के कुछ सदस्य अपने टैक्टिकल काउंटर ऑफेंसिव कैंपेन को लेकर एकजुट हुए हैं। ये अपनी साजिश को

- **मारे गये नक्सलियों में दो महिलायें हैं.**

अंजाम देने के मकसद से भामरागढ तालुका के कटरांगट्टा गांव के पास जंगल में जमा हुए थे। पुलिस अधिकारी ने बताया कि गढ़चिरौली पुलिस की विशेष दस्ते सी-60 कमांडो की 2 यूनिट्स को तुरंत इलाके में तलाशी अभियान के लिए भेजा गया। अधिकारी ने बताया कि जब दल तलाशी अभियान चला रहे थे, उसी समय नक्सलियों ने उन पर अंधाधुंध गोलीबारी की, जिसका सी-60 कर्मियों ने जवाब दिया। उन्होंने बताया कि गोलीबारी रुकने के बाद घटनास्थल से 1 पुरुष और 2 महिला नक्सलियों के शव बरामद किए गए।

चौथे चरण में 63 प्रतिशत से अधिक मतदान

नई दिल्ली, 13 मई। लोकसभा चुनाव के चौथे चरण में सोमवार को 10 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेश में 96 सीटों पर मतदान हुआ। यहां रात 8 बजे तक के आंकड़ों के अनुसार मतदान प्रतिशत 63 प्रतिशत से अधिक रहा। चुनाव आयोग की ओर से जारी आंकड़ों के अनुसार, पश्चिम बंगाल में सर्वाधिक 76.02 प्रतिशत वोट डाले गए। जम्मू-कश्मीर में श्रीनगर सीट पर 36.74 प्रतिशत मतदान हुआ था जो पिछले कुछ दशकों का सर्वश्रेष्ठ मत प्रतिशत है। महाराष्ट्र में मतदान 52.75 प्रतिशत और उत्तर प्रदेश में 57.91 प्रतिशत और बिहार में 55.92 प्रतिशत वोट डाले गये।

- **प.बंगाल में सर्वाधिक 76.02 प्रतिशत वोट डाले गये तथा कश्मीर की श्रीनगर सीट पर सबसे कम 36.74 प्रतिशत मतदान हुआ।**

आंध्र प्रदेश व पश्चिम बंगाल में हिंसा की घटनाओं और उत्तर प्रदेश के कुछ गांवों में चुनावों के बहिष्कार की खबरों के बीच आज वोटिंग हुई। निर्वाचन आयोग के मुताबिक, शाम 5 बजे तक 62.31 फीसदी मतदान दर्ज किया गया था। आंध्र प्रदेश में 68.04 फीसदी, बिहार में 54.14 फीसदी, झारखंड में 63.14 फीसदी, मध्य प्रदेश में 68.01 फीसदी, महाराष्ट्र में 52.49 फीसदी, ओडिशा में 62.96 फीसदी, तेलंगाना में 61.16 फीसदी और उत्तर प्रदेश में 56.35 फीसदी मतदाताओं ने वोट डाला।

एक वीडियो क्लिप सामने आने के बाद चुनाव अधिकारियों ने तेलंगाना की हैदराबाद लोकसभा सीट से भाजपा उम्मीदवार के माधवी लता के खिलाफ मामला दर्ज किया। वीडियो में वह बुर्का पहने महिला मतदाताओं से कथित तौर पर चेहरा दिखाने के लिए कह रही थीं। आंध्र प्रदेश में तेलुगु देशम पार्टी और वाईएसआरसीपी ने खासकर पलनाडु, कडप्पा और अन्नामय्या जिलों में एक-दूसरे पर हिंसा के आरोप लगाए। वाईएसआरसीपी ने चुनाव आयोग को पत्र लिखकर प्रतिद्वंद्वी तेदेपा पर वेमुरु, दारसी, इच्छापुरम, कुप्पम, माचेरला, मार्कापुरम, पालकोंडा और पेदाकुरापौडु समेत कई विधानसभा क्षेत्रों में चुनाव आचार संहिता के उल्लंघन का आरोप लगाया।

पश्चिम बंगाल के 8 संसदीय क्षेत्रों में लोकसभा चुनाव के चौथे चरण में हिंसा की छिटपुट घटनाओं के कारण बीरभूम और बर्धमान-दुर्गापुर लोकसभा सीट के अंतर्गत विभिन्न क्षेत्रों में टीएमसी और भाजपा कार्यकर्ताओं के बीच झड़प हो गई। निर्वाचन आयोग ने कहा कि उसे अब तक विभिन्न राजनीतिक दलों से 1,088 शिकायतें प्राप्त हुई हैं, जिनमें ईवीएम में खराबी और कार्यकर्ताओं को बूथ में प्रवेश करने से रोकने का आरोप लगाया गया है। बर्धमान-दुर्गापुर से भाजपा उम्मीदवार दिलीप घोष के काफिले पर दो जगहों पर पत्थर फेंके गए। सूत्रों ने दावा किया कि टीएमसी कार्यकर्ताओं ने घोष के साथ अभद्रता भी की। बीरभूम लोकसभा सीट के अंतर्गत नानूर में, भाजपा के पोलिंग एजेंटों को कथित तौर पर बूथ में प्रवेश करने से रोके जाने के बाद भाजपा कार्यकर्ता टीएमसी कार्यकर्ताओं से भिड़ गए।

मुम्बई में जोरदार आंधी, होर्डिंग के नीचे दबकर आठ की मौत

मुंबई, 13 मई। मुंबई को सोमवार को जोरदार आंधी ने हिला डाला। धूल भरी इस आंधी के चलते लोग जहां के तहां फंस गए और कई जगहों पर ट्रैफिक बाधित रहा। कई उड़ानों पर भी इसका असर पड़ा है। तेज हवाओं के चलते कहीं पेड़ गिर गए तो कहीं बैनर और बिलबोड्र्स आदि आंधी में नीचे आ गिरे। एक ऐसा ही बड़ा सा बिलबोर्ड-हॉर्डिंग गिरने के चलते 8 लोगों की मौत हो गई और 64 लोग घायल हैं। 20 से ज्यादा लोग अंदर फंसे बताए जा रहे हैं। घायलों को राजावाड़ी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हॉस्पिटल का दौरा करने वाले बीएमसी आयुक्त भूषण गगरानी ने कहा, अब तक राजावाड़ी अस्पताल में कुल 64 लोग एडमिट हुए हैं। 4 लोगों को अस्पताल में मृत घोषित किया गया और 4 लोग मौके पर ही मृत पाए गए थे।

- **पैट्रोल पम्प पर जमा लोगों पर अवैध होर्डिंग गिर गई इस हादसे में 64 लोग घायल हो गये।**

बिलबोर्ड गिरने की घटना मुंबई के घाटकोपर इलाके की है। बिलबोर्ड एक पेट्रोल पंप के सामने लगा था, जो आंधी आने पर पंप के बीचोंबीच जा गिरा, जहां कुछ लोग मौजूद थे।

आंध्र में भारी वोटिंग...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

फिर सत्ता में आने पर वह और बढ़िया काम करेंगे।

दूसरी तरफ तेलुगूदेशम के प्रमुख एन. चन्द्रबाबू नायडू ने मुख्यमंत्री के विरूद्ध बहुत आक्रामक प्रचार किया, उन्होंने मुख्यमंत्री पर भ्रष्टचार, कुशासन और वित्तीय अनियमितताओं के आरोप लगाए और जनता से उन्हें सत्ता से बाहर करने की अपील की।

जैसे कि आज की स्थिति है, लोकसभा चुनावों में, दोनों राजनीतिक दलों को पचास-पचास प्रतिशत सीटें मिलती हैं, लेकिन विडम्बना यह है कि तेलुगूदेशम पार्टी और वाय.एस.आर.सी.पी. दोनों ही केन्द्र में भाजपा और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को समर्थन देंगी। लेकिन, त्रिशंकू संसद के केस में, जगनमोहन रेड्डी पुर्नविचार कर सकते हैं।

संसदीय चुनावों के बाद, विभिन्न पार्टियों की सीटों पर सबकुछ निर्भर करेगा।

पड़ौसी राज्य तेलंगाना में कांग्रेस ने पूरे जोश के साथ चुनाव लड़ा है जैसा कि उसने विधानसभा चुनावों के समय किया था और भारी बहुमत प्राप्त किया था और इस बार कांग्रेस 25 सीटों में से 10 सीटें जीतने की और अग्रसर है। भाजपा की पिछली बार की तरह इस बार भी चार सीटें जीतने की संभावना है लेकिन दो सीटों की अदला-बदली हो सकती है।

संयोगवश केन्द्रीय मंत्री जी. किशन रेड्डी की सिकंदराबाद चुनाव क्षेत्र से हारने की संभावना है। तेलंगाना के मुख्यमंत्री आश्वस्त लगे जब उन्होंने कहा कि वो कम से कम 14 सीटों पर जीतेंगे, जो कि हो भी सकता है क्योंकि पूर्व मुख्यमंत्री के. चन्द्रशेखर रॉव के नेतृत्व वाली क्षेत्रीय पार्टी बी.आर.एस. अपने सबसे बुरे चुनावी प्रदर्शन की तरफ तेजी से बढ़ रही थी।

एक राजनीतिक विश्लेषक ने कहा, ज्यादा से ज्यादा वह एक या दो सीटें जीत सकती है।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक:- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालय:-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय:-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालय:-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालय:-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय: एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908